रांची, बुधवार
16.10.2024
वर्ष : 9, अंक : 312 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

# बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

# झारखंड में दो चरणों में होगा विस चुनाव, 13 और 20 नवंबर को मतदान

## चौदह राज्यों की 48 विधानसभा और महाराष्ट्र व केरल की एक-एक लोकसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा

एजेंसी

**नई दिल्ली।** चुनाव आयोग ने मंगलवार को महाराष्ट्र एवं झारखंड के साथ 14 राज्यों की 48 विधानसभा सीटों और महाराष्ट्र एवं केरल की एक-एक लोकसभा सीटों पर उपचुनाव कार्यक्रमों की भी घोषणा की। केरल की वायनाड लोकसभा सीट के साथ 13 राज्यों की 47 विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को मतदान होगा, जबकि महाराष्ट्र की नांदेड़ लोकसभा सीट और उत्तराखंड की केदारनाथ विधानसभा सीट पर 20 नवंबर को मतदान होगा। सभी सीटों की मतगणना 23 नवंबर को होगी।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू के साथ दिल्ली के विज्ञान भवन में पत्रकार वार्ता में चुनाव कार्यक्रमों की घोषणा की। इसके अनुसार 48 विधानसभा सीटों में से सर्वाधिक 9 सीटें उत्तर प्रदेश की हैं। इसके अलावा राजस्थान की 7, पश्चिम बंगाल की 6, असम की 5, बिहार एवं पंजाब की 4-4, कर्नाटक की 3, केरल, मध्य प्रदेश और सिक्किम की 2-2, गुजरात, उत्तराखंड, मेघालय और छत्तीसगढ़ की 1-1 विधानसभा सीट पर उपचुनाव होगा।

आयोग के अनुसार 13 राज्यों की 47 विधानसभा सीटों और केरल की वायनाड लोकसभा सीट के लिए बुधवार 13 नवंबर को मतदान होगा। इसके लिए अधिसूचना 18 अक्टूबर को जारी की जाएगी।

### इन राज्यों की विधानसभा सीटों पर उपचुनाव

उत्तर प्रदेश- मीरापुर, कुंदरकी, गाजियाबाद, खैर (एससी), करहल, सीसामऊ, फूलपुर, कटेहरी, मझावन।
राजस्थान- झुंझुनू, रामगढ़, दौसा, देवली-उनियारा, खींवसर, सलूंबर (एसटी), चौरासी (एसटी)।
पश्चिम बंगाल- सीताई (एससी), मदारीहाट (एसटी), नैहाटी, हरोआ, मेदिनीपुर, तालडांगरा।
असम- धोलाई (एससी), सिडली (एसटी), बोंगाईगांव, बेहाली, सामागुड़ी।
बिहार- तरारी, रामगढ़, इमामगंज (एससी), बेलागंज।
पंजाब- डेरा बाबा नानक, चब्बेवाल (एससी), गिद्दड़बाहा, बरनाला।
कर्नाटक- शिगांव, संदुर (एसटी), चन्नापटना।
केरल- पलक्कड़ और चेलक्कारा (एससी)।
मध्य प्रदेश- बुधनी और विजयपुर।
सिक्किम- सोरेंग-चाकुंग और नामची-सिंघीथांग।
छत्तीसगढ़- रायपुर सिटी साउथ।
गुजरात- वाव सीट।
मेघालय- गाम्बेग्रे (एसटी)।
उत्तराखंड- केदारनाथ।

### पहले चरण की सीटें

कोडरमा, बरकट्ठा, बरही, बड़कागांव, हजारीबाग, सिमरिया, चतरा, बहरागोड़ा, घाटशिला, पोटका, जुगसलाई, जमशेदपुर पूर्वी, जमशेदपुर पश्चिमी, ईचागढ़, सरायकेला, चाईबासा, मझगांव, जगन्नाथपुर, मनोहरपुर, चक्रधरपुर, खरसांवा, तमाड़, तोरपा, खूंटी, रांची, हटिया, कांके, मांडर, सिसई, गुमला, विशुनपुर, सिमडेगा, कोलेबिरा, लोहरदगा, मनिका, लातेहार, पांकी, डालटेनगंज, विश्रामपुर, छतरपुर, हुसैनाबाद, गढ़वा, भवनाथपुर।

### दूसरे चरण की सीटें

राजमहल, बोरियो, बरहेट, लिट्टीपाड़ा, पाकुड़, महेशपुर, शिकारीपाड़ा, नाला, जामताड़ा, दुमका, जामा, जरमुंडी, मधुपुर, सारठ, देवघर, पौड़ेयाहाट, गोड्डा, महगामा, रामगढ़, मांडू, धनवार, बगोदर, जमुआ, गांडेय, गिरिडीह, डुमरी, गोमिया, बेरमो, बोकारो, चंदनकियारी, सिंदरी, निरसा, धनबाद, झरिया, टुंडी, बाघमारा, सिल्ली व खिजरी।

### कुल 81 सीटों पर होंगे चुनाव

झारखंड में 81 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव होगा। इसमें सामान्य 44, एसटी 28 और एससी 9 सीटें हैं। झारखंड विधानसभा चुनाव में 2.6 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इसमें 1.29 करोड़ महिला और 1.31 करोड़ पुरुष मतदाता हैं। पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं की संख्या 11.84 लाख है। झारखंड में 20281 क्षेत्रों में 29562 पोलिंग स्टेशन बनेंगे। शहरी क्षेत्रों में 5042 और ग्रामीण क्षेत्रों में 24520 मतदान केंद्र होंगे।

बिभा संवाददाता

**रांची।** केंद्रीय चुनाव आयोग ने मंगलवार को झारखंड विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान किया। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने पत्रकार वार्ता में बताया कि झारखंड में दो चरणों में चुनाव होंगे। पहला चरण 13 नवबंर और दूसरा 20 नवंबर को होगा। पहले चरण में 43 और दूसरे चरण में 38 विधानसभा सीटों पर चुनाव होंगे। वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी। उनके साथ चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधु भी थे। इसी के साथ इन दोनों राज्यों में आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू हो गयी है।

## झारखंड विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ आदर्श आचार संहिता लागू

# स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव प्राथमिकता : रवि कुमार

बिभा संवाददाता

रांची, 15 अक्टूबर (हि.स.)। केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने झारखंड विधानसभा चुनाव की घोषणा कर दी है। इसी के साथ 15 अक्टूबर की शाम साढ़े तीन बजे से राज्य में आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गया है।

राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने बताया कि चुनाव 13 और 20 नवंबर को दो चरणों में होंगे। मतगणना 23 नवंबर को होगी। पहले चरण के चुनाव के लिए अधिसूचना 18 और दूसरे चरण की 22 अक्टूबर को जारी होगी। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग आदर्श आचार संहिता का पालन सुनिश्चित करेगा। स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव हमारी प्राथमिकता होगी। शहरी क्षोत्रों में मतदान प्रतिशत बढ़ाना भी हमारी प्रथमिकता सूची में है। वह मंगलवार को निर्वाचन सदन, धुर्वा में मीडिया से मुखातिब थे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि पहले चरण में 43 विधानसभा क्षेत्रों में तथा दूसरे चरण में 38 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान होंगे। पहले चरण के लिए नामांकन 25 अक्टूबर तक और दूसरे चरण के लिए नामांकन की अंतिम तिथि 29 अक्टूबर होगी। पहले चरण के नामांकनों की स्क्रूटनी 28 अक्टूबर और दूसरे चरण की स्क्रूटनी 30 अक्टूबर को होगी। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण के चुनाव को लेकर नाम वापसी की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर और दूसरे चरण के लिए नाम वापसी की अंतिम तिथि 01 नवंबर है। पूरी चुनावी प्रक्रिया 25 नवंबर को समाप्त हो जाएगी।

पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने बताया कि मतदाताओं को मतदान को लेकर कोई असुविधा नहीं हो, इसे लेकर व्यापक तैयारी की गयी है। चुनाव कर्मियों को इसे लेकर प्रशिक्षित भी किया गया है। मतदान केंद्रों पर मतदाताओं का इंतजार कम हो, इसकी भी व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने बताया कि चुनाव आयोग एक एप्प भी जारी करेगा, जिसके माध्यम से मतदाता मतदान केंद्रों की स्थिति मसलन मतदान केंद्र पर कितने लोग मतदान के लिए कतार में हैं, यह जानकारी घर बैठे ले सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह एप्प बुजुर्ग मतदाताओं के लिए काफी लाभदायक होगा। वहीं, 85 वर्ष से ऊपर के मतदाताओं को घर से मतदान की भी सुविधा रहेगी। इसके लिए उन्हें फार्म 12 डी भरना होगा। उन्होंने बताया कि चुनाव प्रचार में उम्मीदवार अधिकतम 40 लाख रुपये तक खर्च कर सकते हैं।

पत्रकार वार्ता में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के साथ अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. नेहा अरोड़ा और संदीप सिंह भी मौजूद थे।

## अल्जीरियाई विवि ने राष्ट्रपति मुर्मु को मानद डॉक्टरेट की उपाधि की प्रदान

**अल्जीरियस :** अल्जीरिया के शहीद इहादादेन अब्देलहाफिद वैज्ञानिक और तकनीकी विश्वविद्यालय ने मंगलवार को यहां एक समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को मानद डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की। भारत में सभी सामाजिक समूहों के लिए विज्ञान और ज्ञान की वकालत के लिए उन्हें राजनीति विज्ञान में मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि यह एक व्यक्ति से अधिक भारत के लिए सम्मान की बात है। उन्होंने इस सम्मान के लिए विश्वविद्यालय को धन्यवाद दिया। राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा न केवल व्यक्तिगत सशक्तिकरण बल्कि राष्ट्रीय विकास का भी साधन है। छात्रों को प्रबुद्ध नागरिक के रूप में विकसित करने और भारत को ज्ञान अर्थव्यवस्था में ले जाने के उद्देश्य से, भारत सरकार ने शिक्षा क्षेत्र में कई सुधार किए हैं। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का लक्ष्य सभी स्तरों पर शिक्षा प्रणाली में बदलाव लाना है। यह नीति विदेशी शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोग के रास्ते भी खोलती है। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत पश्चिमी संस्थानों की तुलना में बहुत कम लागत पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करता है और अफ्रीकी छात्रों को कई छात्रवृत्तियां और फेलोशिप भी प्रदान करता है। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी विभागों और अल्जीरिया के युवाओं को भारत सरकार की विभिन्न पहलों का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया।

## भारत का डिजिटल अनुभव दुनिया में जनकल्याण कार्यों को बना सकता है सशक्त : प्रधानमंत्री

बिभा संवाददाता

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत ने दूरसंचार को समानता और अवसर के साधन के रूप में इस्तेमाल कर-के कनेक्टिविटी से आगे बढ़ कर सामाजिक-आर्थिक विभाजन को पाटने और पहुंच को मजबूत करने का काम किया है। दुनिया भारत के डिजिटल अनुभव का लाभ उठा कर जनकल्याण कार्यों को सशक्त बना सकते हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ की विश्व दूरसंचार मानकीकरण सभा का दिल्ली के भारत मंडपम में उद्घाटन किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत दुनिया को संघर्ष से बाहर निकाल कर आपस में जोड़ने में लगा हुआ है। उन्होंने वैश्विक संस्थाओं से दूरसंचार और डिजिटल टेक्नोलॉजी के बारे में मानक तय करने की अपील की।

प्रधानमंत्री ने बताया कि भारत में डिजिटल विकास के चार प्रमुख आधार हैं, जिनमें सस्ता डिवाइस उपलब्ध कराना, देश के हर कोने में कनेक्टिविटी प्रदान करना, सस्ता डेटा और डिजिटल फर्स्ट को प्राथमिकता देना है। पिछले 10 साल में इन प्रमुख बिंदुओं पर अभूतपूर्व कार्य हुआ है।

## राजनाथ ने तेलंगाना में नौसेना के नये स्टेशन की आधारशिला रखी

एजेंसी

**नई दिल्ली :** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को तेलंगाना के विकाराबाद में दमगुंडम रिजर्व फॉरेस्ट साइट पर 3,200 करोड़ रुपये की लागत से नौसेना के एक नए वेरी लो फ्रीक्वेंसी (वीएलएफ) स्टेशन की आधारशिला रखी जो 2,900 एकड़ में फैला होगा।

यह चुनौतीपूर्ण समुद्री परिदृश्य में प्रभावी कमान और नियंत्रण क्षमताओं को सुनिश्चित करते हुए नौसेना की परिचालन तत्परता को बढ़ाएगा। यह नौसेना संचार बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, लंबी दूरी पर विश्वसनीय और सुरक्षित प्रसारण को सक्षम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

रक्षा मंत्री ने इस अवसर पर विश्वास जताया कि वीएलएफ स्टेशन देश की सैन्य क्षमताओं का विस्तार करेगा, जो सशस्त्र बलों के लिए वरदान साबित होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि हाई-टेक वीएलएफ स्टेशन सिर्फ एक सैन्य प्रतिष्ठान नहीं बल्कि राष्ट्रीय महत्व की एक रणनीतिक संपत्ति होगी।

श्री सिंह ने कहा, युद्ध के उभरते तरीकों को देखते हुए मनुष्य और मशीनों के बीच प्रभावी समन्वय बेहद महत्वपूर्ण होता जा रहा है। यह वीएलएफ स्टेशन हमारे समुद्री हितों को सुरक्षित करने की दृष्टि से बनाया जा रहा है। यह सशस्त्र बलों के कमांड सेंटरों के साथ हमारे जहाजों और पनडुब्बियों के बीच सुरक्षित और वास्तविक समय संचार सुनिश्चित करेगा। अचूक संचार प्रणाली जीत और हार के बीच निर्णायक कारक साबित होता है। वास्तविक समय संचार के बिना, हम पर्याप्त उपकरण या जनशक्ति होने के बावजूद बढ़त हासिल नहीं कर सकते, मजबूत संचार प्रणाली के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, रक्षा मंत्री ने इसे किसी भी जटिल ऑपरेशन में समन्वय के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक स्पष्ट और सुरक्षित संचार चैनल न केवल समय पर और प्रभावी निर्णय लेने में मदद करता है, बल्कि कमांड के आदेशों को फील्ड संरचनाओं तक पहुंचाने और फीडबैक प्राप्त करने का भी एक महत्वपूर्ण माध्यम है।

## संक्षिप्त खबरें

### कांग्रेस ने प्रियंका को वायनाड से दिया लोकसभा का टिकट

**नई दिल्ली :** कांग्रेस ने पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा को केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव के लिए मैदान में उतारा है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने श्रीमती वाड्रा को वायनाड सीट से लोकसभा चुनाव लड़ने को मंजूरी दी है। गौरतलब है कि श्रीमती वाड्रा की वायनाड से चुनाव लड़ने की चर्चा लोकसभा में विपक्ष की नेता राहुल गांधी ने इस सीट से इस्तीफा देने के बाद से ही चल रही थी। श्री गांधी रायबरेली और वायनाड से चुनाव लड़े थे और दोनों जगह से चुनाव जीतने की बाद उन्होंने उत्तर प्रदेश में अपने परिवार के परंपरागत लोकसभा क्षेत्र रायबरेली का प्रतिनिधित्व करने का निर्णय लिया। इस सीट से श्रीमती सोनिया गांधी चुनाव लड़ती रही हैं लेकिन 2024 के आम चुनाव में उन्होंने स्वास्थ्य का हवाला देते हुए चुनाव नहीं लड़ने का निर्णय लिया जिसके बाद श्री गांधी इस सीट से चुनाव लड़े और लोकसभा में पहुंचे।

### विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने नियुक्त किए तीन पर्यवेक्षक

**रांची।** झारखंड में विधानसभा चुनाव का ऐलान होते ही कांग्रेस सक्रिय हो गयी है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को विधानसभा चुनाव को देखते हुए तीन वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं को पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। इनमें कांग्रेस सांसद तारिक अनवर, पूर्व सांसद अधीर रंजन चौधरी और तेलंगाना के उप मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का मालू शामिल हैं। झारखंड विधानसभा चुनाव में सीट शेयरिंग के साथ-साथ उम्मीदवारों के चयन और प्रचार में इनकी अहम भूमिका होगी। इस संबंध में कांग्रेस के जनरल सेक्रेटरी केसी वेणुगोपाल ने अधिसूचना जारी कर दी है।

### इलाहाबाद हाई कोर्ट का बड़ा फैसला, आपसी सहमति से बने संबंध दुष्कर्म नहीं

**नई दिल्ली:** इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा है कि लंबे समय से पारस्परिक सहमति से हुआ व्यभिचार जिसमें प्रारंभ से धोखाधड़ी का कोई तत्व मौजूद नहीं हो, दुष्कर्म की श्रेणी में नहीं आता। अदालत ने शादी का वादा करने के बहाने एक महिला से दुष्कर्म करने के आरोपी के खिलाफ आपराधिक मुकदमा रद्द कर दिया। अदालत ने यह भी कहा कि जब तक यह साबित ना हो कि प्रारंभ से ही ऐसा झूठा वादा किया गया था, तब तक शादी का वादा करके सहमति से यौन संबंध बनाना दुष्कर्म नहीं की श्रेणी में नहीं आता। अदालत ने कहा, जब तक यह आरोप ना हो कि ऐसे संबंध की शुरूआत से आरोपी की तरफ से ऐसा वादा करते समय उसमें धोखाधड़ी के कुछ तत्व मौजूद हों, तो इसे शादी का झूठा वादा नहीं माना जाएगा। श्रेय गुप्ता नामक व्यक्ति द्वारा दायर याचिका को स्वीकार करते हुए न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता ने मुरादाबाद की अदालत में लंबित आपराधिक मुकदमे को रद्द कर दिया। याचिकाकर्ता के खिलाफ एक महिला की शिकायत पर दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया था।

# चुनाव से पहले फ्री वाली स्कीमों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, केंद्र और ईसी को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

एजेंसी

**नई दिल्ली:** चुनावों में राजनीतिक दलों द्वारा मुफ्त वादों को रिश्वत घोषित करने की मांग वाली याचिका पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने केंद्र और चुनाव आयोग को इस संबंध में नोटिस जारी किया है। याचिका में अनुरोध किया गया है कि चुनाव आयोग को ऐसे मुफ्त वादों पर रोक लगाने के लिए तत्काल कदम उठाने के निर्देश दिए जाएं। याचिका में कहा गया है कि चुनावों के दौरान राजनीतिक दल अक्सर मुफ्त सुविधाएं देने का वादा करते हैं, जो भविष्य में वित्तीय बोझ का कारण बनते हैं।

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस याचिका पर सुनवाई के दौरान केंद्र और चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया। इसके साथ ही, इस याचिका को लंबित मामलों के साथ भी टैग किया गया, जिससे इसकी गंभीरता को समझा जा सके। इस कदम से यह संकेत मिलता है कि अदालत इस मामले को गंभीरता से ले रही है और चुनावों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए उचित कदम उठाने की आवश्यकता को महसूस कर रही है।

कर्नाटक के निवासी शशांक जे श्रीधर द्वारा दायर जनहित याचिका में यह कहा गया है कि मुफ्त के अनियमित वादे सरकारी खजाने पर अत्यधिक वित्तीय बोझ डालते हैं। याचिका में चुनाव आयोग से यह अनुरोध किया गया है कि वह चुनाव पूर्व अवधि के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा किए जाने वाले मुफ्त वादों को रोकने के लिए तत्काल और प्रभावी कदम उठाए। याचिकाकर्ता का तर्क है कि इन वादों के कारण न केवल सरकारी खजाने पर दबाव बढ़ता है, बल्कि यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया की पारदर्शिता को भी कमजोर करता है।

याचिका में यह भी मांग की गई है कि विधानसभा या आम चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा किए गए मुफ्त उपहारों का वादा, यदि उनकी पार्टी चुनाव के बाद सरकार बनाती है, तो उसे सरकारी खजाने से वित्त पोषित किया जाएगा। याचिका में यह भी कहा गया है कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के अंतर्गत मुफ्त उपहारों का वादा दरअसल रिश्वत की पेशकश के माध्यम से वोट देने के लिए प्रेरित करने का एक भ्रष्ट आचरण है। राजनीतिक दल अक्सर चुनावी प्रचार के दौरान ऐसे वादे करते हैं, लेकिन वे यह स्पष्ट नहीं करते कि इन उपहारों का वित्त पोषण कैसे किया जाएगा। यह स्थिति न केवल लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करती है, बल्कि मतदाताओं के साथ भी धोखा करती है। याचिका में यह भी उल्लेख किया गया है कि पारदर्शिता की कमी के कारण सरकारें अक्सर इन मुफ्त वादों को पूरा करने में विफल रहती हैं, जिससे मतदाताओं के साथ धोखाधड़ी होती है। याचिकाकर्ता ने यह चिंता भी व्यक्त की है कि मुफ्त का यह चलन स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के सिद्धांत को कमजोर कर रहा है। अब मतदाता नीतियों या शासन के रिकॉर्ड के बजाय तत्काल व्यक्तिगत लाभ के आकर्षण से प्रभावित हो रहे हैं, जो लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ है।

# रामगढ़ में दो चरणों संपन्न होंगे विस चुनाव

प्रथम चरण में बड़कागांव 13 व रामगढ़ में 20 नवंबर को, मतगणना 23 नवंबर को

प्रकाश पटवारी

**रामगढ़ :** झारखंड में विधानसभा चुनाव की घोषणा होते ही प्रसासनीक चहल-पहल तैज हो गई है। रामगढ़ जिला उपायुक्त चन्दन कुमार व आरक्षी अधीक्षक अजय कुमार सहित अन्य पदाधिकारियों ने प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि झारखंड विधानसभा चुनाव घोषणा के साथ ही रामगढ़ में भी आचार संहिता लागू हो गई है। उपायुक्त श्री कुमार ने बताया कि रामगढ़ जिला में दोनों चरणों में होने वाले चुनाव संपन्न कराना है जो पिछले लोकसभा चुनाव की तरह बिना व्यवधान के कराना है इसमें रामगढ़ के राजनैतिक दलों, सहित जनता कि पिछले चुनाव की तरह संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

दो चरणों में होने वाले चुनाव के प्रथम चरण में बड़कागांव में 13 नवंबर को एवं रामगढ़ में 20 नवंबर को चुनाव होना है। इसी प्रकार बड़कागांव में 18 से 25 तक व रामगढ़ में 22 से 29 अक्टूबर तक नामांकन पत्र जमा लिए जाएंगे। नाम वापसी बड़कागांव के लिए 30 अक्टूबर व रामगढ़ के लिए 01 नवंबर होगी। दोनों विधानसभाओं में लगभग साढ़े तीन लाख - साढ़े तीन लाख मतदाता हैं। पिछले लोकसभा चुनाव के बाद मतदाता सूची से लगभग 40 हजार नाम हटाएं गये है ये नाम लोकसभा की मतदाता सूची में डबल चढ़े हुए थे या जो अब मतदाता नहीं है। इसके अलावा करीब 7500 नये नाम जोड़े गए हैं ये 18 वर्ष से उपर के होने वाले हैं।

आरक्षी अधीक्षक अजय कुमार ने बताया चुनाव में किसी भी प्रकार का वाइलेंस ना हो इसके लिए 6 चेक पोस्ट बनाए गए हैं जिनमें 24 घंटे मजिस्ट्रेट सहित टीम तैनात रहेगी।

## संक्षिप्त खबरें

### विलुप्त होते पारंपरिक कलाकारों को संगठन से जोड़ने की अपील

**मांडर(बिभा)।** प्रखण्ड स्थित मंगलवार को महली जनजाति विकास मंच मांडर बैठक किया गया। बैठक अध्यक्षता शिव चरण महली ने किया। इस बैठक अध्यक्षता में मिशन चौक मांडर बजरंग महली के आवास में बैठक हुई। बैठक में आगामी मुड़मा जतरा में महली खोड़हा के तैयारियों के विषय में विचार विमर्श किया गया। इस बैठक में प्रखंड अध्यक्ष शिव चरण महली ने उपस्थित लोगों का आभार प्रकट करते हुए समाज के सभी पारंपरिक लोक-कलाकारों को संगठन पंचायत समिति अध्यक्ष महावीर महली,अशोक राम महली, राजेश महली,भोला महली अनिल तिर्की, टिंकू महली, बजरंग महली, दुर्गा महली एवं मांडर प्रखंड सदस्यों और सीठियो गांव के सदस्यों सहित काफी संख्या में महली परिवार मौजूद थे।

### भोला मिष्ठान्न भंडार के संचालक पर लोगों का फूटा गुस्सा

**चान्हो(बिभा)।** बिजूपाड़ा चौक में अवस्थित भोला मिष्ठान्न भंडार द्वारा अवैध पार्किंग कर सड़क पर ही गाड़ियों को खड़ा कराया जाता रहा है। जिससे आए दिन दुर्घटना होती है। कोई ना कोई व्यक्ति घायल होता है। मंगलवार को इसी तरह का कुछ नजर साम 6: बजे के करीब देखा गया। जहां एक साथ तीन गाड़ियां एक दूसरे से जा टकराया। पहले टर्बो ने कार को मारी टक्कर, पीछे से अनियंत्रित बाइक कार से जा टकराई। हालांकि इस घटना में किसी को गंभीर चोट नहीं आई। लेकिन भीड़ में एकत्रित लोगों ने एक स्वर में होटल संचालक के विरुद्ध आवाज बुलंद की और कहा कि अवैध पार्किंग की व्यवस्था यहां पर से अविलंब हटाया जाए। ताकि भविष्य में किसी भी तरह की अनहोनी ना हो। इसकी सूचना ग्रामीण एस पी, स्थानीय थाना, अंचल अधिकारी एवं एसडीओ रांची को भी दे दी गई है। अब देखना है कि यह सड़क अतिक्रमण मुक्त कब होता है। ताकि गुजरने वाले लोगों को किसी तरह की असुविधा न हो।

### सीसीएल ने नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का किया आयोजन

**रांची(बिभा) :** जन आरोग्य केन्द्र, सीसीएल द्वारा राँची के पिस्का नगड़ी स्थित आदर्श वृद्धा आश्रम में एक नि:शुल्क श्वसन तंत्र (रेस्पिरेटरी सिस्टम) जाँच शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा 40 वृद्धों की जाँच की गयी और उन्हें चिकित्सीय सलाह एवं आवश्यकतानुसार नि:शुल्क दवा भी दी गई। आश्रम में विशेषकर हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर, ईसीजी एवं हाइपरटेंशन का नि:शुल्क जाँच किया गया। ज्ञात हो कि सीसीएल देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए कोयला उत्पादन के साथ-साथ अपने कर्मियों एवं हितधारकों के स्वास्थ्य के प्रति सजग रहते हुए इस तरह का नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन समय-समय पर करते रहती है। शिविर के सफल आयोजन में सीएमएस, सीसीएल, डॉ. रत्नेश जैन; सीएमओ, सीएसआर, डॉ. प्रीती तिग्गा; डॉ. मेजर शिल्पी; डॉ. रंजीत कुमार; डॉ. दीपक सिंह; डॉ. अनीता होरो; डॉ. रजनी कुजूर; डॉ. दीपाली; डॉ. सत्यप्रकाश रंजन; डॉ. शिल्पी झा; डॉ. प्रियंका झा एवं पारा मेडिकल स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा। ज्ञात हो कि यह शिविर स्पेशल कैंपेन 4.0 के अंतर्गत लगाया गया था ।सीसीएल इस अभियान के तहत मुख्यालय सहित सभी क्षेत्रों में कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

### चुनाव की तारीख में संशोधन को लेकर सिख समाज के प्रतिनिधि मंडल ने चुनाव आयुक्त से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा

**रांची(बिभा) :** गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, मेन रोड एवं गुरुद्वारा श्री गुरुनानक सत्संग सभा,कृष्णा नगर कॉलोनी के प्रतिनिधि मंडल ने गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के गुरविंदर सिंह सेठी के नेतृत्व में झारखंड के मुख्य चुनाव आयुक्त से उनके कार्यालय में मुलाकात कर श्री गुरुनानक देव जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में निकाले जाने वाले नगर कीर्तन के दिन ही रांची विधानसभा के चुनाव की तिथि की हुई घोषणा के कारण उक्त तिथि में संशोधन से संबंधित ज्ञापन सौंपा. गुरविंदर सिंह सेठी ने बताया की हमने मुख्य चुनाव आयुक्त से मिलकर उन्हें बताया कि पिछले 57 सालों से श्री गुरुनानक देव जी के प्रकाश पर्व पर कार्तिक पूर्णिमा की तिथि से दो दिन पहले कृष्णा नगर कॉलोनी से शोभा यात्रा निकाली जा रही है और इस वर्ष शोभा यात्रा 13 नवंबर को है और इसी तारीख को रांची विधानसभा क्षेत्र के चुनाव की घोषणा की गई है. इसको लेकर हमने चुनाव की तिथि के बदलाव की मांग करते हुए उन्हें ज्ञापन सौंपा है जिस पर चुनाव आयुक्त ने विधि सम्मत विचार का आश्वासन दिया है. चुनाव आयुक्त से मुलाकात करने गए प्रतिनिधि मंडल में गुरविंदर सिंह सेठी,गुरुद्वारा के हेड ग्रंथी जानी विक्रमजीत सिंह,अर्जुन देव मिढ़ा,त्रिलोचन सिंह अकाली,सुरेश मिढ़ा,हरीश मिढ़ा,गुरविंदर सिंह मखीजा,बसंत काठपाल,ऋषि छावड़ा एवं रमेश पपनेजा शामिल थे.

### सिल्ली के सेवा निवृत्त शिक्षक धनंजय महतो का निधन

**रांची(बिभा) :** नागेडीह गांव थाना सिल्ली के सेवा निवृत्त शिक्षक धनंजय महतो का 84 वर्ष की आयु में निधन हो गया। बीस वर्ष पूर्व वह सेवा निवृत्त हुए थे। रात में वह बाथरुम के लिए बिस्तर से उठना चाह रहे थे। इसी दरम्यान उन्हें चक्कर आ गया और वह बिस्तर से गिर गये और उनकी आवाज बंद हो गयी। तत्काल उन्हें ईलाज के लिए सिल्ली स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया पर उन्हें बचाया नहीं जा सका। वह अपने पीछे भरा पूरा परिवार जिसमें तीन लड़कियां और एक पुत्र छोड़ गये हैं।

### सरायगढ़-देवघर स्पेशल अब चलेगी सरायगढ़ और पाटलिपुत्र के मध्य

**हाजीपुर(बिभा) :** आगामी पर्व त्योहार के मद्देनजर यात्रियों की सुविधा हेतु सरायगढ़ और देवघर के मध्य 31.12.2024 तक 05573/05574 स्पेशल ट्रेन का परिचालन की अधिसूचना जारी की गयी थी । परंतु, अब सरायगढ़-देवघर स्पेशल को 16.10.2024 से सरायगढ़ और पाटलिपुत्र के मध्य चलायी जायेगी । गाड़ी सं. 05573 सरायगढ़-पाटलिपुत्र स्पेशल 16.10.2024 से 15.11.2024 तक प्रतिदिन सरायगढ़ से 04.20 बजे खुलकर 04.48 बजे सुपौल, 05.55 बजे सहरसा, 06.25 बजे सिमरी बख्तियारपुर, 07.08 बजे मानसी, 07.20 बजे खगड़िया, 07.53 बजे बेगुसराय, 08.15 बजे बरौनी, 08.45 बजे बछवारा, 09.20 बजे शाहपुर पटोरी, 10.10 बजे हाजीपुर एवं 10.25 बजे सोनपुर रूकते हुए 11.40 बजे पाटलिपुत्र पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी सं. 05574 पाटलिपुत्र-सरायगढ़ स्पेशल 16.10.2024 से 15.11.2024 तक प्रतिदिन पाटलिपुत्र से 12.15 बजे खुलकर 12.58 बजे सोनपुर, 13.10 बजे हाजीपुर, 13.55 बजे शाहपुर पटोरी, 14.35 बजे बछवारा, 15.10 बजे बरौनी, 15.38 बजे बेगुसराय, 16.53 बजे खगड़िया, 17.16 बजे मानसी, 17.55 बजे सिमरी बख्तियारपुर, 19.30 बजे सहरसा, 20.10 बजे सुपौल रूकते हुए 21.30 बजे सरायगढ़ पहुंचेगी ।

पूर्व डिप्टी अजय नाथ शाहदेव ने किया युवाओं के साथ संवाद ,कहा

# युवाओं के मजबूत साथ से हम हटिया में बदलाव लाएंगे

बिभा संवाददाता

**रांची :** युवाओं के मजबूत साथ और सहयोग से हम हटिया में विकास की नयी गाथा लिखेंगे। इतिहास गवाह है कि युवाओं ने अपने जिद और जज्बे से हमेशा क्रांतिकारी परिवर्तन लाया है। उक्त बातें पूर्व डिप्टी मेयर अजय नाथ शाहदेव आज सेक्टर 2 धुर्वा में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम में कहा।

कार्यक्रम में हजारों की संख्या में हटिया विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों से हजारों युवा पहुंचे थे जिन्हें संबोधित करते हुए पूर्व डिप्टी मेयर अजय नाथ शाहदेव ने कहा कि हटिया में युवाओं के रोजगार की व्यवस्था मेरी प्राथमिकता है। क्षेत्र में आईटी पार्क की स्थापना सहित अलग-अलग उद्योगों की स्थापना कराने पर मेरा जोर होगा। नगड़ी और रातु प्रखंड के युवा खिलाड़ियों के लिए स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स की स्थापना कर खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने पर मेरा विशेष फोकस रहेगा।युवा फिट तंदुरुस्त तो रहेंगे ही साथ खेल को अपना कैरियर बनाते हुए आगे बढ़ने में भी सहयोग मिलेगा।

हटिया,रातु, नगड़ी में सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करेंगे। नगड़ी में सरकारी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल खुलवाना लक्ष्य है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को विशेष लाभ होगा।

गांवों में एजुकेशन सिस्टम पर काम करेंगे। सरकारी स्कूलों में बेहतर शिक्षा सुनिश्चित करेंगे। गांव के बच्चों को भी उनके स्कूलों में प्राइवेट स्कूलों जैसी शिक्षा मिलेगी। स्कूलों में खेल, संगीत के लिए भी शिक्षकों की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। छात्रों के लिए लाइब्रेरी की स्थापना कराते हुए उनके लिए विशेष फंड की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे जिससे वे बाहर जाकर उच्चतर पढ़ाई कर सकें। पैसों के अभाव में गरीब छात्रों को पढाई से वंचित नहीं होने देंगे। लड़कियों के लिए रातु और नगड़ी से कॉलेज के लिए फ्री बस सेवा शुरू करेंगे।

कुड़ुख भाषा सेंटर की स्थापना करेंगे और भाषा की समृद्धि के लिए काम करेंगे। विकास कार्यों में सरकारी फंड का दुरुपयोग रोकेंगे और उसमें पारदर्शिता लाना लक्ष्य है मेरा। युवा संवाद मे शामिल युवक युवतियों ने भी अपनी बातें खुलकर रखा। युवाओं ने एक स्वर से अजय नाथ शाहदेव को मजबूत साथ देने की बात कही। युवा संवाद में अमर उरांव, नारायण उरांव,बजरंग महतो, निरंजन कुमार महतो, रेणु तिर्की, रायमुनी किस्पोट्टा, कुशल उरांव, हेमंत गाडी,अर्चना देवी, सहाबीर लोहरा, सोमनाथ उरांव,नीतेश नागपाल, रमन मिश्रा, बुधवा उरांव, रमेश शाहदेव,अनुपम देव, अतुल राज, नीतेश शाहदेव, नंदकिशोर सेनापति,अरसद कुरैशी सहित काफी संख्या में युवा उपस्थित थे।

### संगठन के प्रति नित्य सकारात्मक सोच के साथ कार्यकर्त्ता करें प्रतिदिन कार्य : अंबरीश सिंह

बिभा संवाददाता

**रांची:** विश्व हिंदू परिषद, पटना क्षेत्र (झारखंड- बिहार) की एक दिवसीय बैठक आज रांची स्टेशन रोड स्थित होटल ग्रीन होरिजन में विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय मंत्री व विशेष संपर्क केंद्रीय प्रमुख अंबरीश सिंह के विशेष उपस्थिति संपन्न हुई। बैठक में पटना क्षेत्र का तीनों प्रांतों के कार्यक्रमों की समीक्षा के साथ-साथ आगामी कार्यक्रम तय की गई जिसमें 17 से 22 अक्टूबर बाल्मीकि जयंती सप्ताह, 11 से 17 नवंबर तक हुतात्मा दिवस, 23 से 30 नवंबर तक संस्कार सप्ताह व रन फॉर हेल्थ कार्यक्रम, 12 से 18 दिसंबर तक शौर्य यात्रा, 7 से 15 जनवरी तक समरसता यात्रा कार्यक्रम करने का निर्णय लिया गया। केंद्रीय मंत्री अंबरीश सिंह ने कहा संगठन का विस्तार कार्यकताओं के परस्पर विश्वास व भरोसा पर होता है। कार्यकताओं को संगठन के प्रति नित्य सकारात्मक सोच के साथ प्रतिदिन कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा झारखंड एवं बिहार में रोहिंग्या एवं बांग्लादेशी घुसपैठ की समस्या निरंतर बढ़ती जा रही है, जिससे कई स्थानों पर जनसंख्या संतुलन हो चुकी है जिससे जहां एक ओर सांस्कृतिक अवधारणाओं पर आघात पहुंच रही है वहीं लव जिहाद एवं लैंड जिहाद जैसे कुकृतियों पर बल मिल रहा है। उन्होंने कहा कई ऐसे धरायें चल रही है जो हिंदू को हिंदू से अलग करने का कुचेष्टा कर रही है, हमें समरस भाव को जागते हुए समाज में हिंदुत्व भाव को बनाए रखने के लिए निरंतर सेवा का कार्य करते रहना होगा।

### श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वार मंदिर में शरद्-पूर्णिमा आज मनाया जाएगा

**रांची :** आश्विन पूर्णिमा के दिन शरद् पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है। श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर (तिरुपति बालाजी) मन्दिर में 16 अक्टूबर बुधवार को यह शरद् पूर्णिमा का पुनीत पर्व मनाया जायेगा। इस अवसर पर प्रातः 4:30 बजे से अनुष्ठान शुरू किये जायेंगे और देर रात्रि श्रीभगवान के शयन आरती के साथ संपन्न होगा। प्रातः महाभिषेक, अलंकार, महाआरती, नैवेद्यम्, महास्तुति आदि के बाद रात्रिः आठ बजे से सामु?हिक हरिनाम संकीर्तनम् और श्रीविष्णु सहस्त्रनाम का पाठ होगा। फिर नित्याराधन, भोग, महाआरती के बाद सुपक्व खीर प्रसाद को परम् स्थान (बलिपीठम्) गरुड़ध्वज के पास रखा जाएगा। यही खीर चन्द्रमा के किरणों से सिञ्चित हुए ओस की बूंदों में मिश्रित होकर अमृतत्व को प्राप्त कर औषधि का रूप ले लेगा। जिसे कल होकर ग्रहण करने का विधान है। शरद्-पूर्णिमा को रास पूर्णिमा या कोजागरी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन चन्द्रमा सोलहों कलाओं से परिपूर्ण होता है। इस दिन आकाश से अमृत की वर्षा होती है। इस दिन महालक्ष्मी विचरण करती यह सोचती है कि जो भक्त मेरे साथ मेरे स्वामी श्रीमन्नारायण का पूजन करते दिखेगा उसके धर धन की वर्षा करूँगी ।

मांडर की सड़क दुर्घटना के मृतकों के आश्रितों को अनुग्रह राशि वितरित

### दुर्घटना दुर्भाग्यपूर्ण पर सरकार पीड़ितों के साथ : शिल्पी नेहा तिर्की

बिभा संवाददाता

**मांडर।** मुख्यालय में मंगलवार को मांडर की विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा है कि कोई भी दुर्घटना दुर्भाग्यपूर्ण है और इससे मृतकों के परिजनों को होनेवाली क्षति की भरपाई असंभव है. लेकिन हेमंत सरकार हर कदम पर पीड़ितों के साथ है.

श्रीमती तिर्की ने आज माण्डर सड़क दुर्घटना में मृत व्यक्तियों के आश्रितों को अनुग्रह राशि वितरित करते हुए भविष्य में भी हर संभव मदद का आश्वासन दिया.

आज श्रीमती तिर्की ने रानी रजनी ग्राम एक्का पति जोसेफ सरगाँव जेंडर किस्पोट्टा, बिनीत किस्पोट्टा के आश्रित, डहरू उराँव पिता स्व० गनसा उराँव, मृतक सुशील उराँव के आश्रितों, एतवा मिंज पिता स्व० चरवा मिंज, मृतक सुकरो उराईन के आश्रित, अनीता उराँव पति अनिल उराँव के आश्रित, मृतक विकास उराँव के आश्रित, आवेदक जतरू उराँव पिता स्व० मोती उराँव और मृतक स्व० कन्दी उराईन के आश्रितों को एक-एक लाख रुपए की अनुग्रह राशि प्रदान की. इस अवसर पर अंचल अधिकारी चंचला कुमारी , प्रखंड विकास पदाधिकारी मनो रंजन कुमार , कांग्रेस पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष मांगा उरांव, विधायक प्रतिनिधि जमील मालिक, प्रमुख फिलिप्स सहाय एक्का, उप प्रमुख अमानत अंसारी, आबिद, नसीम, होसे उरांव, बंधु टोप्पो, सरिता, सरोफिना मिंज, नसीम,बेलस सहित अन्य लोग मौजूद थे।

# सीएमपीडीआई ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2024 में 5जी तकनीक का किया प्रदर्शन

बिभा संवाददाता

**रांची:** टाइडल वेव प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से सीएमपीडीआई 15-18 अक्टूबर, 2024 तक प्रगति मैदान, नई दिल्ली में चल रहे इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2024 (आईएमसी 2024) में विभिन्न अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के उपयोग से ह्यकैसे 5जी तकनीक खनन उद्योग में क्रांति ला रही है का प्रदर्शन कर रही है। प्रत्येक यूज केस खनन में सुरक्षा, दक्षता और परिचालन परिशुद्धता में सुधार करने में 5जी की परिवर्तनकारी शक्ति को उजागर करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2024 का उद्घाटन किया।

कोल इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक पी.एम. प्रसाद, आईएमसी 2024 में सीएमपीडीआई के स्टॉल पर पहले आगंतुक थे। इस अवसर पर मनोज कुमार, सीएमडी, सीएमपीडीआई; शंकर नागाचारी, निदेशक एवं निदेशक (टी/पीएंडपी), बीसीसीएल; तारिक सज्जाद, जीएम (एमई), सीएमपीडीआई और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

5जी रियल टाइम संचार को सक्षम बनाता है, वाई-फाई और टेट्रा जैसी पारंपरिक वायरलेस तकनीकों से सबसे चुनौतीपूर्ण वातावरण में दूरस्थ निगरानी और नियंत्रण की अनुमति देता है। यह निर्बाध स्वचालन भी सुनिश्चित करता है, जोखिम को कम करता है और भविष्य के लिए तैयार संचालन को सक्षम करता है, जिससे यह खनन के डिजिटल भविष्य के लिए अपरिहार्य हो जाता है।

कोयला मंत्रालय, भारत सरकार ने आईएमसी 2023 के दौरान नई दिल्ली से नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की अमलोरी ओपन कास्ट खदान में 5जी तकनीक, मिशन क्रिटिकल वॉयस और वीडियो संचार का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया था। यह उल्लेख करना उचित है कि सीएमपीडीआई ने अमलोरी ओपन कास्ट खदान में कोयला खनन में भारत के पहले निजी 5जी नेटवर्क की अवधारणा बनाई और इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

**सीएमपीडीआई आईएमसी 2024 में कुल 13 यूज केस प्रदर्शित कर रहा है-**

1. 5जी नेटवर्क इंफ्रा
2. मिशन क्रिटिकल कम्युनिकेशन (एमसीएक्स)
3. 5जी सक्षम रिमोट ड्रोन ऑपरेशन
4. एआई सक्षम वीडियो एनालिटिक्स के साथ 5जी कैमरा
5. 5जी आईओटी पर्यावरण सेंसर।
6. 5जी आईओटी मशीनरी सेंसर।
7. सीपीई का उपयोग करके लीगेसी डिवाइस के साथ बैकवर्ड कम्पैटिबिलिटी
8. 5जी सक्षम स्वचालित ड्रिलिंग ऑपरेशन।
9. एआई सक्षम ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम
10. 5जी सक्षम ढलान स्थिरता रडार सिस्टम
11. 5जी सक्षम रिमोट मेंटेनेंस सपोर्ट के साथ एआर।
12. 5जी C-V2 आधारित टकराव से बचाव प्रणाली
13. लोड हॉल डम संचालन का डिजिटल ट्विन

# गया और लोकमान्य तिलक के मध्य नई ट्रेन का परिचालन

बिभा संवाददाता

**हाजीपुर/रांची:** गया और लोकमान्य तिलक टर्मिनल, मुंबई के मध्य एक नई ट्रेन 22358/22357 गया-लोकमान्य तिलक-गया एक्सप्रेस का नियमित परिचालन गया से 23.10.2024 से प्रत्येक बुधवार को तथा लोकमान्य तिलक टर्मिनल से 25.10.2024 से प्रत्येक शुक्रवार को किया जाएगा ।

गाड़ी सं. 22358 गया-लोकमान्य तिलक टर्मिनल एक्सप्रेस गया से प्रत्येक बुधवार को 19.00 बजे खुलकर 20.15 बजे कोडरमा, 21.20 बजे हजारीबाग टाउन, 22.30 बजे बरकाकाना, 23.34 बजे मेसरा रूकते हुए गुरूवार को 00.05 बजे रांची, 00.25 बजे हटिया, 03.10 बजे राउरकेला, 04.53 बजे झारसुगडा, 05.52 बजे रायगढ़, 08.00 बजे बिलासपुर, 09.55 बजे रायपुर, 10.55 बजे दुर्ग, 12.57 बजे गोंदिया, 14.55 बजे नागपुर, 15.58 बजे वर्धा, 18.16 बजे बडनेरा, 19.15 बजे अकोला, 21.25 बजे भुसावल, 21.58 बजे जलगांव, शुक्रवार को 01.42 बजे नासिक रोड एवं 04.47 बजे कल्याण रूकते हुए 05.50 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनल पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी सं. 22357 लोकमान्य तिलक टर्मिनल-गया एक्सप्रेस लोकमान्य तिलक टर्मिनल से प्रत्येक शुक्रवार को 13.15 बजे खुलकर उपरोक्त स्टेशनों पर रूकते हुए शनिवार को 15.50 बजे हटिया, 16.20 बजे रांची, 17.08 बजे मेसरा, 18.00 बजे बरकाकाना, 19.10 बजे हजारीबाग टाउन एवं 20.15 बजे कोडरमा रूकते हुए 22.50 बजे गया पहुंचेगी । इस नई ट्रेन में प्रथम वातानुकूलित श्रेणी का 01 कोच, द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी के 02 कोच, तृतीय वातानुकूलित श्रेणी के 03 कोच, तृतीय वातानुकूलित इकॉनोमी श्रेणी के 03 कोच, शयनयान श्रेणी के 06 कोच तथा साधारण श्रेणी के 04 कोच होंगे ।

अप एवं डाउन दिशा में यह ट्रेन गया और लोकमान्य तिलक टर्मिनल के मध्य कोडरमा, हजारीबाग टाउन, बरकाकाना, मेसरा, रांची, हटिया, राउरकेला, झारसुगडा, रायगढ़, बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, गोंदिया, नागपुर, वर्धा, बडनेरा, अकोला, भुसावल, जलगांव, नासिक रोड एवं कल्याण स्टेशनों पर रूकेगी ।

### लखनऊ मंडल के गोरखपुर-गोंडा रेल खंड पर स्थित डोमिनगढ स्टेशन पर एनआई कार्य, ट्रेनों के परिचालन में बदलाव

बिभा संवाददाता

**हाजीपुर :** पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के गोरखपुर-गोंडा रेल खंड पर स्थित डोमिनगढ़-जगतबेला के मध्य ऑटोमेटिक सिगनलिंग कार्य एवं कुसम्ही-गोरखपुर कैंट-गोरखपुर तीसरे लाइन के परिप्रेक्ष्य में डोमिनगढ़ स्टेशन पर 27 अक्टूबर तक प्रीएनआई/एनआई कार्य किये जाने के कारण ट्रेनों का परिचालन रद्द, मार्ग परिवर्तन, शार्ट टर्मिनेशन/शार्ट ओरिजिनेशन, रि-शिड्यूलिंग एवं नियंत्रण निम्नवत किया गया है। इन कार्यों के पूरा हो जाने से लाइन क्षमता में वृद्धि होगी। गाड़ियों के विलम्बन में कमी आयेगी, गाड़ियों की गति बढ़ेगी तथा यात्रियों की माँग के अनुरूप अतिरिक्त गाड़ियाँ चलाई जा सकेंगी।

**परिचालन रद्द की गयी ट्रेनें –**

1. गाड़ी सं. 12530 लखनऊ-पाटलिपुत्र एक्सप्रेस - 15 से 26 अक्टूबर, 2024 तक 2. गाड़ी सं. 12529 पाटलिपुत्र-लखनऊ एक्सप्रेस - 15 से 26 अक्टूबर, 2024 तक 3. गाड़ी सं. 11123 ग्वालियर-बरौनी एक्सप्रेस - 23 से 26 अक्टूबर,2024 तक 4. गाड़ी सं. 11124 बरौनी-ग्वालियर एक्सप्रेस - 24 से 27 अक्टूबर,2024 तक 5. गाड़ी सं. 04137 ग्वालियर-बरौनी स्पेशल - 16, 20, 23 एवं 27 अक्टूबर, 2024 को 6. गाड़ी सं. 04138 बरौनी-ग्वालियर स्पेशल - 17, 21, 24 एवं 28 अक्टूबर, 2024 को 7. गाड़ी सं. 04032 आनन्द विहार-सहरसा स्पेशल - 15 से 27 अक्टूबर, 2024 तक 8. गाड़ी सं. 04031 सहरसा-आनन्द विहार स्पेशल - 16 से 28 अक्टूबर, 2024 तक 9. गाड़ी सं. 14010 आनन्द विहार-बापूधाम मोतिहारी एक्सप्रेस - 16, 19, 21, 23 एवं 26 अक्टूबर, 2024 को 10. गाड़ी सं. 14009 बापूधाम मोतिहारी-आनन्द विहार एक्सप्रेस - 17, 20, 22, 24 एवं 27 अक्टूबर, 2024 को 11. गाड़ी सं. 04313 मुजफ्फरपुर-हरिद्वार स्पेशल - 19 एवं 26 अक्टूबर, 2024 को 12. गाड़ी सं. 04314 हरिद्वार-मुजफ्फरपुर स्पेशल - 18 एवं 25 अक्टूबर, 2024 को 13. गाड़ी सं. 04195 आगरा कैण्ट-फारबिसगंज स्पेशल - 18 एवं 25 अक्टूबर, 2024 को 14. गाड़ी सं 04196 फारबिसगंज-आगरा कैण्ट स्पेशल - 19 एवं 26 अक्टूबर, 2024 को

## संक्षिप्त खबरें

### श्री दुर्गा पूजा समिति भुताहा तालाब ऐतिहासिक विसर्जन शोभा यात्रा धूम धाम स्व शांतिपूर्ण संपन्न

**रांची(बिभा) :** श्री दुर्गा पूजा समिति, भुताहा तालाब का पूजा के आयोजन को धूम धाम और शांतिपूर्ण से सफल बनाने में श्री चैती दुर्गा पूजा समिति के मुख्य संरक्षक, किशोर साहू, उदय साहू राजकुमार गुप्ता अध्यक्ष श्री शंकर दुबे, आयोजक श्री संजय सिंह, गणेश सिंह एवं दुर्गा पूजा के अध्यक्ष उमंग सुल्तानिया, कार्यकरणी अध्यक्ष राहुल सिंह एवं सभी पदाधिकारीयों का आभार जताया है इसके साथ ही जिला प्रशासन का भी उन्होंने आभार जताया है। रविवार को शाम में नकाले गये माता का की विसर्जन शोभायात्रा का नेतृत्व में दीपू सिंह,कुमार राजा, महेश चन्द्रा, सत्यनारायण सिंह,नन्द किशोर सिंह चंदेल, राजेश वर्मा, ने किया। शोभायात्रा में अध्यक्ष उमंग सुल्तानिया, महामंत्री प्रिंस मेहता,कार्यकारणी अध्यक्ष राहुल सिंह, आयोजक संजय सिंह (लल्लू सिंह), गणेश सिंह, सूरज वर्मा, भोलू सिंह, बंटी वर्मा, करण सिंह, मोहित रजक, आशीष रजक, अर्जुन सिंह, रोहन सिंह, आकाश रजक, नमन भारतीय ढ़ोल नगाड़ा के साथ नाचते गाते चल रहे थे। शोभायात्रा अपने परंपरागत मार्ग से होते हुए लाइन टेंक तालाब पहुंची, जहाँ पूजा आरती अर्चना के बाद प्रतिमा का विसर्जन किया गया।

### रोटरी क्लब रांची द्वारा निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन 22-23 नवंबर को

**रांची(बिभा):** रोटरी क्लब रांची 22 और 23 नवंबर 2024 को सदर अस्पताल, रांची में निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन कर रहा है। इस शिविर का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद व्यक्तियों को कृत्रिम अंग उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर जीवन जीने में मदद करना है। यह शिविर सुबह 10 बजे से लेकर दोपहर 4 बजे तक संचालित होगा। आज रोटरी क्लब रांची के प्रतिनिधि हरमिंदर सिंह, मुकेश तनेजा, दीपक श्रीवास्तव, लोकेश साहू, अमित अग्रवाल और डॉ. ख्याति मुंजाल ने सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार और उप-सिविल सर्जन डॉ. अखिलेश से सदर अस्पताल में मुलाकात की। इस महत्वपूर्ण बैठक के दौरान 22 और 23 नवंबर को आयोजित होने वाले शिविर के लिए बैनर और पोस्टर लगाए गए। सिविल सर्जन ने इस पुनीत कार्य में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया और यह भी बताया कि इस शिविर की जानकारी सभी सरकारी अस्पतालों और ग्रामीण क्षेत्रों के क्लीनिक्स में प्रसारित की जाएगी ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद लोग इसका लाभ उठा सकें। रोटरी क्लब रांची के अध्यक्ष श्री गौरव बागरॉय ने कहा, रोटरी क्लब का यह शिविर समाज के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। हम उन लोगों तक पहुंचना चाहते हैं जिन्हें इस शिविर की सबसे अधिक आवश्यकता है, और हम उनके जीवन में सुधार लाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं। इस शिविर के लिए पंजीकरण निशुल्क है, जिसे क्यूआर कोड स्कैन करके किया जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए हरमिंदर सिंह (+91 94311 01442) या लोकेश साहू (+91 93344 53088) से संपर्क किया जा सकता है।रोटरी क्लब रांची की उम्मीद की किरण 2024 पहल के तहत आयोजित यह शिविर जरूरतमंदों के लिए एक नई आशा का प्रतीक है।

### हार के डर से बौखलाया झामुमो, चुनाव आयोग के निर्णय पर उठाया प्रश्नः प्रतुल शाहदेव

**रांची(बिभा) :** भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने चुनाव आयोग के द्वारा दो चरण में चुनाव कराने की घोषणा का स्वागत करते हुए कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा बेवजह इस पर आपत्ति कर रहा।प्रतुल ने कहा कि संविधान में यह स्पष्ट वर्णित है की चुनाव आयोग चुनाव वाले राज्यों में 6 महीने पहले तक चुनाव कराने के लिए सक्षम है। झारखंड में तो यह सरकार ने 59 महीना तक लूट और भ्रष्टाचार का शासन किया है।फिर एक महीने के लिए इनको इतनी बेचैनी क्यों?प्रतुल ने कहा कि कई बार तो मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी कह चुके हैं कि हम चुनाव के लिए किसी भी समय तैयार हैं।फिर चुनाव की घोषणा के बाद यह छटपटाहट क्यों? प्रतुल ने कहा कि दरसल इनको पता है कि झारखंड में समाज का हर वर्ग जिसको इन्होंने ठगा है, इस सरकार को वोट के जरिए चोट देने को तैयार है।झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाली सरकार को पता है कि यह उनकी झारखंड में अंतिम सरकार होगी।क्योंकि 5 वर्षों में इस राज्य ने भ्रष्टाचार, महिला उत्पीड़न ,युवाओं के साथ वादाखिलाफी, लूट, खसोट, घोटालों का नंगा नाच देखा है।उससे अब जनता मुक्ति चाहती है।

### भाजयुमो ने फूंका बिगुल सरकार के विरुद्ध निकाला मशाल जुलुश

**रांची(बिभा) :** भारतीय जनता युवा मोर्चा रांची महानगर अध्यक्ष रोमित नारायण सिंह के नेतृत्व में राज्य सरकार के खिलाफ युवाओं छात्रों ने मशाल जुलुस निकाल । जुलुस जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से शुरू होकर अल्बर्ट एक्का चौक तक गया। राज्य की सरकार युवाओं को 5 लाख सरकरी नौकरी के नाम पर सिर्फ ठगा गया है। इस निरंकुश सरकार ने उनपर लाठी डंडे से अंकुश लगाने का काम किया है इन सभी जोरदार नारो के साथ युवाओं ने अपने आक्रोश को सड़कों पर दिखाया, मौके पर भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज ने कहा कि जब से ये सरकार का गठन हुवा है तबसे सिर्फ ट्रांसफर पोस्टिंग का उद्योग चल रहा है। जल जंगल जमीन को लूटने, खसोटने ओर बेचने का काम किया है। अपराधी बेलगाम हो चुके हैं। राज्य के युवा ठान चुके है इस सड़ी गली सरकार कल उखाड़ फेकेंगे ओर राज्य में सुशाशन भाजपा की सरकार बनाएंगे,मौके पर भाजपा महानगर अध्यक्ष वरुण साहू ने कहा आज के आंदोलन से राज्य के युवाओं ने सरकार को बता दिया है कि अपने जो 5 साल युवाओं को ठगने का काम किया है उसी का आक्रोश आज सड़कों पर देखने को मिल रहा है। मौके पर युवा मोर्चा महानगर अध्यक्ष रोमित नारायण सिंह ने कहा कि राज्य के युवा खुद को ठगा, हतास ओर बेसहारा महसूस करते है। राज्य के युवा दर दर की ठोकरें खाने को मजबूर है। नौकरी के नाम पर सिर्फ आजतक उन्हें अस्वासन ही सिर्फ मिला है। इस निकम्मी ओर दमनकारी सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है और आगामी बिधान सभा चुनाव में वोट की चोट से इस सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए संकल्पित है।

# झारखंड पुलिस की वजह से ही विकास के कार्य जमीन पर उतर रहे : वंदना दादेल

बिभा संवाददाता

**रांची।** रांची के डोरंडा स्थित जैप-1 में मंगलवार को 19वीं झारखंड राज्य पुलिस ड्यूटी मीट का उद्घाटन गृह विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल और डीजीपी अनुराग गुप्ता ने किया।

मौके पर वंदना दादेल ने झारखंड पुलिस की तारीफ करते हुए कहा कि आज झारखंड पुलिस की वजह से ही विकास के कार्य जमीन पर उतर रहे हैं। झारखंड पुलिस बेहतरीन काम कर रही है, जिसे और बेहतर करना है। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने कहा कि राज्य की सुरक्षा के लिए अपराधियों का जेल में बंद रहना बेहद जरूरी है। बेहतर अनुसंधान से ही दोषियों को सजा दिलाई जा सकती है। इसके लिए झारखंड पुलिस लगातार काम

कर रही है। उन्होंने कहा कि आईटी, साइबर क्राइम, अपराध नियंत्रण, महिलाओं की सुरक्षा सहित अन्य विषयों पर भी दिन-रात पुलिस अधिकारी काम कर रहे हैं।

डीजीपी ने कहा कि अब हमें किसी अपराधी के प्रोफाइल के लिए छापेमारी करने और उसके पीछे भागने की जरूरत नहीं पड़ती, बल्कि एक बटन दबाते ही उसका पूरा प्रोफाइल सामने आ जाता है। बेहतर तकनीक के बल पर अब कांडों का खुलासा संभव है। डीजीपी ने बताया कि पुलिस ड्यूटी मीट तनाव से भरे पल से निकलने का एक जरिया भी है। आने वाले दिनों में ऑल इंडिया पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता में भी बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए हमारे पुलिसकर्मी अच्छी तैयारी कर रहे हैं।

पुलिस ड्यूटी मीट के दौरान अनुसंधान की तरह-तरह के तरीके को भी प्रैक्टिकल रूप में दिखाया गया। इस दौरान सीआईडी आईजी असीम विक्रांत मिंज ने बताया कि बेहतर तकनीक, सूझबूझ, अनुसंधान के तौर तरीकों पर पुलिस खुद अपनी कसौटी पर कितनी खरी उतर रही इसके लिए हर वर्ष झारखंड राज्य पुलिस ड्यूटी मीट का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष भी झारखंड पुलिस के जवान बेहतर तकनीक के बल पर अपराधियों को सजा दिलाने के गुर सीखेंगे। इस प्रतियोगिता में प्रथम तीन स्थान पर आने वाली टीमों को मिलाकर राज्य की टीम तैयार की जाएगी, जिसे राष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए भेजा जाएगा।

पुलिस ड्यूटी मीट के दौरान राज्य भर की आठ टीमों में शामिल 80 से ज्यादा पुलिसकर्मियों के बीच मुकाबला होगा। जैप वन परिसर रांची में 18 अक्टूबर तक चलने वाले इस कार्यक्रम में कई प्रतियोगिताओं को शामिल किया गया है। इस दौरान फॉरेंसिक साइंस (लिखित), क्राइम जांच, कंप्यूटर अवेरनेंस, फोटोग्राफी, लिफ्टिंग पैकिंग, डॉग स्क्वायड एक्सप्लोसिव ट्रैक्टर, फिंगर प्रिंट, (प्रैक्टिकल व ओरल) जैसे विषयों पर प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम में राज्य के वरीय अधिकारी मौजूद थे।

# हेमंत सोरेन की लोकप्रियता से घबरा कर भाजपा ने समय से पहले कराया चुनाव : विनोद पांडेय

बिभा संवाददाता

**रांची।** सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा ने झारखंड में चुनाव की घोषणा को लेकर भारत निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा किया है। झामुमो के महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने प्रेस बयान जारी कर कहा है कि आखिर चुनाव आयोग ने इतनी जल्दबाजी में झारखंड में चुनाव की घोषणा क्यों की है। महाराष्ट्र में चुनाव समय पर हो रहे हैं, क्योंकि महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को पूरा हो रहा है। पंचम झारखंड विधानसभा का कार्यकाल 5 जनवरी 2025 को पूरा होगा। चुनाव आयोग की घोषणा से एक दिन पहले असम के मुख्यमंत्री व भाजपा के चुनाव सह प्रभारी हिमंता विस्व सरमा ने यह बता दिया था कि मंगलवार को चुनाव आचार संहिता लग जाएगा। इससे दो प्रश्न उठते हैं। एक चुनाव आयोग भाजपा के निर्देश पर चल रहा है, या दूसरा चुनाव आयोग के फैसले की जानकारी भाजपा को पहले मिल जाती है। दोनों की स्थिति में चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़ा होता है। उन्होंने कहा कि कहीं न कहीं भाजपा में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की बढ़ती लोकप्रियता और उनके नेतृत्व में इंडिया गठबंधन की सरकार में जनहित में लिए जा रहे ऐतिहासिक निर्णयों से भाजपा घबरा गई है। यही वजह है कि हेमंत सोरेन को अपना कार्यकाल पूरा नहीं करने दिया जा रहा है। जनादेश से बनी इंडिया गठबंधन की सरकार को गठन के एक घंटे बाद से ही भाजपा तमाम तरह के असंवैधानिक, अनैतिक हथकंडे अपनाकर अपदस्थ करने का षड़यंत्र रचती रही है। यह बात किसी से छुपी नहीं है। जनता को भाजपा के एक-एक षड़यंत्र की जानकारी है। राज्य के परिपक्व मतदाता भाजपा को विधानसभा चुनाव में सबक सिखाएंगे। विनोद पांडेय ने कहा कि हाल में मुख्य चुनाव आयुक्त के नेतृत्व में आयोग की टीम ने झारखंड का दौरा किया था। विभिन्न राजनीतिक दलों के साथ झामुमो ने भी दीपावली, छठ महापर्व को मद्देनजर रखते हुए इसके बाद चुनाव कराने का आग्रह किया था। इसके अलावा राज्य गठन के मद्देनजर 15 नवंबर को स्थापना दिवस के बाद चुनाव कराने का अनुरोध किया भी किया गया था। हरियाणा में त्योहार के मद्देनजर चुनाव की तारीख बढ़ाई गई, लेकिन झामुमो के किसी आग्रह को चुनाव आयोग ने नहीं माना। इतनी जल्दबाजी की वजह सभी समझ रहे हैं और भाजपा को इसका जवाब मिलेगा। समय से पहले चुनाव कराने का जवाब जनता हेमंत सोरेन को फिर से पांच साल के लिए सत्ता सौंप कर देगी।

### रांची के नए डीसी वरुण रंजन ने पदभार संभाला

बिभा संवाददाता

**रांची।** चुनाव आयोग की आपत्ति के बाद आखिरकार रांची डीसी को बदल दिया गया है। वरुण रंजन रांची के नए डीसी बनाये गये हैं। रांची के नये डीसी वरुण रंजन ने मंगलवार को पदभार ग्रहण किया। उन्होंने निवर्तमान उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री से पदभार लिया। वरुण रंजन 2014 बैच के आईएएस अधिकारी हैं।

उल्लेखनीय है कि वरुण रंजन इससे पहले धनबाद के डीसी थे लेकिन पीएम के कार्यक्रम में ड्यूटी कोताही बरतने पर उन्हें हटा दिया गया था। रांची डीसी के पद पर पदस्थापित होने के कुछ दिन बाद चुनाव आयोग ने मंजूनाथ भजंत्री

को डीसी बनाए जाने पर आपत्ति जताई थी। कार्मिक द्वारा जारी आदेश के अनुसार अब मंजूनाथ भजंत्री को जेएसएलपीएस के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है जबकि जेएसएलपीएस के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी के पद पर पदस्थापित मृत्युंजय कुमार वर्णवाल को मनरेगा आयुक्त बनाया गया है।

सरला बिरला में फैकल्टी ऑफ कॉमर्स द्वारा एक्सपर्ट टॉक का आयोजन

# निवेश में जागरूकता की जरूरत : प्रो. गोपाल पाठक

बिभा संवाददाता

**रांची :** सरला बिरला विश्वविद्यालय में फैकल्टी ऑफ कॉमर्स द्वारा एक्सपर्ट टॉक का आयोजन सेबी के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्य अतिथि सेबी के सिक्योरिटी मार्केट ट्रेनर डॉ. सुजीत मुखर्जी ने वित्तीय बचत, निवेश, बैंक लोन, सिक्योरिटी मार्केट एवं म्यूचुअल फंड के विषय में उपस्थित शिक्षकों और विद्यार्थियों को विस्तार से जानकारी दी। निवेश से जुड़ी समस्याओं और उसके निराकरण में सेबी की भूमिका की भी उन्होंने चर्चा की।

एसबीयू के महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक ने अपने संबोधन में निवेश में जागरूकता की जरूरत पर जोर दिया। साथ ही निवेश के दौरान आर्टिफिशियल इंटैलीजेंस से जुड़े खतरों के प्रति आगाह किया। आज के दौर में वित्तीय घोटालों और उसके मकड़जाल में उलझती नई पीढ़ी को उन्होंने इसे निपटने के लिए वित्तीय साक्षरता की जरूरत बताई।

कार्यक्रम में फैकल्टी ऑफ कॉमर्स के डीन डॉ. संदीप कुमार ने सेबी के विषय में उपस्थित श्रोताओं का परिचय करवाते हुए ऐसे आयोजनों की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने ऐसे आयोजनों को विद्यार्थियों की जानकारी के लिए बेहतर करार दिया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण करण प्रताप सिंह और धन्यवाद भाषण डॉ. कुणाल सिन्हा ने दिया। इस अवसर पर डॉ.अरविंद भंडारी, डॉ. एल. जी. हनी सिंह, डॉ.अतुल करण, डॉ मुकेश कुमार सिंह, डॉ. अंजली श्रीवास्तव इत्यादि उपस्थित रहे। विवि के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान और डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने इस कार्यक्रम के आयोजन पर अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की।

**यूपीएससी द्वारा आयोजित परीक्षा की तैयारियों को लेकर को लेकर आयुक्त ने की बैठक**

# परीक्षा के एक दिन पूर्व से लेकर परीक्षा समाप्ति तक सभी पदाधिकारी अलर्ट मोड में काम करें:अंजनी कुमार

बिभा संवाददाता

**रांची :** प्रमंडलीय आयुक्त, दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल, रांची के कार्यालय कक्ष में आयुक्त अंजनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा की तैयारियों को लेकर संबंधित पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में 19 और 20 अक्टूबर 2024 को होने वाले यूपीएससी आरटीएस परीक्षाओं को लेकर विस्तृत रूप से चर्चा की गई। परीक्षा 19 और 20 अक्टूबर 2024 को दो पाली में आयोजित है। परीक्षा हेतु राजकीय बालिका +2 उच्च विद्यालय, बरियातु, रांची को उप केंद्र बनाया गया है। परीक्षा के पहले दिन प्रथम पाली में कुल 59 और द्वितीय पाली में कुल 163 परीक्षार्थी भाग लेंगे। दूसरे दिन प्रथम पाली में कुल 59 और द्वितीय पाली मे कुल 129 परीक्षार्थी भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि उक्त परीक्षा उप केंद्रों पर दिनांक 18,19 एवं 20 अक्टूबर 2024 को किसी

भी प्रकार के अन्य कार्यक्रम नहीं किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि प्रतिनियुक्त पदाधिकारी समय से प्रश्न पत्रों के पैकेट पहुंचाने एवं समाप्ति के पश्चात उत्तर पुस्तिका एवं अन्य आवश्यक कागजातों को जीपीओ में जमा करना सुनिश्चित करेंगे।

उन्होंने पुलिस विभाग को निर्देश दिया कि सभी पदाधिकारी के साथ पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की जाए तथा प्रतिनियुक्त पुलिस दल परीक्षा की तिथि को ससमय कंसर्न ऑफिसर को रिपोर्टिंग करना सुनिश्चित करें।

सभी परीक्षा उप केंद्रों पर विधि व्यवस्था संधारणार्थ एवं स्टैटिक दंडाधिकारी के साथ एक चार का पुलिस बल एवं एक अलग पुलिस दल जिसमें तीन पुरुष एवं दो महिला अनिवार्य रूप से प्रतिनियुक्त रहेंगे, जो परीक्षार्थियों के केंद्र में अंदर जाने के समय मेटल डिटेक्टर से फ्रिस्किंग सुनिश्चित करेंगे।

संबंधित सहायक समन्वयी पर्यवेक्षक एवं संबंधित पुलिस पदाधिकारी परीक्षा की तिथि से पूर्व ही अनिवार्य रूप से आपस में संपर्क स्थापित कर लें ताकि परीक्षा की तिथि के दिन किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न ना हो।

सभी प्रतिनियुक्त स्थानीय निरीक्षी पदाधिकारी परीक्षा से 1 दिन पूर्व ही परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सभी आवश्यक व्यवस्था करना सुनिश्चित करेंगे। परीक्षा समाप्ति के उपरांत संबंधित स्थानीय निरीक्षी पदाधिकारी परीक्षा से संबंधित उपस्थित विवरणी, जैमर अधिष्ठापन संबंधित प्रपत्र एवं निरीक्षण प्रतिवेदन कार्यरत नियंत्रण कक्ष को जमा करना सुनिश्चित करेंगे।

परीक्षार्थियों का एडमिट कार्ड से पहचान पत्र का मिलान अवश्य करेंगे। ध्यान रहें परीक्षार्थी के पास किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस ना हो। सभी यूपीएससी के गाइडलाइन का सख्ती से पालन करेंगे। कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी पदाधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन निष्ठापूर्वक करेंगे।

बैठक में आयुक्त के सचिव श्री आलोक कुमार, अपर जिला दंडाधिकारी श्री राजेश्वर नाथ आलोक, सी एस पी सदर रांची संजीव कुमार बेसरा, डॉ.स्नेहलता कुमारी, सहित संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

**विधानसभा निर्वाचन 2024 की घोषणा के उपरांत मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी जिले के उपायुक्तों के साथ की बैठक**

# निर्वाचन के दौरान 4 एम पर रखे विशेष ध्यानः के. रवि कुमार

बिभा संवाददाता

**रांची।** मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा है कि विधानसभा निर्वाचन कार्य में लगे पदाधिकारी भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों का अनुपालन कर सभी प्रत्याशियों के लिए समान अवसर प्रदान कर सकेंगें। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा 4 एम (मनी पॉवर, मसल पॉवर, मिस इनफॉर्मेशन एवं एमसीसी) पर विशेष ध्यान देने का निर्देश है। पीवीटीजी, वरिष्ठ मतदाता एवं दिव्यांग मतदाताओं पर विशेष ध्यान देते हुए उनके लिए सुगम मतदान की व्यवस्था करनी है। कुमार आज विधानसभा निर्वाचन 2024 की घोषणा के उपरांत निर्वाचन सदन से ऑनलाइन माध्यम से सभी जिले के उपयुक्तों के साथ बैठक कर रहे थे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी मतदान केंद्रों पर

न्यूनतम सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करा लें। मतदान केंद्रों के निरीक्षण के दौरान इस बात का अवश्य ध्यान रखें कि वहां बिजली एवं लाइटिंग की व्यवस्था हो। स्वीप कैलेंडर तैयार कर मतदाताओं के बीच नैतिक मतदान के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार करें। उन्होंने कहा कि कम मतदान प्रतिशत वाले सभी मतदान केंद्रों के कारणों की समीक्षा करते हुए उनके निराकरण के उपायों पर कार्य करें। शहरी क्षेत्र के मतदाताओं को मतदान के प्रति प्रेरित करने हेतु विशेष अभियान चलाएं।

उन्होंने कहा कि 1200 से अधिक मतदाता वाले मतदान केंद्रों पर प्रीजाइडिंग ऑफिसर के साथ 4 पोलिंग ऑफिसर की नियुक्ति की जानी है। इस हेतु पहले से पदाधिकारियों को चिह्नित करते हुए उनकी सूची तैयार कर लें। उन्होंने कहा कि इस बार के निर्वाचन में मतदान केंद्रों पर मतदान प्रक्रिया में तेजी लाने के उद्देश्य से वोटर टर्नआउट मैनेजमेंट सिस्टम की ट्रेनिंग सभी पदाधिकारियों को दी गई है, जिसका अनुपालन करते हुए सुगमता के साथ मतदान संपन्न कराना है।

इस अवसर पर अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ नेहा अरोड़ा द्वारा पीपीटी के माध्यम से सभी पदाधिकारियों को आदर्श आचार संहिता लागू होने के पहले 72 घंटे के अंदर क्या करना है, इसकी विस्तृत जानकारी दी गयी। उन्होंने पदाधिकारियों को विज्ञापन, सरकारी संसाधनों के उपयोग, निर्वाचन व्यय, एफएसटी, एसएसटी, वीवीटी, सर्विलांस टीम आदि के अनुपालन से संबंधित जानकारियां साझा की।

इस अवसर पर अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संदीप सिंह, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, ओएसडी मती गीता चौबे, सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी देव दास दत्ता सहित ऑनलाइन माध्यम से सभी जिलों के उपायुक्त उपस्थित थे।

# हेमंत सरकार ने बढ़ाया महिलाओं का मान : झामुमो

बिभा संवाददाता

**रांची :** झामुमो रांची जिला समिति ने झारखंड सरकार की महत्वपूर्ण योजना मंईयां सम्मान योजना को 1000 से बढ़ाकर 2500 महीना, अर्थात 30,000 सलाना करने की खुशी में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी और झारखंड सरकार का आभार प्रकट करने हेतु रांची जिला स्कूल से अलबर्ट एक्का चौक तक विजय जुलूस निकाल कर हेमंत सरकार को धन्यवाद और आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर झामुमो रांची जिलाध्यक्ष मुस्ताक आलम जी ने कहा यह योजना मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी के दृढ़ संकल्प का परिणाम है। उन्होंने यहां की बेटियां, बहनों और महिलाओं के लिए बहुत ही संवेदनशील होकर सोचा और उन्हें मुख्य धारा से जुड़ने के लिए 2500 रुपए की सम्मान राशि की योजना देने का काम किया। मंईयां सम्मान योजना की तीन किस्त राज्य की 52 लाख से भी अधिक महिलाओं के खाते मे जा चुकी है और इसी दिशा मे उन्हें सशक्त करने के लिए 2500 की सम्मान राशि महिलाओं को दी जाएगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जो कहते हैं वो करते हैं, भाजपा की तरफ फर्जी घोषणा और योजना नहीं लाते।

## संक्षिप्त खबरें

### ऑपरेशन अमानत के तहत बोकारो आरपीएफ ने खोया हुआ मोबाइल मालिक को सोपा

**बोकारो(बिभा)** : हावड़ा से बोकारो जाने वाली ट्रेन संख्या 12019 कोच संख्या ई 2 में 11/10/24 को एंड्रियास रिमर , आशा बिहार, जरीडीह के अस्थाई निवासी है । अपने परिवार के साथ ट्रेन संख्या 12019 हावड़ा से बोकारो वापस लौट रहे थे उसी दौरान जब ट्रेन बोकारो स्टेशन पहुंची तो एंड्रियास रिमर अपना मोटरोला मोबाइल ट्रेन में ही भूल गए और वह अपने परिवार के साथ गंतव्य को चले गए । जब उन्हें अपने मोबाइल न होने की जानकारी हुई तो उन्होंने इसकी सूचना तुरंत बोकारो आरपीएफ को दी। एस्कॉर्ट ड्यूटी पर तैनात एचसी दिलीप कुमार और आईसीटी कि राखी जॉच के क्रम जब कोच संख्या ई 2 के पास पहुंचे उसी दरमियान वहां मोटरोला कंपनी का मोबाइल बरामद किया जिसकी कीमत लगभग 12 000 बताया जा रहा है एस्कॉर्ट टीम द्वारा मोबाइल को जप्त कर उसे आरपीएफ पोस्ट में जमा कर दिया गया और इसकी सूचना एंड्रियास रीमर को दे दी गई सूचना मिलने के बाद आंद्रेस रीमर 14/ 10/ 2024 को अपने मोबाइल लेने के क्रम में आरपीएफ पोस्ट पहुंच अपने मोबाइल का दावा किया आरपीएफ द्वारा लिखित आवेदन एवं उचित पहचान एवं सत्यापन के बाद उपरोक्त मोबाइल मालिक को सौंप दिया गया उन्होंने इसके लिए आरपीएफ को बहुत ही धन्यवाद व्यक्त किया ।

### सीबीएसई जूडो नेशनल में एमजीएम स्कूल बोकारो ने जीते चार पदक



**बोकारो(बिभा)** : एमजीएम स्कूल बोकारो के बच्चों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सीबीएसई नेशनल जूडो प्रतियोगिता जो 7 अक्टूबर से 11 अक्टूबर तक सलूजा गोल्ड इंटरनेशनल स्कूल गिरिडीह में आयोजित की गई जिसमें एमजीएम स्कूल बोकारो के चार बच्चों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक रजत पदक और तीन कांस्य पदक पर कब्जा जमाया पदक जीतने वाले बच्चों में आयुष पटेल, अंशु कुमार, जेबा नाज एवं प्रियदर्शनी सिंह शामिल है। बच्चों के इस शानदार प्रदर्शन पर स्कूल के प्राचार्य फादर डॉक्टर जोशी वर्ग किसने स्कूल के जूडो प्रशिक्षक एवं खेल शिक्षक राजीव कुमार सिंह को शुभकामनाएं दी वही उप प्राचार्य श्रीमती रेखा बनर्जी, एकेडमिक डायरेक्टर जॉर्ज जोसेफ, हेड मिस्ट्रेस सपना जोशी के साथ-साथ स्कूल के अन्य खेल शिक्षकों में श्री राजेश्वर सिंह, मीनाक्षी कुमारी, सौरभ कुमार, मोहसिन एवं वंदना कुमारी ने बच्चों को ढेर सारी शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

### कसमार प्रखंड मुख्यालय में खुला पुस्तकालय



**कसमार(बिभा)**। प्रखंड के विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के पुस्तकों का अब अध्ययन आसान हो गया है। प्रखंड के पुराने सभागार में पुस्तकालय का विधिवत उद्घाटन प्रमुख न्योती दे एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी नम्रता जोशी ने फीता काटकर की। इसपर प्रमुख ने कहा गरीब बच्चों को पठन पाठन में इससे काफी सुविधा होगी। गरीब बच्चे पैसे की कमी के कारण महंगे और ज्ञानवर्धक पुस्तक पढ़ने से वंचित हो जाते थे, वो कमी अब पूरा हो जाएगी। वहीं बीडीओ नम्रता ने कहा बच्चों के हर प्रतियोगी परीक्षाओं के पुस्तक उपलब्ध होंगे, वो बेहिचक आकर इसका अध्ययन कर कामयाबी हासिल करें। उक्त पुस्तकालय का संचालन डीएमएफटी निधि से किया जाएगा। मौके पर प्रधान सहायक देवानंद चौधरी, पसस प्रिया देवी, पूनम मरांडी, मंजू देवी, दिलीप महतो इत्यादि मौजूद थे।

### पुर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की 93 वें जयंती मनाई गई




**बोकारो(बिभा)** : डीएवी इस्पात पब्लिक विद्यालय 8 बी में भारत के मिसाइल मैन एवं 11 वें राष्ट्रपति डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम की 93 वें जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई कार्यक्रम का प्रारंभ विद्यालय के प्राचार्य श्री उत्तम कुमार रॉय ने सभी शिक्षक शिक्षिकाओं एवं बच्चों के साथ डॉक्टर कलाम की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि देकर किया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भाषण एवं पोस्ट द्वारा अपने विचार को प्रकट किया, इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य ने बच्चों को संबोधित करते हुए डॉक्टर कलाम के जीवन आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित किया, डॉक्टर कलाम से संबंधित विशेष तथ्यों से अवगत कराया। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री प्रशांत कुमार, पीयूष झा, पूर्णिमा सिंह, संध्या, रिचा, हर्षिता, कल्याणी, रोशन आदि सभी शिक्षक शिक्षकों का योगदान सराहनीय रहा।

### पदयात्रा निकाल भाजपा ने हेमन्त सरकार की जनविरोधी नीतियों के 5 साल गिनाए

**बोकारो(बिभा)** : भाजपा बोकारो जिला अध्यक्ष जयदेव राय के नेतृत्व मे बोकारो विधायक बिरंची नारायण जी के गरिमामयी उपस्थिति में भाजपा कार्यकताओं ने चास धर्मशाला मोड़ से महावीर चौक तक पदयात्रा कर झारखण्ड सरकार के हेमन्त सरकार के यूवा एवम् जनविरोधी होने का आरोप लगाते हुए आगामी विधानसभा चुनाव में झामुमो कांग्रेस के खिलाफ वोट करने की अपील आमजनों से की इस अवसर पर कार्यकताओं एवम् आमजनों को संबोधित करते हुए बोकारो विधायक बिरंची नारायण ने कहा कि राज्य की हेमंत सरकार यूवा एवम् जन विरोधी है, 5 साल सत्ता में रहने के बावजूद राज्य के युवाओं को अपने वादे को दरकिनार करते हुए न ही नौकरी दी, ओर न ही बेरोजगारी भत्ता दी, उत्पाद सिपाही की बहाली के नाम पर दर्जनो युवाओं को मौत देने वाली इस सरकार ने पेपर लीक कर मेरिट घोटाला कर हजारों योग्य युवाओं के साथ विश्वासघात किया है । भाजपा बोकारो जिलाध्यक्ष जयदेव राय ने भाजपा कार्यकताओं से आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस झामुमो के खिलाफ वोट करते हुए राज्य सरकार को उखाड़ फेंकने की अपील की।

# जिले के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में मतदान 20 नवंबर को

**22 अक्टूबर 2024 को होगी अधिसूचना निर्गत,नाम निर्देशन की अंतिम तिथि 29 अक्टूबर 2024**

**अभ्यर्थिता वापस लेने की तिथि 01 नवंबर 2024 एवं मतगणना 23 नवंबर 2024 निर्धारित**

**14,87,103 मतदाता करेंगे मतदान,जिसमें 7,65,024 पुरूष एवं 07,22,046 महिला मतदाता शामिल**




बिभा संवाददाता

**बोकारो** : भारत निर्वाचन आयोग ने विधानसभा आम चुनाव 2024 की घोषणा कर दी है। इसके अनुसार 34 गोमिया,35 बेरमो,36 बोकारो एवं 37 चंदनकियारी विधानसभा क्षेत्र के लिए दूसरे चरण में 20 नवंबर को मतदान होना है। चुनाव की अधिसूचना 22 अक्टूबर, नाम निर्देशन की अंतिम तिथि 29 अक्टूबर, नाम निर्देशन प्रपत्रों की स्क्रूटनी 30 अक्टूबर, अभ्यर्थिता वापस लेने की तिथि 01 नवंबर, मतदान की तिथि 20 नवंबर एवं मतगणना की तिथि 23 नवंबर निर्धारित की गई है। उक्त बातें जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त विजया जाधव ने कहीं। वह मंगलवार को समाहरणालय सभागार में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में विभिन्न प्रिंट एवं ईलेक्ट्रानिक मीडिया प्रतिनिधियों को संबोधित कर रही थी। मौके पर सभी आरओ व अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। वहीं, जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने विभिन्न कोषांगों द्वारा अब तक किए गए कार्यों की प्रगति की जानकारी विस्तार से दी। आगे, उन्होंने बताया कि कृषि उत्पादन बाजार समिति आइटीआइ मोड़ चास को वज्रगृह एवं मतगणना केंद्र बनाया गया है।

अधिसूचना जारी होने के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू करते हुए 247 कंट्रोल रूम कम्पोजिट कंट्रोल रूम में प्रारंभ है। प्रत्येक मतदान केन्द्र पर ईवीएम के साथ वीवीपैट का इस्तेमाल किया जाएगा।

रात्रि 10 बजे से सुबह 06 बजे तक लाउडस्पीकर बैन। मतदान के 48 घंटा पहले लाउडस्पीकर, चुनावी सभा, प्रसार-प्रचार पर रोक रहेगा। सभी उम्मीदवारों को हलफनामा देना होगा। प्रत्याशियों को अपराधिक रिर्पोट भी देना होगा। विधानसभा चुनाव से संबंधित शिकायत/जानकारी प्राप्त करने के लिए हेल्पलाइन नं.- डायल 1950 सेवा शुरू की गई है। जो सुबह 9.00 बजे से रात्रि 9.00 बजे तक कार्यरत रहेगी।

निर्वाचन के दौरान आदर्श आचार संहिता के उल्घंन हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सी-विजिल (उ-श्क्क्ष्छ) एप बनाया गया है। जिसके द्वारा प्राप्त शिकायत को 100 मिनट के अंदर समाधान किया जाएगा।

निर्वाचन कार्य के सफल संचालन को लेकर कुल 204 सेक्टर पदाधिकारी बनाया गया है। साथ ही सभी नोडल पदाधिकारी का नोडल इनकोर आइडी (ENCORE ID) बना लिया गया है जो निर्वाचन अवधि के दौराना निर्वाचन प्रक्रिया को सुव्वस्थित करने एवं अनुमति देने या नहीं देने के संबंध में समूचित निर्णय लेने में मदद करेगा।

इस अवसर पर उप विकास आयुक्त गिरजा शंकर प्रसाद, सामग्री कोषांग की नोडल पदाधिकारी श्रीमती मेनका,निवार्ची पदाधिकारी गोमिया सह अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, निवार्ची पदाधिकारी बोकारो सह एसडीओ चास सुप्रांजल ढांडा, निवार्ची पदाधिकारी सह डीसीएलआर प्रभाष दत्ता, निवार्ची पदाधिकारी बेरमो सह एसडीओ बेरमो मुकेश मछुआ, ईवीएम कोषांग के नोडल पदाधिकारी मनोज कुमार, स्वीप कोषांग के नोडल पदाधिकारी शक्ति कुमार,सहयोगी पदाधिकारी मीडिया कोषांग सह सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, सहयोगी पदाधिकारी पंकज दूबे एवं ईलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

#### 1487103 कुल मतदाताओं की संख्या

सभी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत कुल मतदाताओं की संख्या 14,87,103 है। जिसमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 76,50,24 एवं *महिला मतदाताओं की संख्या 72,20,46 है। वहीं, ट्रांसजेंडर मतदाताओं की संख्या 33 है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि 27 अगस्त 2024 से अब तक सभी विधानसभा क्षेत्रों में कुल 15,904 नये मतदाताओं को जोड़ा गया है। लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत दिव्यांग मतदाता 18,731 एवं 85 प्लस मतदाताओं की संख्या 4,700 है।

#### विस क्षेत्र में कुल 828 भवनों में 1581 मतदान केंद्र

जिला अंतर्गत सभी 04 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 828 भवनों में कुल मतदान केंद्रों की संख्या 1581 है। जिसमें 34 गोमिया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत 206 भवनों में 341 मतदान केंद्र, 35 बेरमो विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत 213 भवनों में 355 मतदान केंद्र, 36 बोकारो विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत 204 भवनों में 588 मतदान केंद्र, 37 चंदनकियारी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत 205 भवनों में 297 मतदान केंद्र बनाएं गए हैं।

## विधायक बिरंची नारायण ने 5 दर्जन योजनाओं के निर्माण कार्य का ऑनलाइन शिलान्यास किया

बिभा संवाददाता

**बोकारो** : विधायक बिरंची नारायण गरगा नदी पर पुल ,पुस्तकालय भवन,कुपोषण केंद्र, कल्याण मंडप, रोड, नली, डीप बोरिंग, सिंचाई कूप, चापकल, चबूतरा, शेड सहित करोड़ों की लागत से लगभग 5 दर्जन योजनाओं का निर्माण कार्य का ऑनलाइन शिलान्यास किया। बोकारो विधायक बिरंची नारायण ने ऑनलाइन संबोधन में कहा कि बोकारो विधानसभा क्षेत्र के एक एक गांव ,शहर, विस्थापित क्षेत्र का विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य जनता की सहयोग व आशीर्वाद से संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि एक एक ग्रामीण सड़को का जीर्णोद्धार के अलावा नई सड़को का निर्माण भी किया जा रहा है। कई सड़कों व पुल के निर्माण की स्वीकृति के बाद निविदा की प्रक्रिया चल रही है।काफी पुरानी मांग गरगा ,इंजरी नदी और जोड़ियां पर पुल निर्माण की थी। उसे भी पूरा कर दिया गया है।गांव गांव में चबूतरा,स्नान घाट,छठ घाट का निर्माण किया जा रहा है। चास बोकारो वासियों की मांग पर क्षेत्र की समस्या दूर करने की दिशा में कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विवाह मंडप का निर्माण बड़ी संख्या में कराया गया है। इसके अलावा भी कई महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं।



उक्त अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री संजय त्यागी ,जिला मंत्री माथुर मंडल ,जयप्रकाश तापड़िया, चास नगर उत्तरी अध्यक्ष अमर स्वर्णकार,पन्नालाल कांदु,सुजीत चक्रवर्ती , भाजपा पिंडराजोरा मंडल अध्यक्ष हरिपद गोप, भाजपा चास मुफस्सिल मंडल अध्यक्ष हरीश सिंह , निमाई महथा ,उदय सिंह, झंटू दे, राजेश घोषाल,अशोक महतो ,हरिकृष्ण, विनोद सिंह, टुनटुन मिश्र, जयशंकर, आकाश सिंह, सुमीता साहू , रघुनाथ टुड्डू, प्रकाश कुमार, दिलीप पाललालू मोदक, स्वरूप दास एवं हीरालाल मंडल भीगम्बर गोराई,माणिक गोप,संतोष गुप्तासहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

## बीएसएल के सतर्कता विभाग ने फ्रंटलाइन अधिकारियों के लिए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

बिभा संवाददाता

**बोकारो** : सतर्कता विभाग के तीन माह के सतर्कता जागरूकता अभियान -2024 के अन्तर्गत बी एस एल के फ्रंटलाइन अधिकारियों के लिए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन, ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में आयोजित किया गया जिसमे विभिन्न विभाग के कुल 31 अधिशासी प्रतिभागी के रूप में शामिल थे. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महा प्रबंधक (सतर्कता) एवं एसीवीओ ज्ञानेश झा एवं श्री मनीष जलोटा मुख्य महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) के साथ संतोष कुमार गुप्ता सहायक महाप्रबंधक (सतर्कता) उपस्थित थे. कार्यक्रम का उद्देश्य बी एस एल के अधिकारियों के बीच संगठन की प्रणाली एवं प्रक्रिया, आचार एवं नीति, शासन, आचरण नियम, साइबर सुरक्षा, क्रय इत्यादि के विषय पर जागरूकता का प्रसार करना था. इस इंटरैक्टिव कार्यक्रम में संकाय सदस्यों ने संबंधित विषयों पर प्रतिभागियों के साथ ज्ञान तथा जानकारी को साझा किया. कार्यक्रम का सञ्चालन श्री राजेश कुमार उप महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) के द्वारा किया गया.




## खुदाई के दौरान गड्ढे में गिर मिट्टी में दबा मजदूर, स्थानीय लोगों ने बचाई जान

बिभा संवाददाता

**बोकारो** : चीराचास थाना क्षेत्र के तलगाड़िया मोड़ के पास गैस पाइपलाइन के लिए गड्ढे की खुदाई के दौरान एक मजदूर मिट्टी में दब गया. घटना के बाद इस दौरान मौके पर मौजूद जेसीबी ड्राइवर और ठेकेदार फरार हो गया. इस घटना की सूचना जब स्थानीय लोगों को मिली तो लोगों ने दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद मिट्टी में दबे मजदूर को सुरक्षित बाहर निकाला. बताया जा रहा है कि चीराचास थाना क्षेत्र के तलगाड़िया मोड़ के समीप गैस पाइपलाइन के लिए गड्ढे की खुदाई हो रहा था. इसी दौरान चंदनकियारी के बरमसिया का रहने वाला मजदूर लालटू महतो अचानक मिट्टी में दब गया. इस दौरान मौके पर मौजूद जेसीबी चालक एवं ठेकेदार मौका देख वहां से भाग निकले. घटना के बाद स्थानीय लोगों को जब इसकी सूचना मिली तो 2घंटे की कड़ी मेहनत के बाद लोगों ने मजदूर को मिट्टी खोदकर बाहर निकाला. हालांकि मजदूर पूरी तरह से सुरक्षित है. वहीं मौके पर पहुंचे चास एसडीपीओ प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि मजदूर पूरी तरह से ठीक है. लापरवाही की जांच की जा रही है. अगर प्रथम दृष्ट्या यह लापरवाही का मामला सामने आता है तो इस पर कार्रवाई भी की जाएगी. वहीं मजदूर को निकालने के दौरान मौजूद रहे सुमित नामक व्यक्ति ने बताया कि हमलोग इस रास्ते से गुजर रहे थे. इसी दौरान मजदूर के दबे होने की जानकारी मिली. मिट्टी के अंदर मजदूर रहने के कारण उसका कुछ भी दिखाई नहीं पड़ रहा था. काफी मशक्कत के बाद उसे निकाला जा सका है. लापरवाही के कारण यह घटना हुई है. ऐसे में प्रशासन को इस ओर ध्यान देना चाहिए.



## स्वच्छता पखवाड़ा 2024 के दौरान जागरूकता रैली और समीक्षा अभियान का आयोजन

बिभा संवाददाता

**बोकारो** : 1 अक्टूबर 2024 से 15 अक्टूबर 2024 तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। इस क्रम में आज, 15 अक्टूबर 2024 को स्वच्छता जागरूकता रैली और समीक्षा अभियान का आयोजन किया गया। यह अभियान मंडल के प्रमुख स्टेशनों जैसे आद्रा, पुरुलिया, बोकारो, बाँकुड़ा सहित अन्य विभिन्न स्टेशनों पर आयोजित किया गया। इस दौरान स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत किए गए कार्यों की समीक्षा की गई। इस अभियान में यात्रियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए हस्ताक्षर अभियान और कचरा उठाने के लिए प्लॉगिंग इवेंट्स का भी आयोजन किया गया। यात्रियों ने इस अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वच्छता के महत्व पर जोर दिया गया।



इस सम्पूर्ण स्वच्छता पखवाड़े के दौरान कई गतिविधियाँ सफलतापूर्वक आयोजित की गईं, जिनमें स्वच्छता शपथ, प्रभात फेरी, नुक्कड़ नाटक, प्रशिक्षण कार्यक्रम, मेरी सीट, मेरा डिब्बा, स्वच्छ स्टेशन (प्रमुख स्टेशन), फिल द डस्टबिन, स्वच्छ रेलगाड़ी (विशेष और अन्य गाड़ियाँ), स्वच्छ पटरियाँ के तहत पटरियों की सफाई और खुले में शौच रोकने के लिए जागरूकता अभियान, स्वच्छ परिसर (कार्य स्थल और आवासीय परिसर), स्वच्छ आहार (खाद्य स्थल), स्वच्छ जल (पेयजल), स्वच्छ शौचालय, स्वच्छ पर्यावरण, 'वेस्ट टू वेल्थ' विषय पर प्रदर्शनी, स्वच्छता प्रतियोगिता, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग बंद करने का अभियान आदि शामिल है।

रेलवे प्रशासन सभी यात्रियों और आम जनता से अपील करता है कि वे इस स्वच्छता अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें और सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें। कृपया रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में शौचालयों का उचित उपयोग करें और कचरा निर्धारित स्थानों पर ही डालें।

## डीईओ सह डीसी ने आर्मस बैंड का किया लोकार्पण

बिभा संवाददाता

**बोकारो** : विधानसभा आम चुनाव 2024 में मतदान प्रतिशत बढ़ने को लेकर समाहरणालय सभागार में मंगलवार शाम डीईओ सह डीसी विजया जाधव ने आर्मस बैंड का लोकार्पण किया। बैंड में मतदान करने से संबंधित संदेश लिखा था। डीईओ सह डीसी ने कहा कि जिले का मतदान प्रतिशत संतोषजनक नहीं है। विशेषकर शहरी क्षेत्रों में, इस दाग को इस बार जिलावासियों को मिटाना है, उन्होंने जिले के मतदाताओं से मतदान प्रतिशत बढ़ने का अपील किया, सभी को अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने एवं दूसरों को भी मतदान करने का अपील करने को कहा। डीईओ सह डीसी ने इस अवसर पर भारत निर्वाचन आयोग के विभिन्न एप के संबंध में विस्तार से बताया। उन्होंने उपस्थित सभी को मतदान करने के संदेश वाले आर्मस बैंड बांधने का अपील किया। मौके पर उप विकास आयुक्त गिरजा शंकर प्रसाद, सामग्री कोषांग की नोडल पदाधिकारी मेनका,निवार्ची पदाधिकारी गोमिया सह अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, निवार्ची पदाधिकारी बोकारो सह एसडीओ चास सुप्रांजल ढांडा, निवार्ची पदाधिकारी सह डीसीएलआर प्रभाष दत्ता, निवार्ची पदाधिकारी बेरमो सह एसडीओ बेरमो मुकेश मछुआ, ईवीएम कोषांग के नोडल पदाधिकारी मनोज कुमार, स्वीप कोषांग के नोडल पदाधिकारी शक्ति कुमार, सहयोगी पदाधिकारी मीडिया कोषांग सह सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, सहयोगी पदाधिकारी पंकज दूबे, विभिन्न प्रिंट एवं ईलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

## बोकारो विधानसभा जन संवाद अभियान लक्ष्य 2024 चौपाल कार्यक्रम में शामिल हुए उमेश प्रसाद गुप्ता

बिभा संवाददाता

**बोकारो** : बोकारो जिला विधानसभा चुनाव 2024 के दृष्टिगत जन संवाद अभियान चुनाव समिति के अध्यक्ष श्री सुशील कु झा एवं बोकारो जिला कांग्रेस कमिटी के शीर्ष नेताओं द्वारा आयोजित चौपाल कार्यक्रम चास प्रखंड अंतर्गत सोनाबाद में संवाद आपके साथ कार्यक्रम के तहत बोकारो कांग्रेस जिलाध्यक्ष उमेश प्रसाद गुप्ता जी शामिल हुऐ।इस मौके पर श्री गुप्ता ने कार्यक्रम कों सम्बोधित करते हुऐ कहा की हमारे गठबंधन सरकार ने जो कहा वो करके दिखाया।



झारखण्ड मुख्यमंत्री मईया सम्मान योजना नारी कों न्याय, हर घर आय अब मासिक रू 2500,सालाना रू 30000 शक्ति है तैयार, फिर से गठबंधन सरकार। खुशहाल किसान गठबंधन सरकार की पहचान ।पुरे झारखण्ड में 6.63 लाख किसानो का ऋण (कर्ज ) माफ किया गया। झारखण्ड में सिर्फ 1रू में फसल बीमा। नि शुल्क ईलाज का वादा गठबंधन सरकार का इरादा अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के तहत 15 लाख तक मुफ्त ईलाज की सुविधा। युवाओं के सपने साकार, नियुक्तियां लगातार 2833 सामुदायिक स्वास्थ पदाधिकारियों को दी गई नियुक्ति हर गरीब को घर का उपहार, झारखंड में गठबंधन की सरकार अबुआ आवास योजना के तहत 3 कमरों का पक्का मकान मौके पर रास नारायण सिंह, सुशील झा, अब्दुल मलिक, महावीर सिंह चौधरी, निवारण तिवारी, मनोज वर्मा,नजीर अहमद, शाहिद अंसारी, वाशीम अकरम, अजित मण्डल,पंकज महाथा, दीपू सिंह, अजान अंसारी, कमरुल अंसारी सहित कोंग्रेसीजनों उपस्थित रहे।

## संक्षिप्त खबरें

### स्योर सक्सेस कोचिंग सेंटर में डॉ एपीजे अब्दुल कलाम का मनाया गया जन्मदिन



**खूँटी(बिभा)** । मुरहू स्थित श्योर सक्सेस कोचिंग में मंगलवार को देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम आजाद की जन्मदिन जयंती मनाई गई। मौके पर , उनके चित्र में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किये। इस मौके पर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वारा राष्ट्रहित में किए गए सराहनीय कार्यों और योगदान की चर्चा हुई। मौके पर शिक्षिका सावित्री और रिया के साथ साथ सभी छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

### बिरसा महाविद्यालय में विद्यार्थियों ने मानव श्रृंखला बनाकर दिया मतदाता जागरूकता का संदेश



**खूँटी(बिभा)** । बिरसा महाविद्यालय में स्वीप कोषांग के द्वारा मंगलवार को मानव श्रृंखला बनाकर मतदान करने के प्रति जनजागरण का संदेश दिया। साथ ही सभी को मतदाता शपथ भी दिलाया गया। कार्यक्रम के माध्यम से 18 वर्ष के युवाओं को नया मतदाता बनने के लिए भी प्रेरित किया गया। मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा छात्र-छात्राओं से अपील किया गया कि वह अपने अभिभावकों एवं अपने आस-पास रहने वाले लोगों के मतदाताओं को मतदान के लिए जरूर प्रेरित करें। जिससे जिले में मतदान का प्रतिशत बढ़ाया जा सके। मानव श्रृंखला के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि सभी मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करें और बिना किसी दबाव, लोभ-लालच अथवा बिना किसी से प्रभावित हुए अपने सूझबूझ से सही उम्मीदवार को मत देकर अपने नैतिक मताधिकार का उपयोग करना है।

### आगामी विधानसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन



**खूँटी(बिभा)** । आगामी विधानसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर प्रशिक्षण कोषांग द्वारा लोयोला इंटर कॉलेज खूँटी में मतदान प्रक्रिया से जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य रूप से आज तोरपा प्रखंड/अंचल कार्यालय के पदाधिकारियों एवं कर्मियों एवं शिक्षकों को निर्वाचन कार्य से संबंधित गहन प्रशिक्षण दिया गया। तीन पालियों में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, इस दौरान निर्वाचन प्रक्रिया, ईवीएम वीवीपैट की तकनीकी जानकारी, निर्वाचन मार्गदर्शिका से जुड़े कई महत्वपूर्ण जानकारी दिया गया। जिससे आगामी विधानसभा चुनाव में सभी गाईड लाइंस का अनुपालन सुनिश्चित कराते हुए सफलता पूर्वक चुनाव सम्पन्न कराया जा सके।

### राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में खूँटी से खिलाड़ी रवाना



**खूँटी(बिभा)** । खेलो झारखंड अंतर्गत राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन बिरसा मुंडा एथलेटिक स्टेडियम खेल गांव में आज से शुरू होनेवाला है। जो 19 अक्टूबर तक चलेगा । इस प्रतियोगिता में खूँटी जिला 100 सदस्य टीम भाग लेगी प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों को अनुमंडल पदाधिकारी दीपेश कुमारी और जिला शिक्षा पदाधिकारी अपरूपा पाल चौधरी ने झंडा दिखलाकर खिलाड़ियों को विदा की। खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी। यह जिन खिलाड़ियों के साथ खेल शिक्षक रियाज आलम, सिकंदर पुराण, अनिल प्रकाश सोय, अमृता कुमारी मेहता व जोलेन तोपनो साथ गये। यह जानकारी रियाज आलम ने दी।

### पत्थर के अवैध व्यापार के विरुद्ध अंचलाधिकारी व पुलिस पदाधिकारियों ने किया धरपकड़



**खूँटी(बिभा)** । जिले में हो रहे पत्थर बालू के अवैध खनन धड़ल्ले से जारी है। जहाँ एक ओर पत्थर व्यापारी अवैध तरीके से पत्थर तुड़वाकर व्यापार कर रहे हैं वहीं प्रशासन भी धरपकड़ शुरू कर दिया है। इस दौरान हुटार क्षेत्र से पत्थर से भरा एक ट्रैक्टर को अवैध तरीके से परिवहन करते हुए एक ट्रैक्टर को पकड़ा है। अंचलाधिकारी शिशुपाल आर्य ने बताया कि खूँटी में हो रहे अवैध खनन के विरुद्ध कार्रवाई लगातार की जा रही है। इसी क्रम में एक ट्रैक्टर को पकड़ा गया। साथ ही, लोगों के द्वारा बताये गये नाम के अनुसार 10 से अधिक लोगों पर नामजद केस दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि इससे राजस्व की क्षति हो रहा है। इसलिए अब लगातार बालू पत्थर अवैध उत्खनन और कालाबाजारी करने विरुद्ध कार्रवाई जारी रहेगा।

# खूंटी एवं तोरपा विधानसभा क्षेत्र में 13 नवंबर को मतदान, 23 को मतगणना

बिभा संवाददाता



**खूँटी** । विधानसभा आम निर्वाचन 2024 को लेकर आज भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा राज्य में आदर्श आचार संहिता की घोषणा के साथ हीं चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया गया है। आदर्श आचार संहिता की घोषणा के पश्चात जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त श्री लोकेश मिश्रा द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस कर संपूर्ण जानकारी मीडिया संग साझा किया गया। उपायुक्त ने कहा कि झारखंड में दो चरणों में विधानसभा चुनाव संपन्न होना है, खूँटी एवं तोरपा विधानसभा क्षेत्र में पहले फेज यानी 13 नवंबर को मतदान होना है। 18 अक्टूबर से उम्मीदवारों के लिए नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ होगी, नामांकन की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर निर्धारित है। 30 अक्टूबर को उम्मीदवारों के नाम फाइनल होंगे, जिसके पश्चात 13 नवंबर को सुबह 7 से शाम 5 बजे तक मतदान होगा और 23 नवंबर को मतगणना की तिथि निर्धारित है। आदर्श आचार संहिता लागू होते हीं 24 से 72 घंटे के अंदर सभी राजनीतिक दालों का बैनर पोस्टर हटाया जाएगा। आदर्श आचार संहिता के संबंध में राजनीतिक दलों के साथ भी बैठक कर संपूर्ण जानकारी दी जाएगी।

विधानसभा निर्वाचन को लेकर विभिन्न कोषांग का गठन किया गया है। स्वीप कोषांग के द्वारा वृहद रूप से जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है लोकसभा आम चुनाव में मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी हुई थी हमारा प्रयास है कि विधानसभा चुनाव में भी मतदान के प्रतिशत को और बढ़ाएं। मीडिया के माध्यम से अपील है कि मतदान के दिन लोग घरों से बाहर निकाल कर अपने मतदान केंद्र पर जाए और अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें। यदि किसी व्यक्ति का नाम अब तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं हो पाया है तो फार्म 6 भर कर मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य दर्ज कराए या अपने बीएलओ से सम्पर्क करें। नामांकन की अंतिम तिथि से 10 दिन पूर्व तक मतदाता सूची में नाम जोड़ने का कार्य किया जाएगा। मतदान केन्द्रों पर अटऋसुविधा पूर्व चुनाव की तुलना में और भी दुरुस्त करने का कार्य किया जा रहा है। विधानसभा चुनाव में 120 महिला बूथ बनाने का लक्ष्य रखा गया है। साथ हीं ढहऊ मैनेज्ड बूथ, मॉडल बूथ एवं कल्चरल थीम पर आधारित बूथ का भी निर्माण कराया जाएगा।

मतदान प्रक्रिया में सभी गाइडलाइंस का पूर्णता अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा, जिसे लेकर मतदान कार्य में प्रतिनियुक्त पदाधिकातियों एवं कर्मियों का वृहद रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाकर प्रशिक्षण देने का कार्य किया जा रहा है। विधानसभा चुनाव को लेकर कंट्रोल रूम पूरी तरह से सक्रिय है किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त करने के लिए कंट्रोल रूम या टोल फ्री नंबर 1950 डायल कर जानकारी प्राप्त किया जा सकता है। आदर्श आचार संहिता उलंघन से संबंधित किसी भी प्रकार का शिकायत दर्ज करने के लिए उ-५ॅ' एप्प का इस्तेमाल किया जा सकता है। दर्ज शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन किया जाएगा। अंत में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त ने कहा कि विधानसभा निर्वाचन 2024 को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह से तैयार है, हम भारत निर्वाचन आयोग के सभी गाइडलाइंस का शत प्रतिशत अनुपालन करते हुए निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण माहौल में मतदान संपन्न कराएंगे।

# विधानसभा चुनाव को लेकर उपायुक्त ने राजनीतिक दलों के साथ की बैठक

बिभा संवाददाता



**खूँटी** । समाहरणालय स्थित सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त लोकेश मिश्रा द्वारा मान्यता प्राप्त सभी राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों संग स्टैंडिंग कमेटी की बैठक की गई। जिसमें आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर आदर्श आचार संहिता लागू होने के 24 घंटे एवं 72 घंटे के भीतर किए जाने वाले आवश्यक कार्रवाई के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई। उपायुक्त ने कहा कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के पश्चात सभी सरकारी योजनाओं एवं राजनीतिक पार्टियों से संबंधित बैनर, पोस्टर हटाया जाएगा, जिसमें सभी राजनीतिक पार्टियों के सहयोग की अपेक्षा है।उपायुक्त ने कहा कि किसी भी राजनीतिक कार्यक्रम के आयोजन से 48 घंटे पूर्व इसकी सूचना अनुमंडल पदाधिकारी को आवश्यक दें, साथ ही कार्यक्रम के आयोजन से पूर्व सुविधा एप्प के माध्यम से ऑनलाइन अनुमति लेना अनिवार्य है।

स्टार कैंपेनर को लेकर उपायुक्त ने कहा कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के पश्चात चुनाव प्रचार के लिए आने वाले स्टार प्रचारक की सूचना भी अनुमंडल पदाधिकारी को अवश्य दें, आदर्श आचार संहिता लागू होने के पश्चात किसी भी सरकारी योजना का प्रचार प्रसार ना करें, ना ही किसी भी प्रकार का योजना से संबंधित फॉर्म भरवाया जाए, किसी भी प्रकार का प्रलोभन देने पर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन माना जाएगा एवं संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। किसी भी व्यक्ति के घर में किसी पार्टी का झंडा लगाने से पूर्व घर के मालिक से अनुमति अवश्य लें।

जिले में किए जा रहे हैं ईवीएम डेमोंसट्रेशन की जानकारी देते हुए उपायुक्त ने कहा कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के पश्चात ईवीएम डेमोंसट्रेशन को वापस से ईवीएम वेयर हाउस में सुरक्षित जमा कर दिया जाएगा। आदर्श आचार संहिता लागू होने के पश्चात अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा अपने स्तर से धारा 144 लागू किया जाएगा।

बैठक में उपायुक्त ने कहा कि आदर्श आचार संहिता कोषांग की प्रभारी पदाधिकारी अनुमंडल पदाधिकारी खूँटी को बनाया गया है, इसलिए सभी राजनीतिक पार्टी किसी भी प्रकार की अनुमति या कार्य करने से पूर्व अनुमंडल पदाधिकारी खूंटी से संपर्क जरूर करें एवं उन्हें हर कार्यक्रम की जानकारी दें और अनुमति लेकर ही कार्यक्रम का आयोजन करें। सोशल मीडिया पर विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है, कोई भी आपत्तिजनक पोस्ट ना करें, जिससे आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन हो, एमसीएमसी सेल द्वारा सोशल मीडिया पर पैनी नजर रखी जाएगी।

आदर्श आचार संहिता के दौरान राजनीतिक पार्टियों द्वारा छापे गए बैनर पोस्टर आदि मैं पब्लिशर का नाम अवश्य अंकित करें और जो भी सामग्री छापे उसकी एक कॉपी निर्वाचन कार्यालय में जरूर उपलब्ध कराएं। प्रचार प्रसार एवं कार्यक्रम के दौरान चलने वाले वाहनों के लिए भी अनुमति लेना अनिवार्य है, लिए गए अनुमति पत्र को अपने गाड़ी के सामने जरूर चिपकाए। लाइसेंसी हथियार धारक आदर्श आचार संहिता लागू होने के पश्चात अपने हथियार को अपने थानों में जमा जरूर करें।

नए मतदाताओं से उपायुक्त ने अपील करते हुए कहा कि नामांकन की अंतिम तिथि से 10 दिन पूर्व तक मतदाता सूची में नाम जोड़ने का कार्य किया जाएगा। यदि किसी भी मतदाता का नाम अब तक मतदाता सूची में किसी कारणवश दर्ज नहीं हो पाया है तो वह फॉर्म 6 भरकर अनिवार्य रूप से मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करवा लें, जिससे लोकतंत्र के इस महापर्व में वह भाग लेकर एक जागरूक नागरिक होने का परिचय देते हुए अपना मताधिकार का प्रयोग कर सके। इस कार्य में राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों को भी सहयोग करने को कहा गया कि वह अपने अपने क्षेत्र के छुटे हुए मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में दर्ज करने में जिला निर्वाचन कार्यालय को सहयोग करें।

बैठक में मुख्य रूप से पुलिस अधीक्षक, उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी खूंटी, सभी राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधि एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

## विगत 25 वर्षों के कालक्रम में खूँटी का हमने किया काफी विकास : नीलकंठ

बिभा संवाददाता

**खूँटी** । झारखंड बनने के बाद से अब तक 25 वर्षों का विधानसभा के लिए खूंटी क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला। और इन 25 वर्षों में खूँटी का विकास का मार्ग हमने ही संजोने का काम किया है। जिसमें सड़क, पुल-पुलिया, तालाब , सरना मसना घेराबंदी, सोलर जलमीनार, शहरी जलापूर्ति, बिजली समस्या निवारण जैसे आवश्यक जीवनोपयोगी विकास के लिए कार्य किया। यह बात अपने खूँटी स्थित आवास पर खूँटी विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा ने प्रेसवार्ता के दौरान कही। उन्होंने कहा कि खूंटी विधानसभा क्षेत्र में इन 25 वर्षों में 33 पुल-पुलिया का निर्माण कराया गया है। 315 सरना मसना घेराबंदी कराने का काम किया है। वहीं मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 163 सड़कों का निर्माण मरम्मति व सुदृढ़ीकरण किया गया है। वही मरमती और सुदारीकरण सड़क योजना के तहत 68 सड़कों का सुदृढ़ीकरण किये हैं। इसके अलावे प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 54 सड़कों का निर्माण कराया है। अगर बात करें कि पिछले 5 वर्षों का विधायकी काल में 2017 से लेकर 2022 ई तक में 17 सड़कों का निर्माण किया गया है। विधायक ने इस प्रेस वार्ता के दौरान इतना ही में नहीं रुके । उन्होंने कहा कि केंद्र प्रायोजित आरकेभी योजना अंतर्गत समेकित उन्नत सिंचाई योजना और द्वितीय हरित क्रांति विस्तार योजना 2011-12 में किया गया था साथ ही, भूमि संरक्षण विभाग द्वारा ही सरकारी तालाब जीवन उधर केंद्र प्रायोजित योजना डीप बोरिंग हरित क्रांति विस्तार कृषि मशीनों एवं उपकरणों का क्रय एवं प्रशिक्षण अधिकारियों पर भी अनुशंसा किए थे। इसके अलावा तजना नदी पर बियर एवं टंकी निर्माण, खूंटी शहर में बन रहा 57 करोड़ की लागत से शहरी जलापूर्ति योजना की स्वीकृति करना, मुरहू में पाइपलाइन द्वारा पेयजल हेतु योजना की स्वीकृति दिलाना, बनई नदी बियर एवं चेक डैम का निर्माण हेतु योजना का स्वीकृति दिलाना, करा में पाइप लाइन द्वारा पेयजल हेतु योजना का स्वीकृति किया गया है। वहीं मुरहू, खूँटी व कर्रा में ब्लॉक बिल्डिंग का निर्माण और स्टाफ क्वार्टर का निर्माण कराया गया। वहीं पथ निर्माण विभाग में लम्बे पथों का निर्माण के लिए 12 सड़कों का अनुशंसा किए हैं। साथ ही, शहीद स्थल डोंबारी बुरु और एटकेडीह का सुंदरीकरण करने का काम किए हैं। यही कारण है कि आज 25 वर्षों से लगातार पाँच बार खूँटी विधानसभा क्षेत्र से जीत हासिल हुई है। इस प्रेस वार्ता के दौरान, विनोद नाग, कैलाश राम, राजेश राम, अर्जुन पाहन, रुपेश जायसवाल, मदन गोप, कासीनाथ महतो आदि अनेक लोग उपस्थित थे।

# जिले में धारा 163 के साथ निषेधाज्ञा लागू, चुनाव समाप्ति तक रहेगा प्रभावी

बिभा संवाददाता

**खूँटी** । भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा आम निर्वाचन-2024 की घोषणा दिनांक 15.10.2024 को कर दी गई है। भारत निर्वाचन आयोग की घोषणा की तिथि से ही खूँटी जिले में आदर्श आचार संहिता प्रभावी है। इस अवधि में विभिन्न राजनैतिक दलों तथा प्रत्याशियों के द्वारा चुनाव प्रचार हेतु जन-सभा/जुलूस का आयोजन किया जायेगा। जनसभा एवं जुलूस में राजनैतिक प्रतिद्वंदिता एवं प्रतिस्पर्धा के कारण शस्त्र एवं शक्ति प्रदर्शन कर मतदाताओं को प्रभावित/आतंकित किये जाने तथा विधि-व्यवस्था भंग होने की प्रबल संभावना बनी रहती है। इसके अतिरिक्त मतदाताओं को डराने, धमकाने, जातीय साम्प्रदायिक तथा धार्मिक विद्वेष की भावना फैलाने के लिए आवंछित / असामाजिक तत्वों के सक्रिय होने के कारण विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो सकती है, जिसके कारण लोक शांति भंग हो सकती है। जिसे देखते हुए चुनाव सम्पन्न कराने तक अनुमंडल पदाधिकारी खूँटी सूश्री दीपेश कुमारी द्वारा खूँटी अनुमंडल क्षेत्र में धारा 163 लगाते हुए निषेधाज्ञा आदेश जारी किया गया है। जिससे निष्पक्ष, अनुकूमल, स्वस्थ और शांतिपूर्ण माहौल बनाये रखते हुए विधानसभा चुनाव सम्पन्न कराया जा सके।

रैली, सभा एवं धरना में बिना अनुमति के किसी प्रकार की रैली, सभा एवं धरना नहीं किया जायेगा। जुलूस में किसी भी व्यक्ति के पास किसी भी प्रकार का धारदार हथियार (अस्त्र एवं शस्त्र) जो मानव शरीर के लिए घातक हो, को लेकर चलने पर प्रतिबंधित आरोपित किया जाता है। चुनावी अभियान/प्रचार के दौरान बिना सक्षम पदाधिकारी के अनुमति के बगैर वाहन का प्रयोग नहीं करेंगे। सरकारी सम्पति का उपयोग बिना अनापत्ति/अनुमति के नहीं किया जायेगा।

ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग के कानून 1955 के अन्तर्गत ध्वनि विस्तारक यंत्र का प्रयोग 6.00 बजे प्रातः से 10.00 बजे रात्रि तक ही करेंगे। ध्वनि विस्तारक यंत्र का प्रयोग सक्षम पदाधिकारी के अनुमति के पश्चात करेंगे। यदि किसी भी बात से जाति, धर्म, समुदाय आदि में शत्रुता या घृणा पैदा होती है तो इसके लिए आवेदक जिम्मेवार होंगे तथा ध्वनि विस्तारक यंत्र की अनुमति रद्द कर दी जायेगी। किसी सार्वजनिक / सरकारी सम्पति पर नारा लिखना, पोस्टर / पम्पलेट चिपकाना, पार्टी विशेष का झण्डा लगाना, सार्वजनिक सड़कों पर बैनर लगाना, होटिंग लगाना एवं तारण द्वार लगाने पर प्रतिबंधित आरोपित किया गया है। उक्त प्रतिबंध का उल्लंघन करने पर संबंधित व्यक्तियों पर सम्पत्ति कानून-1987 के सुसंगत प्रावधनों के तहत कार्रवाई की जायेगी। किसी भी व्यक्तिगत सम्पति पर बिना सम्पति मालिक की लिखित अनुमति के नारा लिखना, पोस्टर, पम्पलेट चिपकाना, पार्टी विशेष का झण्डा लगाने, होडिंग लगाने पर प्रतिबंध आरोपित किया गया है।

भारतीय दण्ड संहिता में परिभाषित किसी भी अपराध करने तथा शांति भंग करने के उद्देश्य से पांच या उससे अधिक व्यक्ति किसी भी स्थान पर एकत्रित नहीं होंगे। कोई भी व्यक्ति/राजनीतिक दल/संगठन फोटो, पोस्टर, सोशल कीडिया पोस्ट (फेसबुक, टिवीटर इंस्टाग्राम) पर्चा के माध्यम से ऐसा प्रचार नहीं करेंगें ताकि कोई भी व्यक्ति जाति, धर्म समुदाय के आधार पर विभिन्न वर्गों के बीच शत्रुत्ता या घृणा की भावनाओं को बढावा नहीं देंगे। (Sec 125 of RPA) 1951 और 153अ ङ्का इठर के अंतर्गत दण्डनीय होगा। किसी भी पार्टी के उम्मीदवार या कार्यकर्त्ता के व्यक्तिगत / नीजि जीवन को लक्षित नहीं करेंगे। ऐसा करने पर आदर्श आचार संहिता का उल्लघंन माना जायेगा जो दण्डनीय है।

कोई भी व्यक्ति/राजनैतिक दल/संगठन / उम्मीदवार/अभ्यर्थी किसी धार्मिक स्थल का प्रयोग राजनैतिक प्रचार के लिए नहीं करेंगे एवं साम्प्रदायिक भावना को भड़काने का कार्य नहीं करेंगे तथा ऐसा कोई कार्य नहीं किया जायेगा जिससे विभिन्न जातियों या धार्मिक या भाषाई समुदायों के बीच घृणा की भावना उत्पन्न हो। राजनीतिक दलों और अभ्यर्थियों द्वारा अस्थायी प्रचार अभियान कार्यालय सार्वजनिक या निजी संपत्ति के किसी भी अतिक्रमण के माध्यम से नहीं खोला जाएगा। राजनीतिक दलों और अभ्यर्थियों द्वारा अस्थायी प्रचार अभियान कार्यालय किसी भी अथवा ऐसे धार्मिक स्थान के परिसर में नहीं खोला जाएगा। राजनीतिक दलों और अभ्यर्थियों द्वारा अस्थायी प्रचार अभियान कार्यालय किसी भी शैक्षणिक संस्थान / अस्पताल के समीप नहीं खोला जाएगा। राजनीतिक दलों और अभ्यर्थियों द्वारा अस्थायी प्रचार अभियान कार्यालय मतदान केन्द्र के 200 मीटर के अंदर नहीं खोला जाएगा। कोई भी व्यक्ति /राजनैतिक दल/संगठन/उम्मीदवार / अभ्यर्थी मतदाताओं को डराने धमकाने का कार्य नहीं करेंगे और न ही किसी भी मतदाता को प्रलोभन में लाने का प्रयास करने वालों का दण्डनीय अपराध होगा। सरकारी स्वामित्व वाले गेस्ट हाउस, भवन का काई भी हिस्सा किसी भी राजनैतकि गतिविधियों/ सभा/ बैठक के लिए उपयोग नहीं किया जायेगा। यदि कोई व्यक्ति शराब, नकदी या कोई अन्य सामग्री वितरित करते हुए पाया जाता है, जिससे चुनाव में प्रभाव पड़ सकता है तो उसे विधिसम्मत धाराओं के तहत दण्डित किया जायेगा। निर्वाचन से संबंधित पम्पलेट, पोस्टर इत्यादि पर मुद्रक एवं प्रकाशक का नाम और पता होना अनिवार्य होगा, अन्यथा यह 127 A RPA 1951 का उल्लंघन माना जायेगा। कोई भी व्यक्ति / राजनैतिक दल / संगठन / उम्मीदवार / अभ्यर्थी किसी भी प्रकार का लाईसेंन्स, हथियार लेकर नहीं चलेगा एएवं आग्नेयास्त्र, तीर-धनुष, लाठी, भाला एवं मानव शरीर के लिए अन्य घातक हथियार का प्रदर्शन नहीं करेगा।

परम्परागत रूप से शस्त्र धारण करनेवाले समुदाय (नेपालियों द्वारा खुखरी धारण करने तथा सिखों द्वारा कृपाण धारण करनेवाले), विधि-व्यवस्था एवं निर्वाचन कर्त्तव्य पर लगे दण्डाधिकारियों/ निर्वाचन कर्मियों और पुलिस पदाधिकारियों पर यह लागू नहीं रहेगा। यह आदेश जिला दण्डाधिकारी द्वारा लोकसभा निर्वाचन के अवसर पर निर्गत किये जानेवाले आदेश के आलोक में निर्दिष्ट स्थान पर शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों द्वारा शस्त्र निरीक्षण कराने एवं शस्त्र जमा करने हेतु शस्त्र ले जानेवाले अनुज्ञप्तिधारियों पर शिथिल रहेगा।

किसी भी व्यक्ति / राजनैतिक दल/संगठन / उम्मीदवार / अभ्यर्थी के द्वारा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आदर्श आचार संहिता के संदर्भ में समय-समय पर जारी दिशा-निर्देश के विपरीत कोई भी कार्य नहीं किया जायेगा। यह आदेश पूवार्नुमति प्राप्त सभा/जुलूस / शादी/बारात पार्टी/शव-यात्रा/हाट बाजार / अस्पताल जा रहे मरीज के साथ-साथ जा रहे व्यक्तियों विद्यालय एवं महाविद्यालय जानेवाले छात्र/छात्राओं एवं कर्त्तव्य पर तैनात सरकारी कर्मचारी / पुलिस बल पर लागू नहीं रहेगा। उक्त जारी निषेधाज्ञा आदेश को तत्काल प्रभाव से खूँटी अनुमंडल क्षेत्र में लागू कर दिया गया है।

# कब भूखमरी एवं भूखें लोगों की दुनिया से निजात मिलेगी?

ललित गर्ग

**हमारी दुनिया विरोधाभासी एवं विडम्बनाओं से ग्रस्त है। एक तरफ भूखमरी तो दूसरी ओर महंगी दावतों और धनाढ्य वर्ग की विलासिताओं के अम्बार, बड़ी-बड़ी दावतों में जूठन की बहुतायत मानवीयता पर एक बदनुमा दाग है। इस तरह व्यर्थ होने वाले भोजन पर अंकुश लगाया जाए, विज्ञापन कंपनियों को भी दिशा निर्देश दिए जाएं, होटलों और शैक्षिक संस्थानों, दफ्तरों, कैंटीनों, बैठकों, शादी और अन्य समारोहों और अन्य संस्थाओं में खाना बेकार न किया जाए।**

विश्व खाद्य दिवस 16 अक्टूबर को दुनिया भर में हर साल मनाया जाने वाला एक अंतरराष्ट्रीय दिवस है। 1945 में संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन की स्थापना उपलक्ष्य में यह दिवस भूख और खाद्य सुरक्षा से संबंधित कई अन्य संगठनों द्वारा व्यापक रूप से मनाया जाता है, जिसमें विश्व खाद्य कार्यक्रम, विश्व स्वास्थ्य संगठन और कृषि विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय कोष शामिल हैं। डब्ल्यूएफपी को भूख से लड़ने, संघर्ष क्षेत्रों में शांति में योगदान देने और युद्ध और संघर्ष के लिए हथियार के रूप में भूख के इस्तेमाल को रोकने में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए 2020 का शांति का नोबेल पुरस्कार मिला। साल 2024 की थीम है बेहतर जीवन और बेहतर भविष्य के लिए भोजन का अधिकार।। आज भारत एवं अन्य देशों में भोजन की बबार्दा को रोकना भी प्रमुख प्राथमिकता बननी चाहिए। भारत सरकार भी हर व्यक्ति तक भोजन की पहुँच और विशेष रूप से कमजोर वर्ग के लिए ह्यप्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजनाह्व व अंत्योदय अन्न योजना जैसे कार्यक्रम चलाती है।

विश्व की करीब दो अरब तीस करोड़ आबादी को भूखमरी एवं भूख का सामना करना पड़ रहा है। दो वक्त की भोजन सामग्री जुटाने के लिए इस आबादी को जिन मुश्किलों, संकटों एवं त्रासद स्थितियों का सामना करना पड़ रहा है, वह विश्व की सरकारों एवं व्यवस्थाओं के विकास के बयानों को बेमानी सिद्ध करता है। संयुक्त राष्ट्र की इस रिपोर्ट के मुताबिक, कोरोना महामारी और उसके बाद रूस-यूक्रेन युद्ध ने भूखमरी को विकट बनाने में अहम भूमिका निभाई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया 2030 तक सभी रूपों में भूख, खाद्य असुरक्षा, स्वास्थ्य और कुपोषण को खत्म करने के अपने लक्ष्य से और दूर जा रही है। लेकिन भारत-सरकार के प्रयासों से भारत में कुपोषण एवं भूखमरी से उबरने की सफल कोशिशें हो रही है। भारत की टिकाऊ और स्वस्थ खाने की आदतों की दिशा में प्रगति स्पष्ट है। खेत से लेकर मेज तक का आंदोलन जोर पकड़ रहा है, जो उपभोक्ताओं को ताजा, स्थानीय रूप से प्राप्त उपज से जोड़ रहा है। खाद्य उद्यमियों की सफलता की कहानियाँ लचीलापन और नवाचार को दशार्ती हैं, जो एक जीवंत खाद्य परिदृश्य में योगदान देती हैं। अत्याधुनिक खाद्य प्रौद्योगिकी नवाचारों के साथ, भारतीय खाद्य उद्योग विकसित हो रहा है, जिससे दक्षता और कम बबार्दी सुनिश्चित हो रही है।

कुपोषण और भुखमरी से जुड़ी वैश्विक रिपोर्टें न केवल चौंकाने बल्कि सरकारों की नाकामी को उजागर करने वाली ही होती हैं। विश्वभर की शासन-व्यवस्थाओं का नाकामी एवं शैतानों की शरणस्थली बनना एक शर्मनाक विवशता है। लेकिन इस विवशता को कब तक ढोते रहेंगे और कब तक दुनिया भर में कुपोषितों का आंकड़ा बढ़ता रहेगा, यह गंभीर एवं चिन्ताजनक स्थिति है। लेकिन ज्यादा चिंताजनक यह है कि तमाम कोशिशों और दावों के बावजूद कुपोषितों और भुखमरी का सामना करने वालों का आंकड़ा पिछली बार के मुकाबले हर बार बढ़ा हुआ ही निकलता है। रिपोर्टें बताती हैं कि ऐसी गंभीर समस्याओं से लड़ते हुए हम कहां से कहां पहुंचे है। इसी में एक बड़ा सवाल यह भी निकलता है कि जिन लक्ष्यों को लेकर दुनिया के देश सामूहिक तौर पर या अपने प्रयासों के दावे करते रहे, उनकी कामयाबी कितनी नगण्य एवं निराशाजनक है। कुपोषण, गरीबी, भूख में सीधा रिश्ता है। यह दो-चार देशों ही नहीं, बल्कि दुनिया के बहुत बड़े भूभागों के लिए चुनौती बनी हुई है। दुनिया से लगभग आधी आबादी इन समस्याओं से जूझ रही है। इसलिए यह सवाल तो उठता ही रहेगा कि इन समस्याओं से जूझने वाले देश आखिर क्यों नहीं इनसे निपट पा रहे हैं? इसका एक बड़ा कारण आबादी का बढ़ना भी है। गरीब के संतान ज्यादा पैदा होती है क्योंकि कुपोषण में आबादी ज्यादा बढ़ती है। विकसित राष्ट्रों में आबादी की बढ़त का अनुपात कम है, अविकसित और निर्धन राष्ट्रों की आबादी की बढ़त का अनुपात ज्यादा है। भुखमरी पर स्टैंडिंग टुगेदर फॉर न्यूट्रीशन कंसोर्टियम ने आर्थिक और पोषण डाटा इकट्ठा किया, इस शोध का नेतृत्व करने वाले सासकिया ओसनदार्प अनुमान लगाते हैं कि जो महिलाएं अभी गर्भवती हैं वो ऐसे बच्चों को जन्म देंगी जो जन्म के पहले से ही कुपोषित हैं और ये बच्चे शुरू से ही कुपोषण के शिकार रहेंगे। एक पूरी पीढ़ी दांव पर है।ह्व अफ्रीकी देशों से आने वाली तस्वीरें डराती हैं। खाने के एक-एक पैकेट के लिए हजारों की भीड़ उमड़ पड़ती है। ऐसे में पौष्टिक भोजन की तो कल्पना भी नहीं की जा सकती। महंगाई के कारण मध्य और निम्न वर्ग के लोग अपने खान-पान के खर्च में भारी कटौती के लिए मजबूर होते हैं। ऐसे में एक स्वस्थ व्यक्ति के लिए निर्धारित मानकों वाले खाद्य पदार्थ उनकी पहुंच से दूर हो जाते हैं। पौष्टिक भोजन के अभाव में लोग गंभीर बीमारियों की जद में आने लगते हैं।

गरीब मुल्कों की मदद के लिए विश्व खाद्य कार्यक्रम को तेज करने की जरूरत है। विकासशील देशों को ऐसी नीतियां बनानी होंगी जो गरीबी, कुपोषण एवं भुखमरी दूर कर सकें। सत्ताएं ठान लें तो हर नागरिक को पौष्टिक भोजन देना मुश्किल भी नहीं है। लेकिन इसकी सबसे बड़ी बाधा शासन-व्यवस्थाओं में बढ़ता भ्रष्टाचार है। गलत जब गलत न लगे तो यह मानना चाहिए कि बीमारी गंभीर है। बीमार व्यवस्था से स्वस्थ शासन की उम्मीद कैसे संभव है? संयुक्त राष्ट्र की ताजा वैश्विक खाद्य सुरक्षा रिपोर्ट में दुनिया में भुखमरी की स्थिति पहले के मुकाबले ज्यादा विकराल होने की स्थितियां तमाम विकास की तस्वीरों पर एक बदनुमा दाग है। दुनिया में उभरती आर्थिक महाशक्तियों, व्यवस्थाओं एवं विकास के बीच भूखे लोगों की तादाद में इजाफा होना दुनिया के विकास एवं संतुलित समाज की संरचना पर एक गंभीर प्रश्न है। कहीं-ना-कहीं दुनिया के विकास मॉडल में खामी है या वर्तमान सरकारों की कथनी और करनी में फर्क है। ऐसा लगता है कि विकास के लुभावने स्वरूप को कामयाबी माना जाने लगा है, लेकिन इसके बुनियादी पहलुओं को केंद्र में रखकर जरूरी कदम नहीं उठाए गए या उन पर अमल नहीं किया गया, तभी भूखमरी एवं भूखे लोगों की विडम्बनापूर्ण स्थितियां सुरसा की भांति बढ़ती ही जा रही है। यह कैसी संवेदनहीनता एवं उपेक्षापूर्ण मानसिकता है कि भूखमरी एवं कुपोषण की त्रासद एवं खौफनाक मसले पर किसी नई रिपोर्ट पर हैरानी तक नहीं होती, मगर इससे इतना जरूर पता चलता है कि विश्वभर में नीतियां बनाने और उन्हें लागू करने को लेकर कोई संतुलित रुख नहीं अपनाया जाता। यह शासन व्यवस्थाओं की नीति एवं नियत में खोट को ही दशार्ता है।

हमारी दुनिया विरोधाभासी एवं विडम्बनाओं से ग्रस्त है। एक तरफ भूखमरी तो दूसरी ओर महंगी दावतों और धनाढ्य वर्ग की विलासिताओं के अम्बार, बड़ी-बड़ी दावतों में जूठन की बहुतायत मानवीयता पर एक बदनुमा दाग है। इस तरह व्यर्थ होने वाले भोजन पर अंकुश लगाया जाए, विज्ञापन कंपनियों को भी दिशा निर्देश दिए जाएं, होटलों और शैक्षिक संस्थानों, दफ्तरों, कैंटीनों, बैठकों, शादी और अन्य समारोहों और अन्य संस्थाओं में खाना बेकार न किया जाए। इस भोजन का हम अपने समाज की बदहाली, भूखमरी और कुपोषण से छुटकारे के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। सरकारों के भरोसे ही नहीं, बल्कि जन-जागृति के माध्यम से ऐसा माहौल बनाना चाहिए। आखिर में खुद से पूछना चाहिए कि क्या हम अशांत, अस्थिर, हिंसक और अस्वस्थ समाज चाहते हैं या उसे बदलना चाहते हैं? क्या हम भूखमरी एवं भूखें लोगों की दुनिया के नागरिक होना चाहते है या खुशहाल एवं साधन-सम्पन्न नागरिकों की दुनिया के नागरिक?

## संपादकीय

### ढोल में पोल न हो

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधीकरण बुजुर्गों के लिए अधिक स्वास्थ्य पैकेज जोड़ने की आवश्यकता का आंकलन कर रही है। इससे तकरीबन साढेरूचार करोड़.परिवारों के छह करोड़.बुजुर्गों को लाभ मिलेगा। यह आवेदन आधारित योजना है। इसके लिए प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना पोर्टल या आयुष्मान एप पर पंजीकरण करना होगा। 70 या उससे अधिक उम्र वाला हर बुजुर्ग आयुष्मान कार्ड.प्राप्त करने व तथा विस्तारित योजना शुरू होने पर सूची वाले किसी भी अस्पताल में पांच लाख तक का इलाज मुफ्त कराने के पात्र होंगे। पहली सितम्बर तक साढ़े बारह हजार से अधिक निजी अस्पतालों समेत 29,648 अस्पतालों को इस योजना के तहत सूचिबद्ध किया जा चुका है। वर्तमान में दिल्ली, ओड़िशा तथा पश्चिम बंगाल को छोड़कर 33 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में इसे लागू किया जा रहा है। जो लोग पहले से केंद्र सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं, पूर्वसैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना और आयुष्मान केंद्रीय सशस्त्र बल का लाभ उठा रहे हैं, वे दोनों में विकल्प चुन सकते हैं। आम जनता के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमेशा से गंभीर रहे हैं। प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा व आयुष्मान जैसी सुविधाओं की शुरूआत का उद्देश्य किफायती दर पर सबको इलाज मिलने की व्यवस्था उन्होंने ही दी है। हालांकि जितना इसका प्रचार किया गया, यह उतनी सफल नहीं हो पाई। खासकर देश के पिछड़े.राज्यों व इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाओंको उपलब्ध कराना सरकार के लिए बड़ी चुनौती है। हालांकि इस नई योजना के तहत अस्पतालों की संख्या काफी बढ़ाई गई है। वरना अब तक लोगों को अपने मरीज को लेकर बड़े.कस्बों या नजदीकी शहर की तरफ भागना पड़ता रहा है। दवाओं और निजी अस्पतालों के मोटे-मोटे बिलों को चुकाने लायक सामर्थ्य अभी अपने यहां बड़े.वर्ग की नहीं है। जिन्हें उम्र संबंधी दिक्कतों से लेकर गंभीर रोगों का इलाज कराने के लिए परिवार का मुंह ताकना पड़ता है। इस योजना के चलते उम्मीद की जा सकती है कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, जो अपने बुजुर्गों के इलाज में पैसों की कटौती करने को मजबूर है, अब उनका बेहतर इलाज करवा सकेगा। परंतु महत्वपूर्ण तथ्य याद रखना होगा कि इन अस्पतालों में दवाओं, चिकित्सकों व सहयोगी कर्मचारियों का अकाल न रहने पाए। वरना योजनाओं का लाभ बुजुर्गों को प्राप्त नहीं हो सकता।

# गुजरात हादसा : कब तक जिन्दा दफन होते रहेंगे बेकसूर मजदूर

नरेन्द्र भारती

कब तक जिन्दा दफन होते रहेंगे बेकसूर मजदूर यह एक यक्ष प्रश्न बनता जा रहा है बेशक प्रतिवर्ष 1 मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है । केवल मात्र एक दिन बडे-बड़े सैमिनार, गोष्ठियां की जाती है मजदूरों के हितों को सुरक्षित करने के लिए बड़े दावे किये जातें है मगर 364 दिन मजदूरों के बारे में कोई नहीं सोचता कि मजदूरों के साथ कैसे-कैसे हादसे होते रहते है।प्रतिदिन समाचार पत्रों में मजदूरों के मरने की खबरें सुखियां बनती है मगर सरकारें मूकदर्शक बनी तमाशा देख रही हैं। देश के कारखानों में मजदूर मर रहे हैं हर जगह मजदूर काल का ग्रास बन रहे है। ताजा हादसा 12 अक्टूबर को गुजरात के मेहसाणा के कड़ी कस्बे मे घटित हुआ जहाँ काम करते समय 9 मजदूर जिन्दा दफन हो गए सभी मजदूरों के शव निकाल दिए है दफन होने वाले मजदूर 25 से तीस साल के थे'मजदूरों ने सपने मे भी नहीं सोचा होगा की उनकी इतनी दर्दनाक मौत होगी'देश में मजदूरों के साथ हादसे कब थमेगें यह एक यक्ष प्रशन है। हर साल दिवस मनाए जाते है मगर धरातल की सच्चाइयां बहुत ही भयानक है मजदूरों का शोषण किया जाता है। मजदूरों के नाम पर सैकडों योजनाए चलाई जाती है मगर उन्हे उनका हक नहीं मिलता। देश में हर रोज मजदूर बेमौत मर रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार उत्तरकाशी में बेकसूर मजदूरों ने 17दिन और 16 रातें कैसे निकाली थी यह मजदूर ही जानते होंगे' खौफनाक मंजर को कभी नहीं भूल पाएंगे' 17 दिन सूर्य के दर्शन नहीं हुए थे' मजदूरों ने कभी सपने में भी नहीं सोचा था की जिस सुरंग का निर्माण कर रहे हैं उसमें कैद हो जाएंगे' करोड़ों देश वासिओं की दुआएं रंग लाई और मजदूरों को नया जीवन मिल गया और 12दिन सुरंग की कैद से मुक्त हो गए थे' 12 तारीख को एक तरफ रविवार को दीपावली के दिन जहाँ पूरा भारतवर्ष दिवाली की खुशियाँ मना रहा था वहीं दूसरी तरफ उत्तराखंड के उत्तरकाशी में निमार्णाधीन सुरंग में बहुत ही भयंकर दुःखद हादसा हुआ था जब सुरंग ढहने से 41मजदूर सुरंग के अंदर फंस गए थे' उत्तरकाशी के सिल्कयारा में राष्ट्रीय राजमार्ग पर बनी सुरंग में फंसे 41 मजदूर जिंदगी व मौत के बीच झूल रहे थे सरकार द्वारा मजदूरों को बाहर निकालने के लिए जारी रेस्क्यू अभियान का 17 दिन ऑपरेशन जारी रहा था और मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल दिया गया था' देश प्रतिदिन समाचार पत्रों में मजदूरों के मरने की खबरें सुखियां बनती है मगर सरकारें मूकदर्शक बनी तमाशा देख रही हैं। देश में मजदूरों के साथ हादसे थमने का नाम नहीं ले रहें हैं।हर साल दिवस मनाए जाते है मगर धरातल की सच्चाइयां बहुत ही भयानक है मजदूरों का शोषण किया जाता है। मजदूरों के साथ होने वाले यह हादसे बहुत ही त्रासदी है।कहीं उद्योगों में जलकर मारे जा रहे हैं।हादसों की बजह से बच्चे अनाथ हो रहे है।मगर केन्द्र व राज्य की सरकारों को जरा सा सदमा होता तो मजदूरों के हितों में कदम उठाती लेकिन सरकारें तो तब जागती हैं जब बड़ा हादसा घटित हो जाता है। देश में हर वर्ष लाखों मजदूर दबकर मारे जा रहे हैं उद्योगों में जलकर मारे जा रहे हैं। मगर केन्द्र व राज्य की सरकारों को जरा सा सदमा होता तो मजदूरों के हितों में कदम उठाती लेकिन सरकारें तो तब जागती हैं जब बड़ा हादसा घटित हो जाता है।देश के कारखानों में मजदूर मर रहे हैं, इमारतों के नीचे दबकर मजदूर काल का ग्रास बन रहे है।हादसों को देखकर रौगटें खडे.हो जाते हैं देश के राज्यों में चल रहे ईंटों के भठठों में मजदूर मारे जा रहे हैं।मजदूरों के पसीने से ही ईंटें पकती हैं मगर भठठा मालिक मजदूरों का शोषण कर रहे हैं मजदूर खून-पसीना बहाकर काम करते है।मगर बदले में मेहनताना नाममात्र दिया जाता है।मालिक मजदूरों के सिर पर करोड़ों रुपया कमा रहे है।आकडों के मुताबिक बीते सालों में देश में हजारों मजदूर मारे जा चुके है।हादसों नं सवाल खड़े कर दिये हैं कि बार-बार हो रहे इन हादसों के कारण क्या है इस घटना ने यह प्रमाणित कर दिया है कि बीती घटनाओं से न तो सरकार ने सबक सिखा और न ही लोगों ने सीखा। हांलाकि इसयह कोई पहला हादसा नहीं है पिछले कई सालों से ऐसे दर्दनाक हादसे हो रहे हैं। बीते वर्ष में रायबरेली के उंचाहार में एटीपीसी संयत्र का बायलर फटने से 30 मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई थी तथा 100के लगभग घायल हो गए थे।500 मैगावाट इकाई के बायलर में यह हादसा हुआ था उस समय 200 कामगार मौजूद थे सरकारों ने मृतकों को मुआवजे की घोषणा करती है मगर मुआवजा इसका हल नहीं है।एक ऐसा ही हादसा जयपुर के पास खातोलाई गांव में घटित हुआ था जहां टाज्सफारमर फटने से 14 लोगों की मौत हो गई थी। इन हादसों ने औद्योगिक क्षेत्रों में मजदूरों की सुरक्षा पर प्रशनचिन्ह लगा दिया है इन हादसों पर संज्ञान लेना होगा तथा मजदूरों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने होगें ताकि भविष्य में ऐसे हादसों पर रोक लग सके। गत वर्ष जम्मू के उधमपूर से 80 किलोमीटर दूर रामबन जिले के चंद्रकोट में जम्मू-कश्मीर हाईवे पर टनल कर्मचारियों की बैरक में आग लगने से दस श्रमिक जिंदा जल गए थे।गत वर्ष एक निमार्णाधिन प्रोजेक्ट की दीवार गिरने से चार मजदूर बेमौत मारे गए।यहां पर 11 मजदूर काम कर रहे थे कि अचानक दीवार गिर गई सात मजदूर तो भागकर बच गए मगर बेचारे चार मजदूर जिन्दा दफन हो गए थे ।इन मजदूरों पर 42 मीटर लंबी दीवार गिर गई यह बहुत ही दुखद हादसा था। मुम्बई के अलीबाग में एक पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से 9 मजदूर मारे गए और 19 घायल हो गए थे। और दूसरी घटना में 24 फरवरी 2014 को कुल्लु के मणीकर्ण में करंट लगने से एक मजदूर की मौत हो गई थी जो के एक ठेकेदार के पास काम कर रहा था इस दर्दनाक हादसे में एक अन्य मजदूर घायल हो गया था। गोवा के कनाकोना शहर में फिर एक निमार्णाधीन इमारत गिरने से 7 लोगों की मौत हो गई थी। जब यह इमारत ढही उस समय 40 लोग काम कर रहे थे इस घटना ने सवाल खड़े कर दिये हैं कि बार-बार हो रहे इन हादसों के कारण क्या है इस घटना ने यह प्रमाणित कर दिया है कि बीती घटनाओं से न तो सरकार ने सबक सिखा और न ही लोगों ने सीखा। हांलाकि इसयह कोई पहला हादसा नहीं है पिछले कई सालों से ऐसे दर्दनाक हादसे हो रहे हैं गत वर्ष महाराष्ट्र में एक इमारत के गिरने से 75 मजदूरों की असमय मौत गई थी और 60 मजदूर घायल हो गए थे आखिर कब तक मजदूर इमारतों में जमीदोज होते रहगें।कुछ दिन पहले निमार्णाधीन यह इमारत ताश मे पतों की तरह ढह गई यहां ज्यादातर मजदूर ही रह रहे थे ।यह बहुत ही दर्दनाक हादसा था जिसने एक साथ इतने लोगों को लील लिया । प्रशासन मुआवजे का मरहम लगाता है मगर जो बेमौत मारे गये क्या वे लौट आएगें यह एक यक्ष प्रशन बनता जा रहा है। सरकार ऐसी घटनाओ के बाद मुआवजों की घोषणा करने तथा जांच के आदेश देने में देरी नहीं करती लेकिन यदि पहले ही इन लोगों पर करवाई कर ली जाए तो ऐसे हादसे रुक सकते है मगर सरकारों की तन्द्रा तो हादसे के बाद ही टूटती है। आखिर कितने हादसों के बाद प्रशासन अपनी जिम्मेवारी निभायेगा इस प्रशन का जबाब सरकार को देना होगा। इमारतो का निर्माण करने वाले ठेकेदारों को सजा ए मौत देनी चाहिए जो इन हादसों के लिये प्रत्यक्ष रुप से जिम्मेवार है। जो चंद चादी के सिक्कों के की चाहत के लिए मजदूरों की जिन्दगियां ले रहे हैं ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ा संज्ञान लेना चाहिए जो मानव की जान लेने से भी नहीं हिचकचाते ऐसे जल्लादों को सरेआम फांसी देनी चाहिए।

## चिंतन-मनन

### अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुतः उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे ड्राइवर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढर्रे में भारी और आश्चर्यकारी परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और आम्रपाली जैसी वीरांगनाओं को सती-साध्वी का प्रातः स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। वामित्र और भतृहरि जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पढ़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढर्रा जो चिर प्रयत्न से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनते, शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते, दुष्ट को संत बनते, संत को दुष्टता पर उतरते, कंजूस को उदार, उदार को कंजूस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती। आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुगरुणियों में सद्गुण बढ़ते और सद्गुणी में दुगरुण उपजते देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इतना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई, भावनाओं में परिवर्तन हो गया।

संसार का जो भी भला-बुरा स्वरूप हमें दृष्टिगोचर हो रहा है, समाज में जो कुछ भी शुभ-अशुभ दिखाई पड़ रहा है, व्यक्ति के जीवन में जो कुछ उत्कृष्ट-निकृष्ट है, उसका मूल कारण उसकी अंतःस्थिति ही होती है। धनी-निर्धन, रोग-नीरोग, अकाल मृत्यु-दीर्घ जीवन, मूर्ख-विद्वान, घृणित-प्रतिष्ठत और सफल-असफल का बाहरी अंतर देखकर उसके व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया जाता है। यह बाहरी भली-बुरी परिस्थितियां मनुष्य के मनोबल, आस्था और अंतःप्रेरणाओं की प्रतीक हैं।

# जंगली जानवर : न उजाड़ें नैसर्गिक संरचनाओं को

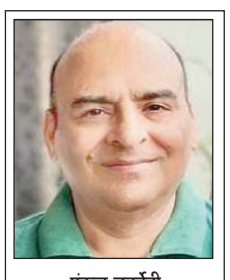

पंकज चतुर्वेदी

ऐसा कहा जाता है कि बरसात के मौसम में जंगल में मंगल होता है। घने वन झूमते हैं और हर जानवर के लिए पर्याप्त भोजन होता है, लेकिन इस बार अकेले उत्तर प्रदेश ही नहीं देश के अलग-अलग हिस्सों में तेंदुए ऐसे मौसम में बस्ती की तरफ आ रहे हैं और उनकी भिड़ंत इंसान से हो रही है। मुरादाबाद- अमरोहा के सैकड़ों किसान तेंदुए के डर से खेत नहीं जा रहे तो लोगों ने दिन में भी जंगल या एकांत से गुजरना छोड़ दिया है। हापुड़ और मेरठ में भी घनी बस्ती में तेंदुआ पालतू जानवरों का शिकार कर चुका है। बिजनौर में तेंदुआ 25 से अधिक जान ले चुका है। पीलीभीत के आसपास एक हजार से अधिक तेंदुओं के घूमने की बात जंगल महकमा कह रहा है। उत्तर प्रदेश में तो भेड़िये, सियार, कुछ जगह गुलदार और बाघ के कारण लोगों में दहशत है, लेकिन असम, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश से भी तेंदुए के गांवों तक आने की खबर को सामान्य नहीं माना जा सकता।

यह सच है कि जंगलों में बाघ की संख्या बढ़ने से तेंदुओं को पलायन करना पड़ रहा है, लेकिन बरसात में पलायन का बड़ा कारण बदलता मौसम है। तेंदुए जैसे जानवर को क्या जलवायु अपरिवर्तन से जूझने में दिक्कत हो रही है? यह सच है कि जब जंगल का जानवर बस्ती में दिखता है तो इंसान में भी डर की भावना आती है। एक तो समझना होगा कि तेंदुआ बस्ती की तरफ या क्यों रहा है, दूसरा यह स्वीकार करना होगा कि कोई भी जानवर इंसान पर हमला करने के लिए गांव-शहर में आता नहीं, फिर इस बात का ऐसा निदान खोजा जा सकता है कि प्रकृति की यह सुंदर देन अपने नैसर्गिक पर्यवास में निरापद रहे। चीता हमारे सामने उदाहरण है कि आजादी के बाद कैसे वह हमारे देश से लुप्त हुआ था। आज भले ही तेंदुए की संख्या पर्याप्त है, लेकिन जब उसका इंसान से टकराव बढ़ेगा तो जाहिर है कि उसके प्रजनन, भोजन, पर्यवास सभी पर कुप्रभाव पड़ेगा, खासकर जब जलवायु परिवर्तन की मार अब जानवरों पर बुरी तरह से पड़ रही है। यह बात गौर करने की है कि कुछ साल पहले तक तेंदुए के शावक जनवरी से मार्च तक दिखाई देते थे, लेकिन इस बार भारी बरसात में अर्थात जुलाई में जगह-जगह शावक दिख रहे हैं। जाहिर है कि बदलते मौसम ने तेंदुए के प्रजनन काल में बदलाव कर दिया है। हो यह रहा है कि बाघ के कारण तेंदुए जंगल छोड़ने पर जब मजबूर होते हैं तो वे बस्ती-शहर के पास डेरा डालते हैं, जहां तापमान बढ़ने का कुप्रभाव सबसे अधिक है और इस ने उनक काई मूल स्वभाव में परिवर्तन ला दिया है। घने जंगल कम होने से तेंदुए के इलाके में बाघ का कब्जा हो गया और जब पानी और घास पर जीने वाले जीव, जोकि मांसाहारी जानवरों के भोजन होते हैं, उनकी पर्याप्त संख्या होने के बावजूद तेंदुए को अधिक गरम इलाके में आना पड़ रहा है। जान लें कि जंगल का जानवर इंसान से सर्वाधिक भयभीत रहता है और वह बस्ती में तभी घुसता है जब वह पानी या भोजन की तलाश में बेहाल हो जाए। चूंकि तेंदुआ कुत्ते से लेकर मुर्गी तक को खा सकता है अतः जब एक बार लोगों की बस्ती की राह पकड़ लेता है तो सहजता से शिकार मिलने के लोभ में बार-बार यहां आता है। घने जंगल में बिल्ली मौसी के परिवार के बड़े सदस्य बाघ का कब्जा होता है और इसीलिए परिवार के छोटे सदस्य जैसे तेंदुए या गुलदार बस्ती की तरफ भागते हैं। विडंबना है कि जंगल के संरक्षक जानवर हों या फिर खेती-किसानी के सहयोगी मवेशी, उनके के लिए पानी या भोजन की कोई दूरगामी नीति नहीं है। तेंदुआ एक अच्छा शिकारी तो है ही, किसी इलाके के पारिस्थितिकी तंत्र की गुणवत्ता का मानक चिह्न भी होता है। दुर्भाग्य है कि आज इसका अस्तित्व ही खतरे में है। जंगली बिल्लियों के कुनबे के मूलभूत गुणों से विपरीत इनका स्वभाव हालात के अनुसार खुद को ढाल लेने का होता है। जैसे कि ये चूहों और साही से लेकर बंदरों और कुत्तों तक किसी भी जानवर का शिकार कर सकते हैं। वे गहरे जंगलों और मानव बस्तियों के पास पनप सकते हैं। यह अनुकूलन क्षमता, इन्हें कहीं भी छिपने और इंसान के साथ जीने के काबिल बना देती है, लेकिन जब तेंदुए जंगलों के बाहर उच्च मानव घनत्व वाले क्षेत्रों में पाए जाते हैं, तो हमें लगता है कि वे भटक गए हैं।

हम भूल जाते हैं कि यह उनका भी घर है, उतना ही हमारा भी है। तेंदुआ अपना जंगल छोड़ कर यदि लंबी यात्रा करता है तो उसका कारण भोजन के अलावा अपनी यौन क्रिया के लिए साथी तलाशना होता है। तेंदुए को यदि एक बार इंसान के खून की लत लग जाए तो यह खतरनाक होता है। जंगल का अपने एक चक्र हुआ करता था। जंगलों की अंधाधुंध कटाई और उसमें बसने वाले जानवरों के प्राकृतिक पर्यवास के नष्ट होने से इंसानी दखल से दूर रहने वाले जानवर सीधे मानव के संपर्क में आ गए। यदि इंसान चाहता है कि वह तेंदुए जैसे जंगली जानवरों का निवाला ना बने तो जरूरत है कि नैसर्गिक जंगलों को छेड़ा ना जाए, जंगल में इंसानों की गतिविधियों पर सख्ती से रोक लगे। खासकर जंगलों में नदी-नालों को खनिज या रेत उत्सर्जन के नाम पर नैसर्गिक संरचनाओं को उजाड़ा न जाए।

# बैंकिंग सेक्टर में भी इस तरह बन सकते हैं लीडर

**जरूरी नहीं कि हमेशा बॉस ही लीडर हो, कोई और भी लीडर हो सकता है। लीडरशिप का गुण ऑफिस में आपके व्यवहार में प्रतिबिंबित हो ही जाता है। बैंकिंग सेक्टर में भी हर ब्रांच में एक लीडर की जरूरत होती है और बैंक ऑफिसर्स की भर्ती करने वाले इंटरव्यू पैनल ऐसे ही लीडर की तलाश में होते हैं। किसी बैंक ब्रांच में दूसरों का नेतृत्व करने के लिए कई गुणों की जरूरत होती है।**

किसी भी सेक्टर में या किसी भी ऑफिस में, ऐसे लोग होते हैं जो दूसरों को उनका काम करने में मार्गदर्शन देते हैं। जरूरी नहीं कि हमेशा बॉस ही लीडर हो, कोई और भी लीडर हो सकता है। लीडरशिप का गुण ऑफिस में आपके व्यवहार में प्रतिबिंबित हो ही जाता है। बैंकिंग सेक्टर में भी हर ब्रांच में एक लीडर की जरूरत होती है और बैंक ऑफिसर्स की भर्ती करने वाले इंटरव्यू पैनल ऐसे ही लीडर की तलाश में होते हैं। किसी बैंक ब्रांच में दूसरों का नेतृत्व करने के लिए कई गुणों की जरूरत होती है। कारण यह कि बैंक में किसी भी दिन ऐसी कई स्थितियां बन सकती हैं, जिनमें संभव है कि ब्रांच मैनेजर भी न समझ पाए कि क्या किया जाना चाहिए। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि ब्रांच में कोई तो हो, जो रास्ता दिखा सके। एक बैंकर को अच्छा लीडर बनाने वाले गुण इस प्रकार हैं –

## त्वरित बुद्धि

यह सबसे ज्यादा जरूरी है क्योंकि जब भी पैसों संबंधी कोई समस्या उठ खड़ी होती है, तो अक्सर लोगों का दिमाग काम करना बंद कर देता है। आखिर सवाल रुपए–पैसों का जो है! ऐसी स्थिति में एक लीडर की त्वरित बुद्धि के चलते उसके समक्ष एक नहीं, अनेक उपाय उठ खड़े होंगे। तब वह उनमें से श्रेष्ठ उपाय को चुनकर लागू करेगा।

## ठंडा दिमाग

लीडरशिप के लिए यह बहुत जरूरी होता है। बैंकिंग में आपका पाला कई लोगों से पड़ेगा और सब एक जैसे नहीं होंगे। ऐसे भी लोग होंगे, जो बैंक में आकर आपसे या स्टाफ के किसी अन्य सदस्य से बहस करेंगे लेकिन ऐसे में आपको अपना संतुलन नहीं खोना है। याद रखें, वह व्यक्ति तो अपना काम कराकर चला जाएगा लेकिन यदि आप गरम दिमाग से दिन भर काम करेंगे, तो आपसे जरूर कोई–न–कोई गलती हो ही जाएगी! इसलिए लीडर के लिए हर हाल में शांत बने रहना जरूरी है। वैसे भी ग्राहक तो ग्राहक होता है और बैंक कर्मचारी के तौर पर आपका काम उसकी सेवा करना ही है।

## लचीलापन

लीडर होने का यह मतलब नहीं कि आप अपनी मर्जी से लोगों को हांक लेंगे। यह संभव नहीं कि किसी के पास हर समस्या का समाधान हो। हो सकता है कि आपके पास किसी समस्या का समाधान न हो लेकिन किसी और के पास यह होगा। आपको उस शख्स की मदद लेनी होगी ताकि काम हो सके। एक सच्चा लीडर इतना लचीलापन हमेशा रखता है।

## अच्छे संबंध रखें

बैंकिंग में यह बहुत जरूरी है क्योंकि बैंकिंग का व्यवसाय मूल रूप से विश्वास पर ही टिका होता है। आपको ब्रांच के हर कर्मचारी तथा ग्राहक के साथ अच्छे संबंध बनाकर रखने होते हैं। इससे ब्रांच में माहौल सकारात्मक बना रहता है।

## दूसरों का सहारा बनें

गलती हर किसी से होती है और बैंकिंग में होने वाली गलती पैसे से जुड़ी ही होगी। बैंकर के रूप में, आपको जरूरत के समय अपने साथियों का साथ देना चाहिए। इससे उनकी नजरों में आप सच्चे लीडर होंगे।

## लगन व परिश्रम

लीडर होने का मतलब है दूसरों के लिए मिसाल पेश करना और लगनशील व परिश्रमी होने की मिसाल से बेहतर क्या हो सकता है? जब साथी आपको मेहनत कर परिणाम प्राप्त करते देखेंगे, तो वे भी ऐसा ही करने को प्रेरित होंगे।

## औरों से दो कदम आगे रहें

बैंकिंग जैसे प्रतिस्पधी क्षेत्र में यह बहुत जरूरी है कि लीडर अपनी सोच और अपने व्यवहार में दूसरों से हमेशा दो कदम आगे रहे। तभी तो वह अपने संस्थान को आगे ले जा पाएगा।

# फोटोग्राफी की इन शाखाओं में बना सकते हैं शानदार करियर

फोटोग्राफी अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है। इस बात को ऐसे भी समझा जा सकता है कि किसी बात को कहने में जहां हजार शब्दों की जरूरत पड़ सकती है, वहीं एक फोटो हजार शब्दों को बयां कर देता है। फोटोग्राफी में करियर बनाने के लिए इस फील्ड में अनुभव के साथ इसका शौक होना भी बहुत जरूरी है। यह क्षेत्र न सिर्फ अच्छा पैसा देता है, बल्कि ग्लैमर से भी जुड़ा हुआ है।

## क्या आपमें है धैर्य?

इस क्षेत्र में सफल होने के लिए एक मूलमंत्र है धैर्य। अच्छे क्लिक के लिए धैर्य की बहुत जरूरत होती है। फिर चाहे आप किसी भी माहौल में काम कर रहे हों। तनावपूर्ण माहौल हो या भीड़ भरे इलाके, फोटोग्राफर को अच्छा परिणाम देने में सक्षम होना पड़ता है। फोटोग्राफर और सिनेमेटोग्राफर के लिए अपनी आंखों का सही इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है। उसके लिए उसका कैमरा ही उसकी आंखें है। इसके अलावा, फ्रीलांस फोटोग्राफर या व्यवसायिक फोटोग्राफरों के पास तकनीकी कौशल के साथ व्यापारिक समझ भी होनी चाहिए। तकनीकी पहलू लाइटिंग, लैंस, रिफ्लेक्टर, फिल्टर और सेटिंग्स जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करके ही फोटोग्राफर किसी पिक्चर को कैप्चर करते हैं। इसी के साथ अच्छी फोटो खींचने के लिए कई चीजों के समायोजन की जरूरत होती है, जैसे कैमरे की क्वॉलिटी, सब्जेक्ट, लाइटिंग, फोटोग्राफर का कौशल आदि। डिजिटल कैमरों में इलेक्ट्रॉनिक मेमरी का इस्तेमाल किया जाता है। इन तकनीकों की जानकारी होना आज के समय में जरूरी है।

## फोटोग्राफी की शाखाएं

फोटोग्राफी की कुछ खास शाखाएं हैं, जिनमें आप अपना करियर बना सकते हैं। ये इस प्रकार हैं –

**विज्ञापन/ फैशन** – विज्ञापनों और विज्ञापन एजेंसियों के कार्य के लिए कुशल फोटोग्राफरों की जरूरत होती है। फैशन फोटोग्राफी काफी हद तक एडवर्टाइजिंग फोटोग्राफी के समान ही होती है लेकिन इसमें तकनीक से ज्यादा परिधानों को उजागर करने की क्षमता जरूरी होती है।

**कला/ फिल्म** – आजकल किसी भी फिल्म की मेकिंग से लेकर उसके प्रदर्शन तक सारी गतिविधियां कैमरे में कैद की जाती हैं। इसके लिए हाई क्वॉलिटी और हाई रिजॉल्यूशन फोटोग्राफी का विशेष तौर पर ध्यान रखा जाता है।

**साइंस/ मेडिकल/ तकनीक** – इन क्षेत्रों में कार्यरत फोटोग्राफर कला से ज्यादा महत्व वस्तुपरक दृष्टिकोण को देते हैं, जिससे तथ्य को समझने में आसानी हो सके। फॉरेन्सिक लैब हो या वारदात का स्थान, सभी जगह कई एंगलों से फोटो खींचने होते हैं।

**फोटो जर्नलिज्म** – अगर आप फोटो जर्नलिस्ट हैं, तो तुरंत घटनास्थल तक पहुंचने के साथ ही सबसे पहले प्रेस या स्टूडियो तक जानकारी पहुंचाने की जिम्मेदारी आपको ही निभानी होती है। फोटो जर्नलिज्म में फोटो की श्रृंखलाओं के माध्यम से किसी विषय या घटना के बारे में स्टोरी फाइल की जाती है। आज के डिजिटल दौर में विश्व की प्रमुख घटनाओं को फोटो के माध्यम से कवर करने का रुझान तेजी से बढ़ा है।

## कैसे करें शुरूआत?

बारहवीं या ग्रेजुएशन के बाद इस फील्ड में प्रवेश लिया जा सकता है। इस कोर्स को सरकारी या निजी स्तर पर कई संस्थान कराते हैं। कोर्स करने से पहले बेसिक फोटोग्राफी का ज्ञान हासिल कर लेना अच्छा रहता है। बेहतर होगा कि एक डिजिटल कैमरा लेकर इसकी शुरूआत कर दी जाए। जब आपको लगे कि आप इस कोर्स के लिए पूरी तरह तैयार हैं, तो फिर डिजिटल एसएलआर खरीदकर प्रोफेशनली इससे जुड़ जाएं।

## प्रशिक्षण भी अहम

फोटोग्राफी के प्रशिक्षण के लिए किसी अच्छे संस्थान से फाइन आर्ट्स या मास कम्युनिकेशन कोर्स करके अच्छा ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। वहीं मोशन फोटोग्राफी का प्रशिक्षण फिल्म एवं टेलीविजन संस्थानों द्वारा दिया जाता है। सबसे पहले किसी अच्छे संस्थान में प्रवेश लेना जरूरी है। इनमें फोटोग्राफी कला का अध्ययन कराया जाता है। इससे आपको मूलभूत जानकारी प्राप्त हो सकेगी। जब आपको लगे कि आप पर्याप्त सक्षम हो गए हैं, तो किसी एक्सपर्ट फोटोग्राफर के साथ काम कर बारीक चीजों को भी सीख सकते हैं। फिर उच्च शिक्षण संस्थान की ओर रुख कर सकते हैं। यदि यह तरीका न भाए, तो दूसरे तरीके से फाइन आर्ट्स, विजुअल आर्ट्स, मास कम्युनिकेशन, जर्नलिज्म जैसे कोर्स में प्रवेश लें। इसमें आपको फोटोग्राफी मुख्य कोर्स के तौर पर पढ़ाई जाएगी। ध्यान रहे, प्रशिक्षण आपको तकनीकी पहलुओं की जानकारी दे सकता है लेकिन नए विचार और व्यक्तिगत स्टाइल तो स्वयं ही विकसित करनी होती है। व्यवहारिक ज्ञान यहां सबसे जरूरी होता है।

# इन टिप्स को अपनाकर बन सकते हैं एक अच्छा मैनेजर

**किसी भी संस्थान में एक मैनेजर की अहम भूमिका होती है। अगर आप भी अपने करियर में आगे बढ़ते हुए इस पद पर पहुंच गए हैं या पहुंचना चाहते हैं तो आपको अपने कार्यक्षेत्र के अलावा और भी चीजों पर ध्यान देना होगा। आपको अपनी सॉफ्ट स्किल्स की असली परीक्षा यही देनी होती है। एक लीडर के रूप में आप सभी सफल हो सकते हैं जब आपके कर्मचारी आपके साथ खुश, प्रेरित और उत्साहित महसूस करें।**

## कर्मचारियों को प्रेरित करना

अगर आप अपनी टीम का सम्मान करेंगे तो वे आपका सम्मान करेंगे। आपको उनकी हर छोटी–बड़ी चीजों का एप्रिशियेट करना होगा। उनसे अपने काम की ही फीडबैक न लेते रहें, बल्कि उनकी व्यक्तिगत समस्याओं को शेयर करने के लिए भी प्रोत्साहित करें।

## फील गुड कराएं

कर्मचारियों से केवल काम लेना है, ऐसी सोच आपके अच्छे मैनेजर बनने का गुण नहीं है। एक सफल मैनेजर में अपने कर्मचारियों की अच्छी बातों और क्षमताओं को पहचाने की समझ होती है। उनका मनोबल बढ़ाने के साथ उन्हें ऐसा माहौल दें कि वे बेहिचक काम कर सकें।

## पीठ पीछे भी प्रशंसा

आपको उनके काम, व्यवहार, उदारता की तारीफ उनके सामने तो करनी ही चाहिए। साथ ही आपको उनके पीठ पीछे भी तारीफ करना चाहिए। एक कर्मचारी जो जानता है कि उसकी कितनी प्रशंसा की जाती है तो वह ज्यादा मेहनत करेगा, अपने काम में ज्यादा आनंद लेगा और इस मानसिक खुशी को वह दूसरे कर्मचारियों के साथ बांटेगा।

## जिम्मेदारी सौंपे

आप एक मैनेजर है क्योंकि आप अपने काम में एक्सपर्ट है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आपको सारा काम खुद करना है। आपको यह समझ होनी चाहिए कि कौन सा काम, कौन सा कर्मचारी बखूबी पूरा कर सकता है। आपको अपने कर्मचारी को सीखने और नए अवसर देने की कोशिश करनी चाहिए। धीरे–धीरे जैसे आप उनकी सक्षमता और कमजोरियों को समझने लगें उन्हें ज्यादा जिम्मेदारी के काम सौंपें।

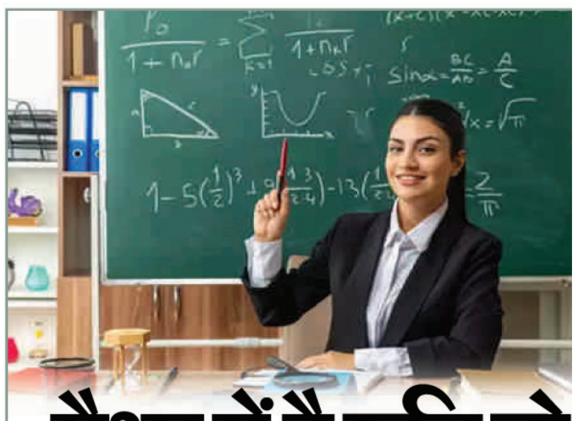

# मैथ्स में है रूचि तो इन क्षेत्रों में बना सकते हैं करियर

गणित मनुष्य के ज्ञान की एक अत्यधिक उपयोगी तथा आकर्षक शाखा है। इसमें अध्ययन के कई विषय शामिल हैं। भारत में प्राचीन काल से ही गणित की एक सुदृढ़ परंपरा रही है और आज भी यहां गणित में विश्व स्तर के अनुसंधान करने वाले अनेक संस्थान हैं। गणनाओं में रुचि रखने वाले युवा बड़ी संख्या में गणित को करियर के रूप में चुनते हैं। गणित लगभग सभी वैज्ञानिक अध्ययनों का एक अनिवार्य अंग है। वैज्ञानिक गणित का उपयोग प्रयोगों की रूपरेखा बनाने, सूचना का विश्लेषण करने, गणित के सिद्धांतों द्वारा अपने निष्कर्ष उचित रूप में व्यक्त करने तथा इन निष्कर्षों के आधार पर सटीक भविष्यवाणी करने के लिए करते हैं। खगोल विज्ञान, रसायन विज्ञान तथा भौतिक विज्ञान जैसे विषय तो गणित पर ही निर्भर हैं। सामाजिक विज्ञान, अर्थशास्त्र, सांख्यिकी, इंजीनियरिंग आदि भी गणित की ही शाखाओं पर निर्भर होते हैं।

भारत में 135 से भी अधिक विश्वविद्यालय गणित से जुड़े कोर्स चलाते हैं। कुछ विश्वविद्यालय शुद्ध गणित (प्योर मैथमेटिक्स) व अनुप्रयुक्त गणित (अप्लायड मैथमेटिक्स) में विशेषज्ञता प्रदान करते हैं। आप कुछ स्थानों पर चलाए जाने वाले एकीकृत एमएससी पीएचडी डिग्री कोर्स के लिए भी आवेदन कर सकते हैं। यूं देश में स्नातक स्तर पर गणित की शिक्षा देने वाले दो विश्व स्तरीय संस्थान हैं भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई), बेंगलुरू तथा चेन्नाई गणित संस्थान (सीएमआई), चेन्नाई।

आईएसआई से गणित व कम्प्यूटर विज्ञान में बी. मैथ्स डिग्री तथा सीएमआई से गणित की बीएससी डिग्री की जा सकती है। इनमें प्रवेश प्रत्येक वर्ष मई के अंत में देश के विभिन्ना केंद्रों पर आयोजित की जाने वाली एक लिखित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। ये दोनों संस्थान ऐसे विद्यार्थियों को भी अपने यहां प्रवेश देते हैं, जो इंडियन नेशनल मैथमेटिकल ओलिंपियाड (आईएनएमओ) में पास होते हैं या किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना (केवीपीवाई) अध्येता होते हैं। गणित में विशेषज्ञतापूर्ण कोर्स चलाने वाले देश के अन्य प्रमुख संस्थान इस प्रकार है –

- औद्योगिक गणित में पाठ्यक्रम पुणे विश्वविद्यालय, पुणे में उपलब्ध है।
- न्यूमेरिकल मैथमेटिक्स पाठ्यक्रम मदुरै कामराज विश्ववि‍लय, मदुरै में उपलब्ध है।
- गणितीय अर्थशास्त्र में पाठ्यक्रम देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर में उपलब्ध है।
- इसके अलावा एमएससी व पीएचडी कोर्स के लिए देश के प्रमुख संस्थान इस प्रकार हैं –
- टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर), मुंबई। लिखित परीक्षा तथा उसके बाद साक्षात्कार के माध्यम से इस संस्थान के पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाता है।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर), पुणे/ मोहाली/ कोलकाता/ तिरुवनंतपुरम/ भोपाल तथा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (एनआईएसईआर), भुवनेश्वर में भी गणित में एकीकृत एमएससी डिग्री कोर्स उपलब्ध है। आईआईएसईआर विद्यार्थियों को आईआईटी प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश देता है, जबकि एनआईएसईआर नेशनल एंट्रेंस स्क्रीनिंग टेस्ट (एनईएसटी) के माध्यम से प्रवेश देता है।
- हैदराबाद विश्ववि‍लय द्वारा गणित में एकीकृत एमएससी पाठ्यक्रम चलाया जाता है। यह विश्वविद्यालय जून के आरंभ में आयोजित की जाने वाली लिखित परीक्षा के माध्यम से प्रवेश देता है।

## विषय एक संभावनाएं अनेक

गणित तथा इससे जुड़े प्रमुख करियर इस प्रकार हैं

### गणितज्ञ

गणितज्ञों को गणित का अध्ययन अथवा अनुसंधान करना होता है। वे गणित के अनसुलझे रहस्यों को उजागर करने का प्रयास करते हैं।

### शिक्षण

गणित के शिक्षकों की मांग कल भी थी, आज भी है और भविष्य में भी रहेगी। गणित पूरी स्कूली शिक्षा में एक मुख्य विषय होता है। यदि आपमें संख्याओं के प्रति गहरा आकर्षण है और विद्यार्थियों को पढ़ाने में आपकी रुचि है, तो आप शिक्षण के क्षेत्र में भी करियर बना सकते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाले गणितज्ञों का अध्यापन तथा अनुसंधान में खास योगदान होता है।

### सॉफ्टवेयर इंजीनियर

भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की न केवल भारत में बल्कि विश्व भर में धूम मची हुई है। वैश्विक आईटी इंडस्ट्री भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियरों को रोजगार देने के लिए बाहें फैलाए खड़ी है। सॉफ्टवेयर इंजीनियर सॉफ्टवेयर के प्रयोग तथा उनकी प्रणाली का सृजन, परीक्षण, विश्लेषण व मूल्यांकन करने के लिए कम्प्यूटर विज्ञान और गणितीय विश्लेषण के सिद्धांतों को कार्यान्वित करते हैं।

### बैंकिंग

वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के चलते बैंक तेजी से अपनी शाखाएं बढ़ा रहे हैं, जिससे इस क्षेत्र में रोजगार के हजारों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। गणित में महारथ रखने वाले युवा बैंकिंग के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर सकते हैं।

### चार्टर्ड अकाउंटेंट

उदारीकरण के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था के तीव्र विकास के चलते अकाउंट्स तथा फाइनेंस के क्षेत्र में करियर ने खूब लोकप्रियता अर्जित की है। इस क्षेत्र में चार्टर्ड अकाउंटेंट का एक अत्यधिक प्रतिष्ठित करियर विकल्प है। मैथ्स व कॉमर्स में रुचि रखने वाले युवा इस क्षेत्र में बढ़िया करियर बना सकते हैं।

### कम्प्यूटर सिस्टम्स एनालिस्ट

कम्प्यूटर सिस्टम्स एनालिस्ट के लिए सॉफ्टवेयर, अनुसंधान, शिक्षा, सिक्यूरिटी, बैंकिंग, अर्थशास्त्र, इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर विज्ञान, भौतिकी, तकनीकी शाखाओं आदि में रोजगार के ढेरों अवसर हैं। अधिकांश सिस्टम्स एनालिस्ट लागत–लाभ व निवेश पर मुनाफा का विश्लेषण तैयार करने के लिए विशिष्ट प्रकार की कम्प्यूटर प्रणालियों पर कार्य करते हैं और मैनेजरों को यह निर्णय लेने में सहायता करते हैं कि या प्रस्तावित टेक्नोलॉजी वित्तीय दृष्टि से कारगर होगी या नहीं।

## गुजरात में 'शुद्धिकरण', दिल्ली में सप्लाई, 5000 करोड़ की कोकीन बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में आपूर्ति करने से पहले शुद्धिकरण के लिए दक्षिण अमेरिकी देशों से लगभग 1,300 किलोग्राम दवाएं गुजरात की एक दवा कंपनी में लाई गईं थीं। दिल्ली और गुजरात में नशीली दवाओं के सिलसिलेवार भंडाफोड़ के बीच यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। अधिकारियों के अनुसार, अब तक गुजरात और दिल्ली से 1,289 किलोग्राम कोकीन और 40 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक मारिजुआना बरामद किया गया है, जिसकी कीमत 13,000 करोड़ रुपये से अधिक है, जिसमें नवीनतम कम से कम 518 किलोग्राम कोकीन की बरामदगी है, जिसकी कीमत लगभग 5000 करोड़ रुपये है। यह बरामदगी गुजरात और दिल्ली पुलिस के संयुक्त अभियान के बाद की गई, इस दौरान पांच लोगों को गिरफ्तार भी किया गया। अधिकारियों ने कहा कि नई बरामदगी दिल्ली में 700 किलोग्राम कोकीन की बरामदगी से जुड़ी है। गुजरात के अंकलेश्वर में अवकार ड्रग्स लिमिटेड कंपनी से कोकीन की ताजा बरामदगी के एक दिन बाद, दिल्ली पुलिस ने सोमवार को कहा कि दिल्ली भेजे जाने से पहले खेप को रसायनों के साथ मिलाकर परिष्कृत किया गया था। गुजरात से गिरफ्तार आरोपियों में विजय भेसनिया, अश्वनी रमानी और ब्रिजेश कोठिया शामिल हैं, जो अवकार ड्रग्स लिमिटेड कंपनी के सह-मालिक हैं। अधिकारियों ने बताया कि बाकी दोनों में से मयूर देसाले कंपनी में उत्पादन का काम देख रहे थे, जबकि अमित ने मुख्य आपूर्तिकर्ताओं और दवा कंपनी के मालिकों के बीच मध्यस्थता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

## राजस्थान में डेंगू से अब तक 6 मौंते... दहशत में लोग

जयपुर । राजस्थान में डेंगू का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। इस साल डेंगू से छह लोगों की मौत हो चुकी है। मरने वालों में 14 साल का लड़का भी शामिल है। 14 साल के गिरिराज को अलवर के एक अस्पताल में तेज बुखार के साथ भर्ती किया गया था। मरीज में डेंगू की पुष्टि की गई। हालांकि, दो दिन के उपचार के बाद उसकी हालत में सुधार हुआ और अस?पताल से छुट्टी दे दी गई। वहीं, सोमवार को मरीज की हालत फिर बिगड़ी और अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। जानकारी मिली है कि डेंगू से मरने वाला गिरिराज अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। अब तक राज्य के अलग-अलग हिस्सों में डेंगू से 6 लोगों की मौत हो चुकी है, जिसमें एक आरएएस अधिकारी, एक डॉक्टर, एक नर्सिंग छात्रा और एक व्यापारी शामिल हैं। उदयपुर में आरएएस अधिकारी तारू सुराणा की करीब 17 दिन तक डेंगू का इलाज चलने के बाद 5 अक्टूबर को मौत हो गई।

## बहराइच हिंसा : मृतक के परिजन चाहते हैं सीएम योगी करें इंसाफ, हमें न्याय चाहिए

लखनऊ। बहराइच हिंसा में मारे गए शख्स के परिवार ने सीएम योगी आदित्यनाथ से आरोपियों का एनकाउंटर करने की बात कही। मृतक की पत्नी ने कहा कि जैसे मेरे पति को मारा, वैसे ही उन्हें भी मारा जाए। जब उनसे पूछा गया कि क्या सीएम योगी से न्याय मिलेगा तो उन्होंने कहा कि ये तो हमें जाकर ही पता चलेगा कि न्याय करते हैं या नहीं। हमें तो खून के बदले खून चाहिए। वहीं जब उनसे पूछा गया कि पुलिस ने जो कार्रवाई की है, आप उससे संतुष्ट हैं या नहीं तो इस पर मृतक की पत्नी ने कहा कि हम पुलिस की कार्रवाई से संतुष्ट नहीं हैं। जब तक उन लोगों को सजा नहीं मिलती, हम संतुष्ट नहीं होंगे। वहीं परिवार के एक सदस्य ने कहा कि हमें न्याय मिलना चाहिए। हमने देखा कि उसकी हालत क्या थी। उस दौरान मेरे साथ कोई और नहीं था। न पुलिस और न ही कोई और। पूरी लापरवाही पुलिस की रही। उन्होंने आगे पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रशासन और एसओ की लापरवाही नहीं होती तो कुछ नहीं होता। अगर लाठीचार्ज नहीं होता तो कुछ नहीं होता। हम गिरफ्तारी से संतुष्ट नहीं है। हमें उसका एनकाउंटर चाहिए। मृतक की मां ने कहा कि मेरा बेटा तो चला गया, अब हम क्या करेंगे। हमें बस न्याय मिलना चाहिए। वहीं मृतक के भाई ने कहा कि सीएम योगी से मिलने जा रहे हैं, उनको पूरी बात बताएंगे। हम पुलिस की कार्रवाई से खुश नहीं हैं। पुलिसवालों की लापरवाही का ही ये नतीजा है। मै वहीं मौजूद था जब हत्या हुई थी। हमें न्याच चाहिए।

## इस साल शरद पूर्णिमा पर ध्रुव योग में चंद्रमा से अमृत वर्षा

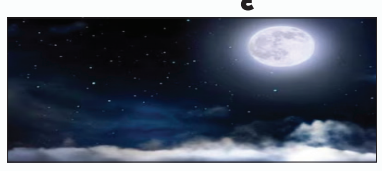

नई दिल्ली । सनातन धर्म में शरद पूर्णिमा का विशेष महत्व है। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा शरद पूर्णिमा होती है। शरद पूर्णिमा व्रत को कौमुदी व्रत, कोजागरी व्रत और रास पूर्णिमा भी कहते है। इस दिन चांद अपनी पूरी 16 कलाओं से युक्त होता है। मान्यता है कि इस चंद्रमा की चांदनी अमृत से युक्त होती है। शास्त्रों के अनुसार, इस दिन मां लक्ष्मी रात्रि में पृथ्वी पर भ्रमण करती हैं और देखती हैं कि कौन जाग रहा है। जो जाग रहा होता है, उन्हें मां सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्रदान करती है। इस साल शरद पूर्णिमा पर ध्रुव योग में चंद्रमा से अमृत वर्षा होगी। ज्योतिषाचार्य एसएस नागपाल के अनुसार, पूर्णिमा तिथि 16 को रात 08:40 बजे पर होगा। आश्विन मास की पूर्णिमा तिथि का समापन 17 अक्टूबर को शाम 04:55 बजे पर होगा। इस दिन चंद्रमा के निकलने का समय शाम 05 बजकर 05 मिनट पर होगा। शरद पूर्णिमा पर ध्रुव योग के साथ उत्तराभाद्र और रेवती नक्षत्र का संयोग बन रहा है। इस दिन चंद्रमा मीन राशि में रहेंगे। इस दिन रात में गाय के दूध की खीर बनाकर अर्द्ध रात्रि को भगवान को भोग लगाकर खीर को चांदनी रात में रखा जाता है। मान्यता है कि ऐसा करने से चंद्रमा की किरणों से खीर में अमृत प्राप्त होता है। आधी रात में चंद्रमा को भी अर्घ्य देना चाहिए। पूर्णिमा की चांदनी औषधि गुणों से युक्त होती है। इसमें रखी खीर का सेवन करने से चंद्र ग्रह संबंधी दोष जैसे कफ सर्दी छाती के रोग, मानसिक कष्ट या डिप्रेशन की समस्या और हार्मोनल संबंधी बीमारी में लाभकारी है।

# राजनाथ सिंह ने तेलंगाना में नौसेना रडार स्टेशन की रखी आधारशिला, कही ये बड़ी बात

**हैदराबाद (एजेंसी)।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को जिले के दमगुडेम वन क्षेत्र में भारतीय नौसेना के बहुत कम आवृत्ति (वीएलएफ) रडार स्टेशन की आधारशिला रखी। उन्होंने इस दौरान कहा कि नौसेना के वीएलएफ स्टेशन में जब परिचालन शुरू हो जाएगा तो यह समुद्री बलों के लिए महत्वपूर्ण होगा। यह देश में नौसेना का दूसरा वीएलएफ संचार ट्रांसमिशन स्टेशन है। तेलंगाना सरकार की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि तमिलनाडु के तिरुनेलवेली में आईएनएस कट्टाबोम्मन रडार स्टेशन अपनी तरह का पहला स्टेशन था।

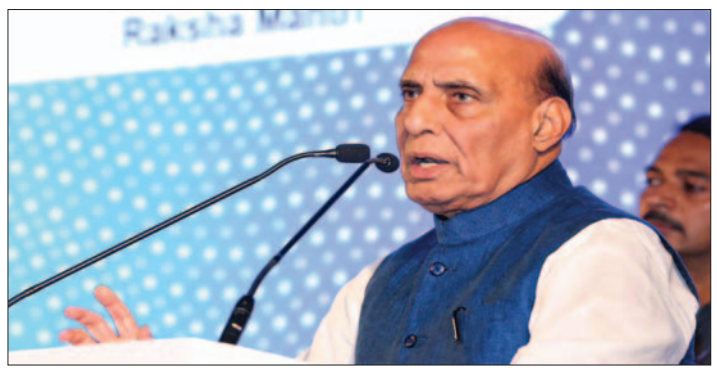

इस अवसर पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, केंद्रीय मंत्री बंदी संजय कुमार और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। राजनाथ ने कहा कि मैं, इस वीएलएफ स्टेशन के निर्माण से जुड़े हुए सभी हितधारक को अपनी ओर से बधाई देता हूँ। इसके साथ ही मैं तेलंगाना सरकार का, विशेषकर तेलंगाना के मुख्यमंत्री, ए रेवंत रेड्डी जी का भी उनके विशेष योगदान के लिए धन्यवाद देता हूं। उन्होंने कहा कि जब यह वीएलएफ स्टेशन अपने निर्माण के बाद कार्यात्मक हो जाएगा तो, यह हमारे समुद्री सेना के लिए अनेक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। मेरी नज़र में, इस प्रकार के उच्च तकनीक बुनियादी ढांचा सिर्फ एक सैन्य प्रतिष्ठान ही नहीं होते, बल्कि इनका रणनीतिक भूमिका इन्हें राष्ट्रीय महत्व का दर्जा देता है।

राजनाथ ने कहा कि चाहे वह साधारण परिस्थिति हो या फिर असाधारण परिस्थिति, हर स्थिति में किसीभी कमांड सेंटर का उससे जुड़े हुए सभी लोगों के बीच सूचना के निर्बाध प्रवाह का होना बहुत जरूरी है। और इस प्रकार के संचार के लिए ऐसे केंद्र बहुत ही महत्वपूर्ण हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि यह एक सुखद संयोग है कि आज भारत के पूर्व राष्ट्रपति डा. एपीजे अब्दुल कलाम की आज जन्म जयंती भी है। डॉ. कलाम ने भारत के डिफेन्स सेक्टर में जो महान योगदान किया है उसे लंबे समय तक याद किया जाएगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि इतिहास भी इस बात का गवाह है, कि जिस भी देश ने दुनिया मेंअपनी विशेष पहचान बनाई, जो शक्तिशाली बने, उन्होंने एक समय में समुद्र पर हावी होना जरूर किया। फ्रांसीसियों, पुर्तगालियों और अंग्रेजों ने समुद्र में अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराई। इस रणनीतिक प्रभुत्व, तथा, संसाधनों की प्रतिस्पर्धा में, अगर भारत को अपना ब्याज सुरक्षित करना है, तो हमारे पास प्लेटफार्म और उपकरण का होना तो जरूरी है ही, उसके साथ-साथ एक संचार प्रणाली का मज़बूत होना भी आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि सरकार भारतीय नौसेना को, लगातार और भी ज्यादा मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, तथा उसके लिए जो भी आवश्यक कदम है, वह उठाने के लिए भी तैयार है। उन्होंने कहा कि जहाँ तक इस प्रोजेक्ट की बात है, तो चाहे इसके निर्माण की बात हो, या फिर इस प्रोजेक्ट के निर्माण के बाद, इसके प्रोजेक्ट की बातहो, हर क्षेत्र में पर्यावरणीय स्थितियाँ का पूरा ध्यान रखा गया है। हमने इस बात का भी ध्यान रखा है, कि इस वीएलएफ स्टेशन के निर्माण के समय, अगर कहीं जरूरत हुई तो, प्रभावित नागरिकों के पुनर्वास की भी व्यवस्था सुनिश्चित करना की जाएगी।

## लगा पटाखे फूट रहे हैं, तभी लोग चिल्लाने लगे फायरिंग हुई, फायरिंग हुई

### -बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में घायल बोला-ऐसा लगा कोई पटाखा पैर के पास फूटा

मुंबई। बाबा सिद्दीकी हत?याकांड के दौरान ही पैर में गोली लगने से घायल हुए युवक राज कनौजिया की स्थिति खतरे से बाहर है। उसने बाबा सिद्दीकी की हत्या पर दुख जताया और वारदात के बारे में बताया कि गोली लगने के बाद अब वह दो महीने तक किसी भी तरह के एक?शन से दूर रहेगा, जिसके चलते अगले साल फरवरी में होने वाली उसकी बहन की शादी में शामिल होना मुश्किल हो जाएगा। कनौजिया का कहना है कि जब गोली चली तो उसे लगा कि पैर के पास आकर कोई पटाखा फूटा है। पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। डॉक्टर्स ने उसकी सर्जरी की है। राज ने बताया कि दशहरा होने के चलते उसकी छुट्टी शाम 5 बजे हो गई थी। वह सिलाई का काम करता है। देव मां के दर्शन करने के लिए वह यहां आया था और दुकान पर खड़े होकर जूस पी रहा था। तभी अचानक वहां भगदड़ मच गई। इसी दौरान राज के पैर में कुछ आकर टकराया। देखा तो उसके पैर से खून निकल रहा था। लोग इधर-उधर भागने लगे। लोग चिल्लाने लगे, फायरिंग हुई है, फायरिंग हुई है। एक पैर पर लंगड़ाते हुए वह किसी तरह मंदिर में पहुंचा। कुछ लोगों ने मुझे अंदर ले गए फिर मुझे अस्पताल ले जाया गया।

## 90 साल का भी हो जाऊंगा तो भी लोगों के लिए काम करता रहूंगा: शरद पवार

**मुंबई (एजेंसी)।** महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का आज ऐलान होना है। चुनाव आयोग दोपहर में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके तारीखों का ऐलान करेगा। इस बीच वरिष्ठ नेता और एनसीपी के शरद पवार ने कहा कि भले ही मेरी उम्र 84 साल है, लेकिन मैं रुकने वाला नहीं। यही नहीं भले ही उम्र 90 साल हो जाए, लेकिन मैं काम करता रहूंगा। शरद पवार ने कहा कि वह महाराष्ट्र को सही रास्ते पर लाकर ही रहेंगे और इसके लिए हर वक्त काम करते रहेंगे। उनका इशारा अजित पवार की ओर था। शरद पवार फिलहाल एनसीपी-(एसपी) के नेता हैं। शरद पवार ने एक कार्यक्रम में महाराष्ट्र सरकार की ओर से घोषित लड़की बहिन योजना पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि बहन तो बारामती में भी थी, लेकिन वहां उसके सामने चुनाव लड़ा गया। यही नहीं उन्होंने कहा कि पहले तो बहन के खिलाफ चुनाव प्रचार हुआ और लड़ाई की गई। इसके बाद जब लोकसभा चुनाव के नतीजे आ गए तो वे बहन को याद करने लगे। शरद पवार ने कहा कि हमारे सामने सवाल है कि आखिर महाराष्ट्र किसके हाथों में रहना चाहिए। यह आम लोगों के हाथ में रहे या फिर किसी और को कमान मिले।

उन्होंने कहा कि आप जब भी

अखबार खोलते हैं तो एक नई स्कीम पढ़ते हैं। कभी यह बहनों के बारे में होती है। हर कोई बहन का सम्मान करता है। उन्होंने कहा कि मजे की बात तो यह है कि बीते दस सालों में बहनों को याद नहीं किया गया। देवेंद्र फडणवीस के समय में पूरे पांच साल बीत गए और बहनों की याद नहीं आई। उनकी याद उस वक्त आई, जब लोकसभा चुनाव में 48 में से 31 सीटें महाविकास अघाड़ी ने जीत लीं। उन्होंने कहा कि आम जनता इन नेताओं से ज्यादा तेज है। बारामती में भी एक बहन सामने थी, लेकिन जनता ने बहन का साथ दिया। इस दौरान शरद पवार ने खुद के डटने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि मैंने 60 सालों से एक भी छुट्टी नहीं ली है। मैंने 14 बार चुनाव लड़ा। 7 बार लोकसभा में उतरा और इतनी ही बार विधानसभा चुनाव लड़ा है। लगातार आप लोगों की सेवा में ही लगा रहता हूं।

## हरियाणा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद बढ़ी रार, सैलजा ने की पड़ताल की मांग

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की अप्रत्याशित हार ने पार्टी में कलह बढ़ा दी है। चुनाव में कुमारी सैलजा और भूपिंदर सिंह हुड्डा के बीच सीधा टकराव था। इसके अलावा तीसरा धड़ा रणदीप सिंह सुरजेवाला का था। अब यह कलह फिर से सतह पर नजर आ रही है। सैलजा ने तो हाईकमान से मांग की है कि संगठन में बदलाव किया जाए। इस तरह फिर से उनका सीधा निशाना भूपिंदर सिंह हुड्डा पर ही है। ऐसा इसलिए क्योंकि प्रदेश अध्यक्ष उदयभान को हुड्डा का ही करीबी माना जाता है।

सिरसा की सांसद ने कहा कि इन नतीजों ने कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को निराश किया है, लेकिन वह हताश नहीं हैं। हाईकमान हार की पड़ताल करेगा। सैलजा का कहना है कि इस हार पर चिंता करने की बजाय पार्टी को उसके कारणों की पड़ताल करना चाहिए और मंथन करना होगा।

उन्होंने संगठन में बदलाव पर जोर दिया और कहा कि बीते 10 सालों में संगठन ठीक से काम नहीं कर रहा है। सैलजा ने कहा कि पार्टी की फैक्ट फाइंडिंग कमेटी कार्यकर्ताओं से बात करेगी और उनकी राय ली जाएगी। यह पूछा जाएगा कि आखिर आप हार के क्या कारण मानते हैं। सैलजा ने कहा रिपोर्ट आने के बाद ही हाईकमान फैसला लेगा। उन्होंने कहा कि हमारी जो हार हुई है, उसका अनुमान तो किसी को भी नहीं था। फिर भी किसी नतीजे तक पहुंचने से पहले हम फीडबैक लेंगे।

वहीं आपसी कलह पर राहुल गांधी के गुस्से वाली खबरों को सैलजा ने खारिज किया है। उन्होंने कहा कि अब तक इस पर उनकी ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। बता दें कि हरियाणा चुनाव की बड़ी वजह कलह को ही माना जा रहा है। चर्चा है कि भूपिंदर सिंह हुड्डा के हाथ में ही चुनाव की पूरी कमान होने से सैलजा और रणदीप सुरजेवाला ने दूरी बना ली।

इसके अलावा कैप्टन अजय सिंह यादव जैसे नेता भी उपेक्षा का आरोप लगा रहे हैं। ऐसे में कुमारी सैलजा की ओर से बदलाव की मांग ने रार को नए सिरे से तेज कर दिया है। बता दें कि सभी

एग्जिट पोल्स में कांग्रेस की जीत की भविष्यवाणी की गई थी लेकिन जब नतीजे आए तो कांग्रेस नेता समेत राजनीतिक पंडित भी हैरान रह गए।

## नेशनल कॉन्फ्रेंस फारुख अबदुल्ला को भेज सकती हैं राज्यसभा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** जम्मू और कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेतृत्व में नई सरकार के शपथ ग्रहण के बाद करीब चार साल बाद चार राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव होगा। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने उमर अब्दुल्ला को 16 अक्टूबर को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के लिए आमंत्रित किया था। सूत्रों के मुताबिक, नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस को तीन राज्यसभा सीटें जीतने की उम्मीद है। गठबंधन ने विधानसभा चुनावों में 90 में से 48 सीटें हासिल कर बहुमत हासिल किया। सीपीआई-एम, आप और पांच निर्दलीय सहित अन्य दल गठबंधन का समर्थन

कर रहे हैं, जिससे कुल मिलाकर संख्या 55 हो गई है। सूत्रों ने बताया कि 29 सीटों के साथ भाजपा को एक राज्यसभा सीट मिल सकती है। उन्होंने बताया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस सुप्रीमो फारूक अब्दुल्ला को राज्यसभा भेज सकती है, जबकि बीजेपी अपने किसी वरिष्ठ नेता को उच्च सदन में भेज सकती है। सूत्रों ने कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री निर्मल सिंह और कविंदर गुप्ता, जिन्हें चुनाव के लिए टिकट नहीं दिया गया था, वे भाजपा के राज्यसभा नामांकन के लिए सबसे आगे हैं।

नेशनल कॉन्फ्रेंस अपने अध्यक्ष और पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला को चार राज्यसभा सीटों में से एक से मैदान में उतारकर संसद भेज सकती है। जम्मू-कश्मीर सरकार में केवल 10 मंत्री हो सकते हैं, जिसमें सीएम भी शामिल हैं। 2024 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने अपने सबसे खराब प्रदर्शन में केवल छह सीटें जीतीं।

## मायावती का ऐलान, महाराष्ट्र और झारखंड में अकेले चुनावी मैदान में उतरेगी बसपा, यूपी में भी बढ़ाई अखिलेश की टेंशन

**लखनऊ (एजेंसी )।** बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी महाराष्ट्र और झारखंड में आगामी राज्य चुनावों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश में नौ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव अपने दम पर लड़ेगी। इसका मतलब साफ है कि मायावती की पार्टी अब किसी से गठबंधन नहीं करने जा रही है। महाराष्ट्र व झारखण्ड में चुनावी तारीखों के ऐलान का स्वागत करते हुए मायावती ने एक्स पर लिखा कि चुनाव जितना कम समय में तथा जितना पाक-साफ अर्थात् धनबल व बाहुबल आदि के अभिशाप से मुक्त हो उतना ही बेहतर, जिसका पूरा दारोमदार चुनाव आयोग पर ही निर्भर है।

इसके साथ ही यूपी की पूर्व सीएम ने कहा कि बीएसपी इन दोनों राज्यों में अकेले ही चुनाव लड़ेगी और यह प्रयास करेगी कि उसके लोग इधर-उधर न भटकें बल्कि पूरी तरह बीएसपी से जुड़कर परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के आत्म-सम्मान व स्वाभिमान कारवाँ के सारथी बनकर शासक वर्ग बनने का अपना मिशनरी प्रयास जारी रखें। इसके बाद मायावती ने अखिलेश यादव की टेंशन उत्तर प्रदेश में बढ़ा दी। उन्होंने कहा कि यूपी में 9 विधानसभा की सीटों पर हो रहे उपचुनाव में भी

बीएसपी अपने उम्मीदवार उतारेगी और यह चुनाव भी अकेले ही अपने बलबूते पर पूरी तैयारी एवं दमदारी के साथ लड़ेगी।

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव एक ही चरण में 20 नवंबर को होंगे। चुनाव आयोग ने मंगलवार को घोषणा की कि झारखंड में 13 और 20 नवंबर को दो चरणों में चुनाव होंगे। उपचुनाव में 13 नवंबर को मतदान होगा। वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी। चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश विधानसभा की 10 रिक्त सीटों में से नौ पर उपचुनाव की घोषणा की। चुनाव याचिका लंबित होने के कारण उसने अयोध्या जिले की मिल्कीपुर सीट पर उपचुनाव की घोषणा नहीं की। लोकसभा चुनाव में विधायकों के सांसद चुने जाने के बाद सीसामऊ को छोड़कर सभी सीटें खाली हो गईं। सीसामऊ में सपा विधायक इरफान सोलंकी को एक आपराधिक मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

## मध्यप्रदेश के ग्वालियर में डेंगू का प्रकोप... 1 हजार पहुंची मरीजों की संख्या

**भोपाल (एजेंसी)।** मध्य प्रदेश में डेंगू धीरे-धीरे फैलता जा रहा है। मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। जहां ग्वालियर में मरीजों का आंकड़ा एक हजार को पार कर चुका है। स्वास्थ्य विभाग और नगरीय निकाय हालात पर काबू पाने सक्रिय हैं। साफ सफाई अभियान से लेकर जमाव वाले पानी की जांच हो रही है। घर-घर सर्वे भी हो रहा है। राज्य के विभिन्न इलाकों में बीते कुछ दिनों में डेंगू के मामलों में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है। ताजा आंकड़े के अनुसार ग्वालियर में 1000 से ज्यादा, भोपाल में 450, इंदौर में 440 और जबलपुर में 325 डेंगू के मामले सामने आए हैं। डेंगू पर नियंत्रण पाने के लिए नगरीय निकाय और स्वास्थ्य विभाग की टीमें सक्रिय हैं। घर-घर सर्वे कर साफ सफाई का अभियान भी चलाए हुए हैं मगर यह कोशिशें नाकाफी साबित हो रही है। उसका कारण भी है क्योंकि फागिंग मशीन हर इलाके में नहीं पहुंच पा रही है, जिससे मच्छरों की संख्या कम नहीं हो पा रही है, वहीं जगह-जगह पानी का जमाव है। यह स्थितियां मच्छरों की संख्या बढ़ाने में मददगार है।

इस स्थिति पर ग्वालियर की उच्च न्यायालय खंडपीठ ने भी चिंता जाहिर की है। खंडपीठ की ओर से निर्देश दिए गए हैं कि ग्वालियर में दलदली खुली भूमि पर जो पानी भरा है उस पानी को खत्म किया जाए, बीमारी को रोकने का एक मजबूत सिस्टम बनाया जाए। इसके साथ ही जो मरीज सामने आते हैं उन्हें

अस्पताल में भर्ती करने के अलावा गंभीर मरीजों को विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में रेफर करने की व्यवस्था की जाए। बीमारी पर नियंत्रण पाने के लिए नियमित सफाई और दवा के छिड़काव के साथ फॉगिंग मशीन का उपयोग करना जरूरी है।

जबलपुर के मलेरिया विभाग के अधिकारी का कहना है कि आमतौर पर सितंबर में डेंगू का असर कम होता है मगर इस बार बारिश का सिलसिला ज्यादा दिन चला है, ऐसी स्थिति में सतर्क रहने की जरूरत ज्यादा है। जबलपुर में ही पिछले साल के मुकाबले इस बार डेंगू के मरीज दोगुने से ज्यादा सामने आए हैं। आने वाले दिनों में मरीजों संख्या ज्यादा न बढ़े इसके लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं।

# तमिलनाडु के कई हिस्सों में बारिश, वर्षाजनित घटनाओं में चार की मौत

**चेन्नई (एजेंसी)।** दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने कम दबाव का क्षेत्र अभी उसी क्षेत्र में बना हुआ है और कल उत्तरी तमिलनाडु की ओर बढ़ने की संभावना है।

वहीं कल शाम से चेन्नई शहर और उपनगरों सहित तमिलनाडु के कई हिस्सों में छिटपुट से लेकर भारी बारिश हुई और कल शाम से राज्य में बारिश से संबंधित घटनाओं में चार लोगों की मौत हुयी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ये मौतें बिजली गिरने और दीवार गिरने के कारण हुईं और राज्य सरकार ने सोमवार देर रात ही पीड़ितों के लिए मुआवजे की घोषणा की।

मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार सुबह कहा कि इस प्रणाली पश्चिम-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है और आज तक दक्षिण बंगाल की खाड़ी के मध्य भागों में एक स्पष्ट रूप से चिह्नित कम दबाव का क्षेत्र बन जाएगा। इसके बाद इसमें तब्दीली होने और उत्तर तमिलनाडु, पुडुचेरी और इससे सटे दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटों की ओर पश्चिम-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है। इसके प्रभाव में तमिलनाडु और पुडुचेरी में आज अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होगी, जबकि कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होगी, जिससे तमिलनाडु और दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत में उत्तर-पूर्वी मानसून के आगमन का मार्ग प्रशस्त होगा।

मौसम विभाग के अनुसार कि बुधवार को तमिलनाडु और पुडुचेरी में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश और उत्तर तमिलनाडु में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है। वहीं, 17 अक्टूबर को आंतरिक तमिलनाडु में अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम स्तर की बारिश और कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन (जिन्होंने मौसम कार्यालय द्वारा विभिन्न पूर्वानुमान मॉडलों के आधार पर आज भारी बारिश और कल 20 सेमी से अधिक अत्यधिक भारी वर्षा की भविष्यवाणी के बाद मानसून की तैयारियों की समीक्षा की) ने आज चेन्नई और तीन आसपास के जिलों में सभी स्कूलों और कॉलेजों के लिए अवकाश घोषित किया है और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) फर्मों को अपने कर्मचारियों को घर से काम करने के लिए कहने का निर्देश दिया है। भारी बारिश के पूर्वानुमान के मद्देनजर संबंधित कलेक्टरों द्वारा कुड्डालोर, विल्लुपुरम और अन्य जिलों में स्कूलों और कॉलेजों के लिए भी छुट्टियां घोषित की गईं। श्री स्टालिन ने चेन्नई, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम और चेंगलपट्टू जिलों में किए गए एहतियाती इंतजामों की भी समीक्षा की इन जिलों में आज के लिए ऑरेंज अलर्ट और तीन अन्य जिलों के साथ कल के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। उत्तरी तमिलनाडु और आंतरिक जिलों सहित राज्य के कुल 15 जिलों में आज भारी बारिश होने की संभावना है। इस बीच, चेन्नई क्षेत्रीय मौसम निदेशक एस. बालचंद्रन ने कहा कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने लोगों से सुरक्षित रहने की अपील की है, क्योंकि पूरे राज्य के लिए रेड अलर्ट जारी नहीं किया गया है। चेन्नई और पड़ोसी जिलों सहित उत्तरी तमिलनाडु के तटों पर भारी बारिश होगी।

कुछ जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है, क्योंकि आज भारी बारिश और कल अत्यधिक बारिश की

संभावना है। इस बीच, मध्य क्षेत्र सहित तमिलनाडु के कई हिस्सों में कल शाम से छिटपुट से लेकर व्यापक स्तर पर बारिश हुई, जिससे मुख्य सड़कों पर बारिश का पानी जमा हो गया। चेन्नई शहर और उपनगरों में भी कल रात से छिटपुट बारिश हुई और पूरी सरकारी मशीनरी तथा ग्रेटर चेन्नई कॉरपोरेशन के अधिकारियों ने बारिश के कहर से निपटने के लिए सभी एहतियाती इंतजाम किए हैं।

## बेहतर वित्तीय यात्रा के लिए दिवाली से लें सीख, निवेश को अनुष्ठान की तरह आदत बनाएं

**नई दिल्ली, एजेंसी।** हर साल देशभर में हर किसी को सबसे बड़े त्योहार दिवाली का इंतजार रहता है। यह एक ऐसा अवसर होता है, जो लोगों को इसके लिए महीनों पहले से तैयारी करने पर मजबूर कर देता है। रोशनी का त्योहार समृद्धि के बारे में तो है ही, यह कुछ वित्तीय सबक लेने का अवसर भी है। अधिकांश घर दिवाली से ठीक पहले सफाई में लग जाते हैं, कई लोग इसे रंगवाने के अलावा मरम्मत भी कराते हैं। दिवाली की तैयारी बिल्कुल वैसे ही की जाती है, जैसे आप पर्सनल फाइनेंस के लिए करते हैं। बचत या निवेश के बारे में सोचने से पहले आप यह सोचें कि अपने फाइनेंस से भविष्य में क्या उम्मीद करते हैं। इसका अर्थ यह है कि भविष्य के लिए अपने वित्तीय लक्ष्य बनाएं। इनमें कम और लंबे समय के लक्ष्य शामिल होने चाहिए। अल्पावधि में नए साल की छुट्टियों की योजना और सेवानिवृत्ति व लंबी अवधि में कर्ज मुक्त होने जैसी चीजें शामिल होनी चाहिए। सुनिश्चित करें कि हर लक्ष्य से मेल खाने के लिए स्पष्ट समय और राशि आपके पास है। यदि आपके पास बचत है तो यह बैंक और अन्य प्रकार के जमा में होनी चाहिए। निवेश भी विभिन्न प्रकार के साधनों में होना चाहिए। इनमें म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार भी हो सकते हैं। यह सुनिश्चित करें कि पैसे को ऐसे साधनों में लगाए हैं जो आपके निवेश उद्देश्य के साथ आपके द्वारा उठाए जा सकने वाले जोखिम से मेल खाते हों। दिवाली का एक पहलू लक्ष्मी पूजा है। इस पर अक्सर कम चर्चा होती है, लेकिन हर कोई समृद्धि के लिए इसका पालन करता है। पूजा के लिए शाम का समय होता है जिसका पालन किया जाता है और जो सही समय पर ही होता है। आप भी सही समय का इंतजार करें।

## ओला इलेक्ट्रिक के खिलाफ ट्राई की कार्रवाई, कीमतों में कटौती से सब्सिडी पर संकट

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय इलेक्ट्रिक दोपहिया बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी ओला इलेक्ट्रिक के खिलाफ नई नियामकीय कार्रवाई हो रही है। इसके तहत ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने कंपनी द्वारा अचानक कीमत घटाए जाने पर चिंता जताई है।

कीमत में कटौती- ओला इलेक्ट्रिक ने अपनी बॉस सेल के तहत एस1 एक्स 2 केडब्ल्यूएच मॉडल की कीमत 74,999 रुपए से घटाकर 49,999 रुपए कर दी है।

एआरएआई की चिंता- एआरएआई ने ओला को 8 अक्टूबर को भेजे गए एक मेल में मूल्य में कटौती के बारे में सूचित न किए जाने को लेकर चिंता व्यक्त की है। इस तरह की चूक पीएम इलेक्ट्रिक ड्राइव योजना के तहत सब्सिडी पाने की पात्रता को प्रभावित कर सकती है।

ओला ने एआरएआई को अपने मॉडल की एक्स-फैक्ट्री कीमत 75,001 रुपए बताई है, जिसके आधार पर 10,000 रुपए की सब्सिडी का प्रमाण पत्र दिया गया है।

यदि कीमत 49,999 रुपए कर दी जाती है, तो सब्सिडी घटकर 7,500 रुपए रह जाएगी, क्योंकि 15 फीसदी की सीमा कम एक्स-फैक्टरी कीमत पर लागू होती है।

# पर्ल ग्रुप की पोंजी स्कैम के निवेशकों के चेहरे पर खुशी आई

**▶▶ ईडी ने निवेशकों की रकम वापस करने का अभियान शुरू किया है ▶▶ यह पोंजी स्कैम करीब 50 हजार करोड़ रुपये का है**

**नई दिल्ली, एजेंसी।** 50 हजार करोड़ रुपये के पर्ल ग्रुप पोंजी स्कैम मामले में अब 10 साल बाद निवेशकों के चेहरे पर खुशी लौटनी शुरू हो गई है। इस स्कीम में फंसे करीब 6 करोड़ निवेशकों को प्रवर्तन निदेशालय ने उनकी धनराशि वापस करने के लिए अभियान शुरू किया है।

ईडी ने कहा कि उसने पर्ल एग्रो ग्रुप की 700 करोड़ रुपये की कुर्क की गई संपत्तियों की डिटेल जस्टिस लोढ़ा कमिटी के साथ शेयर की है। लोढ़ा कमिटी का गठन सुप्रीम कोर्ट ने किया था। यह कमिटी जब्त की गई संपत्तियों के निपटान और पीड़ितों को धनराशि वापस करने का काम करती है।

### सेबी ने लगाया था बैन

पर्ल एग्रो ग्रुप ने 18 वर्षों में 59 मिलियन (5.9 करोड़) निवेशकों से 49,100 करोड़ रुपये लिए थे। यह रकम अवैध रूप से ली गई थी। सेबी ने इस ग्रुप पर इस प्रकार से पैसा इकट्ठा करने को लेकर बैन लगा दिया था। इस मामले की जांच एक दशक पहले उस समय शुरू हुई थी जब सीबीआई ने फरवरी 2014 में पहली बार एफआईआर दर्ज की थी। ईडी की जांच में पता चला कि पर्ल ग्रुप के प्रमोटरों ने एक पोंजी स्कीम शुरू की थी। इसमें उन्होंने निवेशकों को प्लॉट आवंटित करने का वादा किया था। हालांकि, रिटर्न देने के बजाय प्रमोटरों ने कोलकाता में रजिस्टर्ड फर्जी संस्थाओं को धनराशि ट्रांसफर कर दी। फिर इन कंपनियों से नकदी के रूप में पैसा निकाला गया और हवाला चैनलों का उपयोग करके दुबई भेजा गया। इसके बाद इन पैसे को होटल और रिजॉर्ट खरीदने के लिए कई देशों में निवेश किया गया।

जांच में पता चला कि ऑस्ट्रेलिया में संपत्ति खरीदने में बड़ा निवेश किया गया था। 2018 में श्वष्ठ ने पीएसीएल और उसके प्रमोटर निर्मल सिंह भंगू की ऑस्ट्रेलिया में 462 करोड़ रुपये की दो संपत्तियां जब्त कीं। चार साल बाद भारत में भंगू के ग्रुप की संस्थाओं और सहयोगियों से जुड़ी 244 करोड़ रुपये की और संपत्तियां जब्त की गईं। इस मामले की जांच अभी भी जारी है।

### कई राज्यों में हुई तलाशी

पिछले हफ्ते ईडी ने इस राशि का पता लगाने के लिए दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, महाराष्ट्र, तेलंगाना, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, राजस्थान और उत्तराखंड में 44 स्थानों पर तलाशी ली। हमारे सहयोगी टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक श्वष्ठ ने गुरुग्राम में स्त्रस्र ग्रुप के प्रोजेक्ट स्त्रस्र पर्ल, स्त्रस्र सिटी, स्त्रस्र प्राइम के घर खरीदारों को पहले लॉट में 78 फ्लैट लौटाना शुरू कर दिया है, जिनकी कीमत 20 करोड़ रुपये से अधिक है।

## लाखों का पैकेज छोड़ा, मॉडलिंग... फिर शुरू किया देसी काम, अब करोड़ों की कमाई

**नई दिल्ली-** बिहार की आस्था सिंह ने 18 लाख की नौकरी छोड़कर किसानों की जिंदगी बदलने का बीड़ा उठाया है। मॉडलिंग को अलविदा कहकर उन्होंने ग्रामश्री किसान नाम से अपना कारोबार शुरू किया। यह आज 3 करोड़ रुपये के सालाना टर्नओवर तक पहुंच गया है। आस्था बिहार के किसानों को खेती, पशुपालन और मछली पालन का प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बना रही हैं। आइए, यहां उनकी सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

आस्था सिंह पटना की रहने वाली हैं। उनकी शादी साल 2010 में हुई थी। पति विवेक कुमार रेलवे में इंजीनियर हैं। 12वीं के बाद से ही आस्था ने पढ़ाई के साथ मॉडलिंग भी शुरू कर दी थी। पुणे से इंजीनियरिंग करने के बाद उन्होंने एमबीए किया। इसके बाद कई नामी कंपनियों में काम किया। ओयो में सिटी हेड के पद पर रहते हुए उन्हें 18 लाख रुपये सालाना का पैकेज मिलता था। इससे पहले आस्था भारती इंफ्राटेल लिमिटेड में एनर्जी मैनेजर और टाटा टेलीसर्विसेज में इंजीनियर रह चुकी थीं। साल 2019 में उन्होंने बिहार सरकार के पशु और मत्स्य संसाधन विभाग में प्रोजेक्ट यूनिट कंसल्टेंट का पद संभाला।

मुंबई में फोटोशूट के बाद आस्था का चयन मॉडलिंग प्रतियोगिता के लिए भी हुआ। लेकिन, परिवार की रजामंदी न मिलने के कारण आस्था फिलीपींस नहीं जा सकीं। इसके बाद उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया। फरि आस्था ने किसानों की जिंदगी बदलने का दृढ़ निश्चय किया। जून 2019 में उन्होंने ग्रामश्री किसान की शुरुआत की। उन्होंने सबसे पहले एक यूट्यूब चैनल शुरू किया। यहां खेती-बाड़ी और पशुपालन से जुड़े वीडियो अपलोड किए। साल 2020 में उनका मोबाइल एप लॉन्च हुआ। 2021 में पटना में ग्रामश्री किसान का पहला सेंटर खोला गया। आज ग्रामश्री किसान के बिहार के 26 ब्लॉक में सेंटर हैं। इससे 6 हजार से ज्यादा किसान जुड़े हुए हैं। पटना स्थित ग्रामश्री किसान का सेंटर 3 एकड़ में फैला हुआ है। यहां किसानों को बकरी, गाय, मुर्गी और मछली पालन का प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण के दौरान रहने, खाने और आने-जाने की सुविधा मुफ्त दी जाती है। इसके अलावा, किसानों को पशुओं का चारा, दाना और बाजार उपलब्ध कराने में भी मदद की जाती है। ग्रामश्री किसान के पोल्ट्री फार्म में 1000 मुर्गियां हैं, जबकि शुरुआत सिर्फ 100 मुर्गियों से हुई थी। इसी तरह, 2 गायों से शुरू हुआ आस्था का डेयरी फार्म आज 10 गायों वाला बन चुका है। आस्था के सेंटर में 50 बकरियां भी हैं। ग्रामश्री किसान को भारत और बिहार सरकार से मान्यता प्राप्त है। इस व्यवसाय को शुरू करने के लिए उन्होंने अपनी 27 लाख रुपये की जमा पूंजी लगाई थी। उनकी पार्टनर फर्म ने 30 लाख रुपये का निवेश किया। इसके अलावा, बिहार सरकार की स्टार्टअप पॉलिसी के तहत 10 लाख रुपये और भारत सरकार से 24 लाख रुपये की ग्रांट मिली।

## 11 साल में तीन गुना से भी ज्यादा बढ़ गया अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड का बाजार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** जीवन के आधुनिक होने के बीच लोगों की भागदौड़ भी बढ़ गई है। इस बीच घरों में प्रोसेस्ड और अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड का दिनचर्या में कैसे घुसपैठ हो गई है, इसका पता ही नहीं चला है। यदि आप भी इसके आदि हैं, तो इससे तौबा कर लें। क्योंकि इससे न सिर्फ आपके घर का बजट बिगड़ रहा है बल्कि आपको खतरनाक बीमारियों के बीच भी धकेल रहा है। अभी एक रिपोर्ट आई है कि डायबिटीज के लगातार बढ़ते मामलों कसा सीधा संबंध अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड से है। लेकिन इसका बाजार है कि बढ़ ही रहा है। साल 2022 में तो इसका बाजार बढ़ कर 2500 करोड़ रुपये के पार चला गया है।

इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फूड साइंसेज एंड न्यूट्रिशन में प्रकाशित एक नए अध्ययन से पता चलता है कि डीप फ्राई, बेक्ड और ग्रिल किए गए अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ एडवांस्ड ग्लाइकेशन एंड प्रोडक्ट्स (एजीई) से भरपूर होते हैं। यह सूजन का कारण बनते हैं और डायबिटीज सहित कई बीमारियों का खतरा पैदा करते हैं। चेन्नई स्थित मद्रास डायबिटीज रिसर्च फाउंडेशन (एमडीआरएफ) के डायबिटीज विशेषज्ञ डॉ. वी. मोहन के हवाले से न्यूज एजेंसी आईएएनएस ने खबर दी है कि भारत में डायबिटीज से पीड़ित लोगों की संख्या 101 मिलियन है। साथ ही 5 से 19 वर्ष की आयु के 10 प्रतिशत से अधिक बच्चे प्री-डायबिटिक हैं। इनमें से अधिकतर का कारण अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड है।

भारत में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड का बाजार तेजी से बढ़ रहा है। इंडियन काउंसिल फोर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल इकॉनोमिक रिलेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार साल 2011 में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड का बाजार 723 अरब रुपये का था। यह 2016 में करीब दूना होकर 1,488 करोड़ रुपये का हो गया। साल 2021 में तो यह बार तीन गुने से भी ज्यादा बढ़ कर 2,535 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इस साल कुल प्रोसेस्ड फूड का बाजार तो बढ़ कर 6,000 करोड़ रुपये के भी पार चला गया। अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड्स को कई श्रेणियों में विभाजित किया जाता है। इसमें चॉकलेट और शुगर कंफेक्शनरी, साल्टी स्नैक्स, बीवरेजेज, रेडीमेड और कंवीनिएंस फूड्स और ब्रेकफास्ट सीरियल्स शामिल हैं। देखा जाए तो इस समय भारतीय परिवारों में व्हाइट ब्रेड, स्वीटेंड ब्रेकफास्ट सीरियल्स, फ्रॉजन फूड, एनर्जी ड्रिंक, फ्लेवर्ड पोटेटो चिप्स, सोडा, फ्लेवर्ड कैंडी बार, ब्लेंडेड कॉफी ड्रिंक, फ्रायड चिकन, मेस्ड पोटैटो फ्लेक्स आदि का सेवन खूब बढ़ रहा है। ये सभी अल्ट्रा प्रोसेड फूड ही हैं। डॉ. मोहन बताते हैं जब हम खाद्य पदार्थों को तलते या ग्रिल करते हैं तो इससे ऑक्सीडेटिव पैदा होता है जो सूजन को बढ़ावा देता है। शरीर में पुरानी सूजन मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और यहां तक कि कुछ प्रकार के कैंसर से जुड़ी होती है। अत्यधिक ट्रांस वसा वाले फूड स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं।

## टमाटर, प्याज और आलू ने बिगाड़ा बजट, आसमान पर पहुंची कीमतें

**नई दिल्ली, एजेंसी।** नवरात्रि खत्म होने के बाद भी टमाटर, प्याज और आलू की कीमतों में कमी नहीं आई है। इन्होंने आम आदमी के घर का बजट पूरी तरह बिगाड़ दिया है। खुदरा बाजार में जहां आलू 40 रुपये किलो मिल रहा है तो वहीं टमाटर की कीमत 100 रुपये प्रति किलो पार पहुंच गई है। प्याज के दाम भी 60 रुपये किलो पर हैं। ऐसे में इन तीनों सब्जियों ने ही देश की महंगाई को प्रभावित कर दिया है।

टमाटर, प्याज और आलू की वजह से महंगाई दर में भी इजाफा हुआ है। नीति निर्माताओं के लिए खाद्य पदार्थों की बढ़ाई महंगाई एक चुनौती रही है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी 45.9 प्रतिशत। बता दें कि आपूर्ति संबंधी झटके समग्र खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़ों को प्रभावित करते हैं। हाल के महीनों में टीओपी की कीमतों में काफी उछाल आया है। खुदरा खाद्य और पेय पदार्थों में टीओपी की हिस्सेदारी 4.8 प्रतिशत और ओवरऑल सीपीआई में 2.2 प्रतिशत है, लेकिन उनकी कीमतों में उतार-चढ़ाव खुदरा मुद्रास्फीति को प्रभावित करता है।

इनकी कीमतें बढ़ने के कई कारण हैं। पहला मौसम, भंडारण की समस्याएं और तीसरा आपूर्ति संबंधी समस्याएं। कई बार मौसम की मार के कारण इनकी फसल प्रभावित होती है। इससे ये जल्दी खराब हो जाते हैं। वहीं दूसरी ओर कोल्ड स्टोर की कमी और दूसरे कारण से इनका भंडारण सही नहीं हो पाता। ऐसे में ये जल्दी खराब हो जाते हैं। वहीं फसल होने के बाद इनकी आपूर्ति को लेकर भी कई बार समस्याएं होती हैं।

### सप्लाई चेन का बड़ा असर

इन सब्जियों की सप्लाई चेन में गड़बड़ी भी कीमतों में उतार-चढ़ाव का एक महत्वपूर्ण कारक है। स्टडी में पता चला है कि जिस मौसम में इनकी पैदावार कम होती है, उस समय इनकी कीमत बढ़ जाती है। वहीं जिस मौसम में पैदावार ज्यादा होती है, उस समय कीमत कम होती है। कई बार किसानों को अपनी फसल फेंकनी भी पड़ जाती है क्योंकि इन्हें खरीदने वाला कोई नहीं होता। उतार-चढ़ाव वाली मांग-आपूर्ति के कारण भी कीमतों पर असर पड़ता है।

### भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक

रिजर्व बैंक की रिपोर्ट बताती है कि टमाटर, प्याज और आलू के प्रोडक्शन में तेजी से वृद्धि हुई है। साल 2022-23 में टमाटर का प्रोडक्शन 20.4 मिलियन मीट्रिक टन , प्याज का प्रोडक्शन 30.2 एमएमटी और आलू का प्रोडक्शन 60.1 एमएमटी होने का अनुमान है। भारत अब दुनिया में टमाटर और आलू का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। इसने दुनिया में प्याज के सबसे बड़े उत्पादक के रूप में चीन को भी पीछे छोड़ दिया है और 2022 में वैश्विक उत्पादन में 28.6 प्रतिशत का योगदान दिया है।

### क्या अब कीमत कम होगी

सब्जी विक्रेताओं के मुताबिक अगले कुछ दिनों में टमाटर की कीमत कम हो सकती है। 100 रुपये किलो पार कर चुका टमाटर 50 से 60 रुपये प्रति किलो पर आ सकता है। वहीं प्याज और आलू की कीमत में भी गिरावट देखने को मिलेगी। इसका कारण है कि बाजार में आलू और टमाटर की नई फसल आनी शुरू होगी।

## करन जौहर की धर्मा प्रोडक्शन में हिस्सेदारी लेगी रिलायंस

**मुंबई एजेंसी।** दोस्ताना, अग्निपथ, कुछ कुछ होता है, कभी खुशी कभी गम, कल हो ना हो, कभी अलविदा ना कहना, माई नेम इज खान, ये जवानी है दीवानी, टू स्टेट्स, बदरीनाथ की दुलहनिया, राजी, रॉकी और रानी की प्रेम कहानी...। ये कुछ फिल्में हैं, जिनमें एक समानता है। ये फिल्में एक ही प्रोडक्शन हाउस ने बनाई है। यह है धर्मा प्रोडक्शंस। अब खबर आई है कि देश के सबसे अमीर मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस धर्मा प्रोडक्शंस में हिस्सेदारी खरीद सकती है।

हमारे सहयोगी ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक रिलायंस इंडस्ट्रीज बॉलीवुड निर्माता और निर्देशक करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस में हिस्सेदारी खरीदने के लिए बातचीत कर रही है। माना जा रहा है कि इस सौदे से ऑयल से लेकर टेलीकॉम सेक्टर में कारोबार करने वाली इस कंपनी की भारतीय कंटेंट प्रोडक्शन इंडस्ट्री में स्थिति मजबूत होगी। इस सौदे में किसकी कितनी हिस्सेदारी होगी, इसका पता अभी नहीं चल पाया है।

### करन जौहर कोशिश में हैं

इस रिपोर्ट के मुताबिक करण जौहर पिछले कुछ समय से धर्मा में अपनी हिस्सेदारी बेचने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन वैल्यूएशन को लेकर मतभेदों के कारण यह सौदा हो नहीं रहा है। उल्लेखनीय है कि धर्मा में 90.7 प्रतिशत हिस्सेदारी करण जौहर और 9.24 प्रतिशत हिस्सेदारी उनकी मां हीरू की है। इसने अग्निपथ, कुछ कुछ होता है, कभी खुशी कभी गम, कल हो ना हो, कभी अलविदा ना कहना, माई नेम इज खान, ये जवानी है दीवानी, टू स्टेस्ट्स, बदरीनाथ की दुलहनिया, राजी, रॉकी और रानी की प्रेम कहानी समेत कई लोकप्रिय बॉलीवुड फिल्मों का निर्माण किया है।

ऐसा कहा जा रहा है कि हिंदी फिल्म उद्योग के सामने इस समय व्यापक वित्तीय चुनौतियां हैं। फिल्मों का प्रोडक्शन कॉस्ट बढ़ रहा है। थिएटर में दर्शकों की संख्या लगातार घट ही रही है। ऊपर से ओवर-द-टॉप प्लेटफॉर्म की लोकप्रियता बढ़ रही है। इसी कारण उपभोक्ताओं की पसंद में बदलाव शामिल हैं। अतीत में, रिलायंस ने बालाजी में अल्पमत हिस्सेदारी हासिल की थी। धर्मा के साथ भी इसी तरह की व्यवस्था की जा सकती है। संभावित हिस्सेदारी खरीद से रिलायंस के कंटेंट प्रोडक्शन पोर्टफोलियो को बढ़ावा मिलेगा, जिसमें वर्तमान में जियो स्टूडियो, वायकॉम 18 स्टूडियो, कोलोसियम मीडिया और बालाजी में अल्पमत हिस्सेदारी शामिल है। इस बारे में रिलायंस और धर्मा ने श्वञ्ज के सवालों का जवाब नहीं दिया है। पहले बताया गया था कि धर्मा बहुलांश हिस्सेदारी बेचने के लिए उद्यमी संजीव गोयनका द्वारा समर्थित सारेगामा के साथ बातचीत कर रही है। 8 अक्टूबर को बीएसई फाइलिंग में सारेगामा ने कहा कि उसके पास रिपोर्ट करने के लिए कोई महत्वपूर्ण अपडेट नहीं है।

### क्या है धर्मा की आमदनी

धर्मा प्रोडक्शंस ने वित्त वर्ष 23 में राजस्व में लगभग चार गुना वृद्धि दर्ज की, जो पिछले वर्ष के 276 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,040 करोड़ रुपये हो गई। हालांकि, कंपनी के नवीनतम उपलब्ध वित्तीय आंकड़ों के अनुसार, टॉफ़लर से प्राप्त 1,028 करोड़ रुपये के खर्च के कारण शुद्ध लाभ 59 प्रतिशत गिरकर 11 करोड़ रुपये रह गया।

## अस्पताल में इलाज कराना अब और महंगा हुआ

### ऑपरेशन के लिए सर्ज प्राइस के नाम पर काटी जा रही जेब

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अगर कोई शख्स किसी अस्पताल में इलाज कराने जा रहा है तो उसे आम दिनों के मुकाबले ज्यादा पैसा देना पड़ सकता है। दरअसल, काफी अस्पताल मरीजों से सर्ज प्राइस ले रहे हैं। अगर उस अस्पताल में पहले से ज्यादा मरीज भर्ती हैं तो नए मरीज को इलाज के लिए ज्यादा पैसा देना पड़ सकता है। यह ठीक इस प्रकार है जैसे हवाई जहाज की टिकट में होता है।

हवाई जहाज में जैसे-जैसे पैसेंजर की संख्या बढ़ती है, टिकट महंगे होते जाते हैं। यात्रा से एक महीने या इससे पहले टिकट बुक कराने पर सस्ती टिकट मिलती है। अगर आपको कल ही जाना है तो टिकट महंगी हो जाएगी। क्योंकि फ्लाइट में यात्रियों की संख्या बढ़ रही होगी। यही तरीका अस्पताल अपना रहे हैं। इस तरीके से मरीजों के साथ बीमा कंपनियों को भी परेशानी हो रही है।

हेल्थ सेक्टर में एक नया चलन देखने को मिल रहा है। अगर किसी मरीज का कोई ऑपरेशन होना है और ऑपरेशन थिएटर उस समय लगभग भरे हुए हैं तो अस्पताल ऑपरेशन थिएटर के लिए पीक चार्ज या सर्ज चार्ज (एक्स्ट्रा चार्ज) ले रहे हैं।

जैसे-जैसे ऑपरेशन थिएटर भरेंगे, सर्च चार्ज बढ़ता जाएगा। इससे इलाज में अतिरिक्त खर्च आ रहा है। इससे मरीजों और इंश्योरेंस कंपनियों को बढ़ी हुई लागत उठानी पड़ रही है। ऐसे में बीमा कंपनियों जो पहले पूर्वानुमानित लागतों के साथ व्यापक पैकेज पेश करती थीं, अब अनबंडलिंग की पेशकश कर रही हैं। हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी से जुड़े एक अधिकारी के मुताबिक इलाज का खर्च साल-दर-साल बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इसमें महंगाई की दर सामान्य महंगाई की दर के मुकाबले 14 फीसदी से ज्यादा बढ़ रही है। वहीं अस्पताल के ऐसे नए नियम इस इलाज को और महंगा बना रहे हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसे नए नियमों के कारण इलाज के खर्च में करीब 20 फीसदी की तेजी आ रही है। उन्होंने कहा कि यहां तक कि रुटीन प्रोसिजर जैसे लेप्रोस्कोपी या हिस्टेरेक्टोमीज भी अब अस्पतालों के नए नियमों में जुड़ गए हैं। यानी इनमें भी पीक चार्ज लागू हो रहा है।

# हम कुछ खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं होना चाहते, न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से पहले बोले रोहित

**बेंगलुरू (एजेंसी)।** भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने मंगलवार को कहा कि टीम के पास बल्लेबाजों का एक मजबूत समूह है और वह तेज गेंदबाजी में भी इसी तरह का समूह बनाना चाहते हैं जिससे कि चोटों का टीम के संतुलन पर असर नहीं पड़े। रोहित की यह टिप्पणी उस समय आई है जब सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को चोट से उबरने में अधिक समय लग रहा है जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल के कंधे में भी चोट लगी है जिन्हें जिन्हें हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया था।

रोहित ने यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की पूर्व संध्या पर कहा, 'जब बल्लेबाजी की बात आती है तो बहुत सारे विकल्प हैं। हम गेंदबाजी में भी यही करना चाहते हैं। हम बेंच स्ट्रेंथ बनाना चाहते हैं जहां अगर कल किसी को कुछ भी होता है तो हमें चिंता नहीं हो।' उन्होंने कहा, 'हम कुछ खिलाड़ियों पर बहुत अधिक निर्भर नहीं रहना चाहते। ऐसा करना सही नहीं है। हम भविष्य को देखते हुए यह सुनिश्चित करने की कोशिश करना चाहते हैं कि हमें सही खिलाड़ी मिलें।'

यही कारण है कि भारत द्वारा तेज गेंदबाजों मयंक यादव, हर्षित राणा, नितीश कुमार रेड्डी और प्रसिद्ध कृष्णा को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए रिजर्व के रूप में चुना जाना आश्चर्य की बात नहीं थी। हालांकि प्रसिद्ध की टीम के साथ यात्रा राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी से फिटनेस स्वीकृति मिलने पर निर्भर है क्योंकि उन्हें इंदौर में मध्य प्रदेश के खिलाफ कर्नाटक के शुरुआती रणजी ट्रॉफी मैच के दौरान चोट लग गई थी। रोहित ने साथ ही बताया कि भारतीय थिंक टैंक क्यों चाहता था कि ये युवा तेज गेंदबाज सीनियर टीम के साथ रहें।

उन्होंने कहा, 'तो कल अगर हमें लगता है कि वे उस भूमिका (घायल तेज गेंदबाज की जगह) को निभाने के लिए तैयार हैं तो उन्हें इसके लिए तैयार रहना चाहिए। बेशक उन्होंने हमारी घोषणा से पहले कुछ मैच खेले हैं।' रोहित ने कहा, 'उन्होंने दलीप ट्रॉफी, ईरानी ट्रॉफी भी खेली है। इसलिए हम बस यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि उन पर अच्छी तरह से नजर रखी जाए। उनके काम के बोझ का ध्यान रखा जाए।' रोहित ने कहा कि ऐसा कदम उठाना जरूरी है क्योंकि टेस्ट क्रिकेट सफेद गेंद के प्रारूपों की तुलना में बिलकुल अलग खेल है और गेंदबाजों को इससे सामंजस्य बैठाने में समय लगता है।

## टेस्ट क्रिकेट हमेशा अनुकूलनशीलता के बारे में है, यह खेल का शिखर है: अश्विन

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अनुभवी भारतीय स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट की खूबसूरती को फिर से परिभाषित करते हुए इसे खेल का शिखर बताया। उन्होंने सोशल मीडिया एक वीडियो में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट से पूर्व बेंगलुरु में टीम इंडिया के अभ्यास सत्र की झलक दिखाई गई, जिसमें अश्विन की आवाज भी है। स्पिनर ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में, हर रोज खिलाड़ियों को परिस्थितियों के अनुकूल होने और नई रणनीति और दृष्टिकोण के साथ आने की जरूरत होती है।

अश्विन ने वीडियो में कहा, 'देखिए, टेस्ट क्रिकेट हमेशा अनुकूलनशीलता के बारे में है, है न? आप दिन 5 की शुरुआत वैसे नहीं कर सकते जैसे आपने दिन 1 की शुरुआत की थी। हर दिन आपको परिस्थितियों के अनुकूल होने में सक्षम होने की जरूरत होती है। इसलिए वे कहते हैं कि टेस्ट क्रिकेट इस विशेष खेल का शिखर है।'

पिछले महीने बांग्लादेश के खिलाफ 2-0 की क्लीन-स्वीप में अपने प्लेयर ऑफ द सीरीज प्रदर्शन के बाद अश्विन के नाम 527 टेस्ट विकेट हैं। वह बुधवार से न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में वापसी करेंगे, जिसका पहला मैच बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में होगा। न्यूजीलैंड ने आखिरी बार 2021-22 में दो मैचों की सीरीज के लिए भारत का दौरा किया था, जिसे मेजबान टीम ने 1-0 से जीता था।

भारत वर्तमान में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) स्टैंडिंग में शीर्ष पर है, जबकि 2021 में खिताब जीतने वाली न्यूजीलैंड छठे स्थान पर है। रोहित शर्मा की टीम नवंबर-जनवरी में शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलिया के महत्वपूर्ण दौरे से पहले डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहेगी।

## बाबर , शाहीन का मजाक बना रहे पाक प्रशंसक

**लाहौर (एजेंसी)।** पाकिस्तान क्रिकेट में आजकल उथल पुथल मची हुई है। टीम की बांग्लादेश के बाद इंग्लैंड के खिलाफ हार से दिग्गज और प्रशंसक भड़के हुए हैं। इसी को देखते हुए चयन समिति के साथ ही अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम तक को बाहर कर दिया गया है। बाबर के अलावा मुख्य तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी और नसीम शाह को भी बाहर होना पड़ा है। कुल मिलाकर 4 प्रमुख खिलाड़ियों को बाहर किया गया है। वहीं इस कारण कई नये खिलाड़ियों को अवसर मिले हैं। अब लोग अनुभवी खिलाड़ियों का मजाक बनाते हुए कह रहे हैं कि ये शायद मोहल्लें में बच्चों के साथ खेलते हुए दिखेंगे।

एक यूजर ने सोशल मीडिया पर लिखा, ' अब ये लोग मोहल्लें के बच्चों के के साथ खेलेंगे। ' वहीं एक अन्य यूजर ने तंज कसा कि दिलों का दर्द कम हो जाता अगर जिम्बाब्वे के साथ एक दो सीरीज हो जाती।'एक अन्य यूजर ने

लिखा, पाक क्रिकेट बर्बाद हो रहा है तो तीसरे ने लिखा, इन सबको निकालकर जो बदलाव होगा वह कितना सफल रहेगा। इसी कई लोग हैं जो इन खिलाड़ियों के बाहर किए जाने से नाराज जिकि कई तो बोर्ड पर भड़के हुए हैं। इन लोगों का कहना है कि इससे टीम बेहतर नहीं होगी।

बाहर किये गये खिलाड़ियों का हाल में प्रदर्शन खराब रहा है। वहीं पीसीबी चयन समिति के सदस्य आकिब जावेद ने कहा कि हमने बाबर आजम, शाहीन अफरीदी और सरफराज अहमद और नसीम शाह को आराम दिया है जिससे ये तरोताजा हो सकें।

## न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय टीम जीत की लय बरकरार रखने उतरेगी

**बेंगलुरू (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार से यहां के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में मेहमान टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले पहले टेस्ट मैच में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने इससे पहले बांग्लादेश को दो टेस्ट मैचों की सीरीज में हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। रोहित शर्मा की कप्तानी में उतर रही भारतीय टीम का लक्ष्य इस सीरीज में जीत के साथ ही विश्व टेस्ट चैम्पियनशित (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना रहेगा। इस मैच में युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल के अलवा युवा तेज गेंदबाज आकाशदीप के प्रदर्शन पर सबकी नजरें रहेंगी। इसके अलावा कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली भी अधिक से अधिक रन बनाना चाहेंगे।

शुभमन ने पिछली दस पारियों में तीन शतक और दो अर्धशतक जमाए हैं जबकि यशस्वी ने पिछली आठ पारियों में एक दोहरा शतक और पांच अर्धशतक लगाये हैं। अब उनके लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ इस लय को कायम रखकर आगे जाना रहेगा। शुभमन ने पिछले कुछ समय में तेज गेंदबाजों की अंदर आती गेंदों का सामना करना सीख लिया है। वह बांग्लादेश के खिलाफ सीरी में तेज गेंदबाज हसन महमूद की गेंद पर परेशान रहे थे।

वहीं यशस्वी भी तेज गेंदबाजों पर आक्रामक शॉट खेलने के प्रयास में तीन बार आउट हुए हैं। वह अब तक 20 पारियों में 12 बार तेज गेंदबाजों का शिकार बने हैं। ऐसे में इस सीरीज में उन्हें इस कमजोरी से निजात पानी होगी। दूसरी ओर न्यूजीलैंड के पास मैट हेनरी, विलियम ओ राउरकी और टिम साउदी तेज तेज गेंदबाज हैं। ऐसे में शुभमन और यशस्वी की राह आसान नहीं रहेगी।

कप्तान रोहित ने इस साल 15 टेस्ट पारियों में दो शतक और एक अर्धशतक लगाया पर पिछली 13 पारियों में 497 रन ही बना सके हैं। इसक अलावा विराट ने इस साल छह पारियों में एक अर्धशतक भी नहीं लगाया है ,ऐसे में उन्हें अब रन बनाने होंगे। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 46 और बांग्लादेश के खिलाफ 47 रन की पारियां खेली। उन्हें न्यूजीलैंड के बाएं हाथ के स्पिनरों ऐजाज पटेल और रचिन रविंद्र से सावधान रहना होगा। इन दोनो ने पहले भी देखा जाये तो मेहमान टीम न्यूजीलैंड की मुश्किलें भी कम नहीं हैं। हाल में उसे श्रीलंका ने 2-0 से हराया है। इस दौरान उसके बल्लेबाज

और गेंदबाज विफल रहे थे। उसके कोच ने भी माना है कि मुख्य तेज गेंदबाज टिम साउदी भी फार्म में नहीं हैं। ऐसे में उसके लिए भारतीय स्पिनरों आर अश्विन और रविंद्र जडेजा का सामना करना और भी कठिन रहेगा। चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच स्पिनरों की मददगार रहती है और ऐसे में अश्विन और जडेजा अपनी फिरकी में उन्हें फंसा सकते हैं। इनके अलावा तेज जसप्रीत बुमराह भी फॉर्म में हैं जिन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट में ही 11 विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी हालांकि पांचवें गेंदबाज पर फैसला लेने से पहले भारतीय टीम प्रबंधन को काफी विचार करना होगा।

## न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में 9000 रन पूरे कर सकते हैं विराट, 53 रनों की है जरुरत

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली बुधवार से यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरु हो रहे पहले ही क्रिकेट टेस्ट मैच में एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर सकते हैं। विराट के पास इस मैच में अपने 9000 रनों को पूरा करने का अवसर है। इसके लिए उन्हें केवल 53 रनों की जरूरत है। विराट हालांकि पिछली आठ पारियों में केवल एक अर्धशतक बना पाये हैं पर प्रशंसकों को उनसे इस मैच में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें हैं। विराट ने ये अर्धशतक साल 2023 में दक्षिय अफ्रीका के खिलाफ लगाया था। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का बल्ला पिछले कुछ मैचों से शांत रहा है। विराट के अभी 8947 रन हैं। अगर वह 53 रन बनाकर 9000 रन पूरे करते हैं तो ऐसा करने चौथे भारतीय बल्लेबाज बन जाएंगे। विराट से पहले ये उपलब्धि सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और सुनील गावस्कर के नाम है। वह टेस्ट में नौ हजार रन या उससे ज्यादा रन बनाने वाले 18वें बल्लेबाज भी बन जाएंगे। विराट कोहली ने अब तक अपने टेस्ट करियर में 115 मैच खेलते हुए 8947 बनाए हैं। इसमें 29 शतक और सात दोहरे शतक शामिल है। कोहली ने 30 अर्धशतक भी लगाए हैं, उनका सबसे अधिक स्कोर 254 है।

## अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने वालों में एक भारतीय भी शामिल

दुबई। क्रिकेट में कई रिकार्ड बनते रहे हैं। ये रिकार्ड इसने बड़े स्तर के हैं कि इनका टूटना निकट भविष्य में संभव नजर नहीं आता है। इसी कड़ी में पांच गेंदबाज ऐसे हैं जिन्होंने सबसे अधिक विकेट के रिकार्ड बनाये हैं। इसमें श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन, ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैकग्रा, इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन जैसे गेंदबाज हैं। इस सूची में एकमात्र भारतीय गेंदबाज अनिल कुंबले हैं। कुंबले ने अपने करियर में कुल 956 विकेट लिए हैं। वहीं सबसे अधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड मुरलीधरन के नाम है। मुरलीधरन ने अपने करियर में कुल 1347 विकेट लिए हैं। इस दौरान उन्होंने कुल 593 पारी खेली हैं। सबसे अधिक विकेट उन्होंने टेस्ट करियर में लिए थे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दूसरे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज दिवंगत शेन वॉर्न हैं। वॉर्न ने अपने करियर में कुल 1001 विकेट लिए। इस दौरान उन्होंने कुल 464 पारियां खेली थीं। उन्होंने भी सबसे अधिक विकेट टेस्ट करियर में ही लिए। वॉर्न कार साल 2021 में निधन हो गया था। तीसरे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज जेम्स एंडरसन हैं. जिन्होंने हाल में ही संन्यास की घोषणा की है। एंडरसन ने अपने करियर में कुल 560 इनिंग्स खेली थी. जिसमें उन्होंने कुल 991 विकेट लिए थे। चौथे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज अनिल कुंबले हैं। कुंबले ने 501 मैचों में कुल 956 विकेट अपने नाम किए थे। उन्होनें टेस्ट पारी में 10 विकेट लेने का भी कारनामा किया है. यह कारनामा उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ किया था. इस लिस्ट में पांचवे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैकग्रा हैं। साल 2007 में संन्यास लेने वाले मैकग्रा ने अपने देश के लिए तीनों प्रारुपों को मिलाकर कुल 493 पारियां खेली थी। इस दौरान उन्होंने 949 विकेट अपने नाम किए थे।

## एचआईएल 2024: भारतीय कप्तान से ज्यादा ये खिलाड़ी बिके महंगे, नीलामी में भारतीय खिलाड़ियों पर जमकर पैसा बरसा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** महिला हॉकी इंडिया लीग पहली बार आयोजित हो रही है। इसका आयोजन बुधवार को दिल्ली में हुआ। इस ऑक्शन में भारतीय खिलाड़ियों के लिए टीमों ने जमकर पैसा लुटाया। भारतीय कप्तान सलीमा टेटे, युवा खिलाड़ी उदिता दुहान, लारेमसियामी हमरजोटे और पूर्व कप्तान सविता पूनिया जैसे नाम महंगे साबित हुए। हालांकि, कप्तान सलीमा टेटे से ज्यादा जूनियर खिलाड़ियों पर पैसा बरसा।

सभी टीमों के पास दो करोड़ रुपये का पर्स था जिसमें से उन्हें 24 खिलाड़ी खरीदने थे। भारतीय कप्तान सलीमा टेटे को सूरमा हॉकी क्लब ने 20 लाख रुपये में अपने साथ जोड़ा। पुरुष टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह के बाद महिला टीम की कप्तान भी पंजाब के ही हिस्सा आईं। वहीं दिन की सबसे महंगी खिलाड़ी रहीं डिफेंडर उदिता दुहान जिनके लिए कई टीमों के बीच लड़ाई देखने को मिली। आखिर में सूरमा और बंगाल के बीच बीडिंग की लंबी लड़ाई चली और दुहान को बंगाल टाइगर्स ने 32 लाख रुपये में खरीदा। हालांकि, ये पुरुष लीग के सबसे महंगे खिलाड़ी की आधे से भी कम रकम है।

## एचआईएल नीलामी : के दूसरे दिन बेल्जियम के विक्टर वेगनेज सबसे महंगे खिलाड़ी रहे

नई दिल्ली। बेल्जियम के मिडफील्डर विक्टर वेग्नेज हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के खिलाड़ियों की नीलामी के दूसरे दिन सोमवार को सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। वेग्नेज को सूरमा हॉकी क्लब ने 40 लाख रुपये में खरीदा। नीलामी के दूसरे दिन बड़ी रकम हासिल करने वालों में नीदरलैंड के थिएरी ब्रिंकमैन (38 लाख रुपए) और आर्थर वान डोरेन (32 लाख रुपए) भी शामिल है। इन दोनों के लिए कलिंगा लांसर्स ने बड़ी बोली लगाई। टॉमस डोमिन (दिल्ली एसजी पाइपर्स के लिए 36 लाख रुपए में), ऑस्ट्रेलिया के अरन जालेवस्की (कलिंगा लांसर्स के लिए 27 लाख रुपये में) और ब्लेक गोवर्स (तमिलनाडु ड्रैगन्स के लिए 27 लाख रुपए में) पर फ्रेंचाइजी टीमों ने ने बड़ी रकम खर्च की। मोरियांगथेम रबीचंद्र (कलिंगा लांसर्स के लिए 32 लाख रुपए में) और मोहम्मद राहिल मौसीन (तमिलनाडु ड्रैगन्स के लिए 25 लाख रुपए में) जैसे भारतीय खिलाड़ियों को भी अच्छी रकम मिली।

## न्यूजीलैंड को झटका , सियर्स भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर

**-अनकैप्ड गेंदबाज जैकब डफी शामिल**

**बेंगलुरू (एजेंसी)।** न्यूजीलैंड को भारत के खिलाफ बुधवार से शुरु हो रही तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले ही करारा झटका लगा है। उसके तेज गेंदबाज बेन सियर्स घुटने में चोट के कारण सीरीज से भी बाहर हो गये हैं। उनकी जगह पर अनकैप्ड गेंदबाज जैकब डफी को टीम में जगह दी गयी है। सियर्स को श्रीलंका में हाल ही में टेस्ट सीरीज के लिए ट्रेनिंग के दौरान बाएं घुटने में दर्द उठा था। इसके लिए पिछले सप्ताह न्यूजीलैंड में उनका स्कैन भी हुआ था। इसी को लेकर न्यूजीलैंड क्रिकेट ने अपने बयान में कहा, सियर्स के स्कैन में मेनिस्कस में चोट पाये जाने

के बाद वह भारत दौरे पर नहीं भेजे गये हैं। पहले उम्मीद थी कि वह ठीक हो जाएंगे पर चिकित्सा सलाह के बाद उन्हें सीरीज से बाहर किये जाने पर फैसला हुआ है। वहीं मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा, इस क्रिकेटर का बाहर होना निराशाजनक है। सियर्स ने घरेलू मैदान पर गर्मियों के दौरान अपने टेस्ट करियर की अच्छी शुरुआत की और एक वास्तविक तेज गेंदबाजी विकल्प दिया है। अब यह देखना बाकी है कि वह कब वापसी कर पाते हैं। हमें उम्मीद है कि वह शीघ्र ही इस चोट से उबर जाएंगे। डफी सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के लिए छह एकदिवसीय और 14 टी20 मैच खेले हैं और अभी उनके नाम 299 प्रथम श्रेणी विकेट हैं। स्टीड ने कहा, सियर्स की जगह शामिल डफी के लिए यह अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर है। हमें तीन टेस्ट मैच खेलने हैं, इसलिए उनके पास टेस्ट डेब्यू करने का अच्छा अवसर है। काउंटी चैंपियनशिप में नॉटिंघमशायर के लिए खेलने के जैकब के हालिया अनुभव ने निश्चित रूप से उनकी जगह पक्की कर दी है। टीम के लिए सफेद गेंद क्रिकेट में उनका प्रदर्शन हमेशा प्रभावशाली रहा है और हमें विश्वास है कि अगर उन्हें बुलाया गया तो वे योगदान दे पाएंगे।

## मिताली राज का टीम इंडिया पर बड़ा हमला- 3 साल में कोई सुधार नहीं हुआ

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत की पूर्व कप्तान मिताली राज ने मंगलवार को महिला टी20 विश्व कप में राष्ट्रीय टीम के खराब प्रदर्शन के लिए पिछले 3 वर्षों में खेल के विभिन्न विभागों में सुधार करने में विफल रहने को जिम्मेदार ठहराया। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में यह पहली बार है कि भारत आईसीसी के किसी टूर्नामेंट के नॉकआउट के लिए क्वालीफाई करने में विफल रहा। इससे टीम का विश्व कप खिताब जीतने का इंतजार और बढ़ गया। इसके साथ ही कप्तान के रूप में उनके भविष्य पर गंभीर सवालिया निशान लग गए।

बहरहाल, मिताली ने कहा कि टीम के पतन का कारण संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की परिस्थितियों से जल्दी सामंजस्य बैठाने में विफल रहने के साथ बल्लेबाजी में स्पष्टता की कमी और खराब क्षेत्ररक्षण था। भारत की पूर्व कप्तान मिताली ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली हार ने इस बात को साबित किया कि इस टीम ने पिछले तीन साल में कोई सुधार नहीं किया है। उन्होंने कहा कि मैं अगर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच की बात करूं तो यह जीतने लायक मैच था। हमारे पास मौके थे लेकिन ऐसा लग रहा था कि हम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसी परिपाटी का पालन कर रहे हैं जिसमें मैच को आखिरी ओवरों तक ले जाकर हार का सामना करना शामिल है। यह रणनीति कारगर नहीं है।

उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि पिछले दो-तीन वर्षों में मैंने वास्तव में इस टीम में कोई विकास नहीं देखा है। मेरा मतलब है कि सर्वश्रेष्ठ टीम को हराने के लिए आप हमेशा तैयारी करते हैं। ऐसा लगता है कि हम अन्य टीमों को हरा रहे हैं और हम इससे काफी खुश हैं। मिताली ने कहा कि इस टूर्नामेंट में हर दूसरी टीम ने सीमित गहराई के बावजूद विकास दिखाया है, इसका सबसे अच्छा उदाहरण दक्षिण अफ्रीका है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम को अनुकूल परिस्थितियों में मिली हार के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि हमारी खिलाड़ियों ने धीमी विकेटों से सामंजस्य बैठाने में समय लिया जबकि न्यूजीलैंड के बल्लेबाज ऐसा करने में सफल रहे। उन्होंने कहा कि 'हैरानी की बात यह है कि हमें विकेट की धीमी गति से तालमेल बैठाने में समय लगा। वनडे विश्व कप के विपरीत यह एक छोटा टूर्नामेंट है। आपके पास परिस्थितियों से तालमेल बैठाने के लिए ज्यादा समय नहीं होता है। सोफी डिवाइन जैसी खिलाड़ी हमारे खिलाफ इतने रन बनाने में सक्षम थी और वह धीमी पिचों पर खेलने की आदी नहीं है।

## महिला टी20 विश्वकप : भारतीय महिला टीम का सफर फिर निराशाजनक रहा

दुबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम टी20 विश्वकप से बाहर हो गयी है। भारतीय टीम की उम्मीदें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार के साथ ही समाप्त हो गयीं थीं। इसके बाद बची हुई उम्मीदें पाकिस्तान की न्यूजीलैंड के खिलाफ करारी हार से समाप्त हो गयीं। पाक के साथ ही भारतीय टीम भी महिला टी20 विश्व कप से बाहर हो गयी। यह आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप का नौवां सत्र था जिसमें भारतीय टीम एक बार भी खिताब नहीं जीत पायी। भारतीय टीम ने साल 2020 में फाइनल खेला था। भारतीय टीम महिला टी20 विश्व कप में ग्रुप ए में थी। इस ग्रुप में भारत के साथ ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका की टीमें भी थीं। इसमें भारतीय टीम का भारत का पहला मुकाबला न्यूजीलैंड से हुआ था। भारतीय टीम को इस मुकाबले में 58 रन से हार झेलनी पड़ी थी। भारतीय महिला टीम का दूसरा मुकाबला पाकिस्तान से हुआ था। इसमें भारतीय टीम ने 6 विकेट से जीत हासिल की थी। भारतीय महिलाओं ने इसके बाद श्रीलंका को भी आसानी से हरा दिया था। भारत ने यह मैच रिकॉर्ड 82 रन से जीता. यह टूर्नामेंट में भारत की सबसे बड़ी जीत थी। भारत का आखिरी ग्रुप मैच ऑस्ट्रेलिया से हुआ। ऑस्ट्रेलिया अपने पहले तीन मैच जीतकर पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच गया था। भारत के खिलाफ भी ऑस्ट्रेलिया ने जबरदस्त खेल देखाकर 9 रन से जीत दर्ज की. भारत को इस मुकाबले को जीतने के लिए आखिरी ओवर में 14 रन बनाने थे और उसके 5 विकेट बाकी थे। इसके बाद भी भारतीय टीम दबाव में 9 रन नहीं बना सकी थी। भारतीय टीम इस प्रकार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हमेशा ही हारती रही है।

## संक्षिप्त समाचार

### गाजा में स्कूल पर हमले में बच्चों समेत 20 लोगों की मौत, सुरंग में इजराइली सेना के सामने हिजबुल्लाह आतंकी कर रहे सरैंडर

**येरूसलम, एजेंसी।** मध्य गाजा में एक स्कूल में इजराइल के हवाई हमले में बच्चों समेत कम से कम 20 लोग मारे गए हैं। स्थानीय अस्पताल ने यह जानकारी दी। नुसरत में रविवार रात हुए इस हमले में दो महिलाएं भी मारी गईं। गाजा में साल भर से जारी युद्ध के बीच कई लोगों को विभिन्न स्थानों पर शरण लेनी पड़ी हैं। इस स्कूल में कुछ फलस्तीनियों ने शरण ली हुई थी। शवों को नुसरत के अल-अवदा अस्पताल और दीर अल बला के अल-अक्सा शहीद अस्पताल ले जाया गया। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजराइल की बमबारी और गाजा पर उसके जमीनी आक्रमण में 42 हजार से अधिक फिलीस्तीनी मारे गए हैं। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, हिजबुल्लाह के आतंकवादी अब इतने डरे हुए हैं कि वे मरने से बचने के लिए इजराइली बलों के सामने आत्मसमर्पण कर रहे हैं। पिछले कुछ दिनों दक्षिणी लेबनान के एक गाँव में भूमिगत ढाँचे (सुरंग) में रह रहे एक आतंकवादी ने वहाँ पहुँची सेना के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। इजरायली सेना दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के आतंकी टनल तक पहुंच गई जिसका एक वीडियो भी शेयर किया गया है जिसमें सेना के सामने हिजबुल्लाह आतंकी सरेंडर करते दिखे। बता देमं दक्षिणी लेबनान में टनल में बड़ी संख्या में हिजबुल्लाह के आतंकी सक्रिय हैं जिनके खात्मे के लिए ढ्ढष्ठस्न लगातार इन टनल को निशाना बना रही है। राजधानी बेरूत पर इजराइल के हमलों के जवाब में की गई कार्रवाई बताया। इस हमले में 22 लोग मारे गए थे। बाद में हिजबुल्ला ने कहा कि उसने इजराइल के विशिष्ट 'गोलानी ब्रिगेड को निशाना बनाया तथा ड्रोन के हमले के दौरान इजराइली वायु रक्षा प्रणालियों पर कब्जा करने के लिए कई मिसाइलें दागीं।

### अमेजॉन की जनजाति पर इंटरनेट का असर, शिकार छोड़कर फोन चलाते रहते हैं लोग

**वाशिंगटन एजेंसी।** इंटरनेट ने लोगों की जिंदगी को अच्छे और बुरे दोनों ही तरीकों से प्रभावित किया है। दूरस्थ अमेजॉन के जंगलों में रहने वाली जनजाति भी इसके प्रभाव से अपने आप को अछूता नहीं रख पाई है। अमेजॉन की मरूबो जनजाति के लोग पिछले दशक तक आधुनिक दुनिया से पूरी तरह से दूर रहते थे लेकिन पिछले कुछ समय में इंटरनेट ने उनकी दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। जंगलों में बहुत अंदर बसे होने के कारण 2023 तक इनके पास मोबाइल फोन तो थे लेकिन लेकिन नेटवर्क ना होने की वजह से वह आधुनिक तकनीकि से अधिक प्रभावित नहीं थे। लेकिन फिर एलन मस्क ने इस क्षेत्र में अपने सैटेलाइट इंटरनेट स्टारलिंक को लॉन्च करके पूरी कहानी पलट दी। मस्क की सैटेलाइट इंटरनेट कंपनी स्टारलिंक ने इस जनजाति के गांव में कुछ एंटीना लगाए और अमेजॉन वर्षावनों की गहराई में रहने वाली मोरुबो जनजाति तक भी इंटरनेट की पहुंच सुनिश्चित कर दी। सितंबर 2023 में इंटरनेट की पहुंच के बाद इस जनजाति के लोगों के जीवन में बहुत ही तेजी से बदल गया। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक जांच रिपोर्ट में इस गांव के बदले हुए हालातों को बताया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक इस गांव में लोगों के पास पहले से फोन थे लेकिन इंटरनेट ना होने की वजह से वह इनका उपयोग केवल फोटो खींचने और कभी-कभार बात करने के लिए करते थे लेकिन जब स्टारलिंक यहां आया तो जिंदगी बदल गई। त्साइनमा मोरुबो ने टाइम्स को बताया कि हमारी जनजाति में पहले लोग बहुत खुश रहते थे। अब वह दिन भर अपना काम काज छोड़कर मोबाइल फोन पर ही लगे रहते हैं। हमारे युवा जिन्हें काम करना चाहिए, वह इंटरनेट की वजह से आलसी हो रहे हैं। वे गोरे लोगों के तौर-तरीके सीख रहे हैं और लगातार अपनी जड़ों से कट रहे हैं। जनजाति के नेता अल्फ्रेडो मारुबो ने कहा कि युवा लोग अपने फोनों में अश्लील वीडियो देख रहे हैं।

### यूक्रेन पर आफत गिरी, नारंगी हो गया आसमान ; रूस का गुप्त हथियार जो किसी के पास नहीं

**कीव , एजेंसी।** रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध दिन बढ़ने के साथ खतरनाक होता जा रहा है। इस महायुद्ध को अगले साल फरवरी महीने में तीन साल पूरे हो जाएंगे। इस बीच पूर्वी यूक्रेन के एक शहर कोस्तियातिन्विका में रूस का ऐसा गुप्त और रहस्यमयी हथियार गिरा, जिसने पूरी दुनिया में कौतूहल बढ़ा दिया है। यह गुप्त हथियार दुनिया में इकलौता और सबसे उन्नत किस्म का है, जो रूस के अलावा किसी और के पास नहीं है। जब यह यूक्रेन में फटा तो कुछ देर के लिए आसमान नारंगी हो गया। यूक्रेनियों ने ऐसा नजारा पहली बार देखा और मारे दहशत के बंकरों में छिप गए। इतने लंबे वक्त से चल रहे इस युद्ध में कभी इस हथियार का इस्तेमाल नहीं हुआ है। यूक्रेन आशंकित है कि रूस का यह हथियार बताता है कि वह कुछ बड़ा करने की योजना बना रहा है। इस गुप्त हथियार से किसी को नुकसान नहीं पहुंचाया गया। ऐसी चर्चाएं हैं या तो यूक्रेनी लड़ाकों ने इसे हवा में ही नष्ट कर दिया या रूस द्वारा गलती से छोड़े जाने पर उसी ने इसे नष्ट कर दिया, क्योंकि प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि इस गुप्त हथियार के साथ रूसी लड़ाकू विमान भी आसमान पर दिखाई दिए। रूस नहीं चाहता था कि यह दुश्मन के हाथ लगे और इस हथियार से जुड़ी जानकारी दुनिया के सामने आए। यह हथियार रूस का प्रसिद्ध एस-70 ओखोत्निक ड्रोन बताया जा रहा है। जानकारों का मानना है कि इस तरह का उन्नत हथियार दुनिया में किसी के पास नहीं है। इससे पहले रूस ने जब भी यूक्रेन पर हवाई हमले किए हैं, आसमान पर सफेद रंग की रोशनी दिखाई दी है, लेकिन इस बार पूरा आसमान नारंगी रंग में नहाया हुआ दिखाई दिया।

# दुनिया की इस जमीन पर नहीं है किसी भी देश का कब्जा, कोई भी जाकर बन सकता है पीएम

**येरूसलम, एजेंसी।** जमीन के लिए दुनिया के कई हिस्सों में देशों के बीच में लड़ाई मची हुई है। सबसे बड़ी लड़ाई इस वक्त फिलीस्तीन और इजरायल के बीच मची हुई है, जिसमें हजारों लोग मारे जा चुके हैं। लेकिन इजरायल से कुछ किलोमीटर दूर ही जमीन का एक हिस्सा ऐसा है जिस पर कोई भी देश कब्जा नहीं करना चाहता। दरअसल, हम बात कर रहे हैं बिर ताविल नामक क्षेत्र की, जो कि इजिप्ट और सूडान की सीमा के बीच में बसा हुआ है। इस रेगिस्तानी क्षेत्र पर ना तो सूडान अपना दावा करता है और ना ही इजिप्ट।

पिछले 60 सालों में यह क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय नेताओं के लिए एक चुनौती बना हुआ है। सहारा रेगिस्तान के उत्तरपूर्वी क्षेत्र में बसे इस 2060 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र का नाम खानाबदोशों ने बीर ताविल रखा है, जिसका अरबी में अर्थ होता है ऊंचा पानी वाला कुंआ।

**आखिर कोई देश क्यों कब्जा नहीं करना चाहता :** सबसे बड़ा सवाल यह है कि एक तरफ जहां पड़ोस में ही जमीन के एक छोटे से हिस्से के लिए इतना बड़ा युद्ध चल रहा है ऐसे में क्यों इजिप्ट, सूडान या फिर कोई अन्य देश इस खाली जमीन पर कब्जा नहीं करना चाहता.. दरअसल, इसके पीछे का कारण भी ब्रिटेन और 20वीं सदी में उसके द्वारा खींची गई सीमाएं ही हैं। एक समय पर इस पूरे इलाके पर ब्रिटेन का कब्जा था, 1899 में ब्रिटेन और तत्कालीन सूडान सरकार के बीच हुए सीमा समझौते में एक सीमा रेखा खींची गई थी। कुछ ही समय बाद बिट्रेन के छोड़कर चले जाने के बाद इलाके में परेशानी होनी शुरू हो गई, लेकिन इस क्षेत्र को लेकर विवाद तब और ज्यादा बढ़ गया जब इजिप्ट और सूडान के बीच में 1902 में एक और सीमा समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इन दोनों सीमा समझौतों के कारण बिर ताविल एक ऐसा क्षेत्र बन गया कि अगर कोई देश उस पर अपना अधिकार जमाता है तो उसे एक बड़े हिस्से (हलाब त्रिभुज) पर से अपना अधिकार खोना पड़ेगा।

क्योंकि बिर ताविल एक सूखाग्रस्त इलाका है इसलिए यहां की जमीन में ना तो किसी तरह के कोई मिनरल्स हैं और ना ही यह जमीन उपजाऊ है। इसके कारण ना तो सूडान और ना ही इजिप्ट इस इलाके को अपने देश में शामिल करना चाहता है। दोनों ही देशों ने इस वनस्पतिविहीन और जनसंख्या विहीन इस रेगिस्तानी क्षेत्र के विवाद को अनसुलक्षा छोड़ना ही बेहतर समझा है। देशों ने छोड़ा तो लोग नया देश बनाने की कोशिश करने लगे दोनों देशों ने जब इस रेगिस्तानी इलाके के ऊपर के अपने विवाद को अनसुलझा छोड़ने का मन बना लिया तो कई लोगों ने इस पर अपना कब्जा जमाने की कोशिश की। 2014 में वर्जीनिया के एक किसान ने बिर ताविल में एक झंड़ा गाड़ दिया और खुद को उत्तरी सूडान के राज्य का गवर्नर घोषित कर दिया। उनका कहना था कि वह चाहते हैं कि उनकी बेटी राजकुमारी बनें। इसके लिए उन्होंने अपना झंडा बनाया और यहां पर गाड़ दिया। लेकिन उनके दावे को निरस्त कर दिया गया। इस घटना के तीन साल बाद 2017 में इंदौर के रहने वाले एक शख्स ने इस जगह को अपना देश घोषित कर दिया और इस जगह का नाम 'किंगडम ऑफ दीक्षित' रख दिया। उन्होंने अपने आप को यहां का राजा घोषित किया और अपने पिता को अपना प्रधानमंत्री बना लिया। इन दोनों के अलावा कई और लोगों ने भी इस जगह को अपना देश बनाने की कोशिश की। लेकिन सहारा के रेगिस्तान में इस जगह को लेकर ऐसा करना एक घूमने के उद्देश्य से ही किया गया था। सूखाग्रस्त होने की वजह से किसी भी देश की इस इलाके में दिलचस्पी नहीं है।

### भारत के खिलाफ जहर उगलने वाले कनाडाई पीएम जस्टिन टूडो की मुश्किलें बढ़ीं, अपने ही सांसदों ने घेरा

**ओटावा एजेंसी।** भारत के खिलाफ जहर उगलने वाले कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उनकी ही पार्टी के सांसदों का उन पर भरोसा नहीं रहा है। कनाडा



में सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी के भीतर सांसदों का एक ग्रुप जस्टिन टूडो पर पद छोड़ने के लिए दबाव बना रहा है। सीबीसी न्यूज ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि टोरंटो और मॉन्ट्रियल में हाल ही में हुए उप-चुनावों में हार के बाद असंतोष चरम पर पहुंच गया है, जिसके कारण असंतुष्ट सांसदों के बीच कई गुप्त बैठकें हुईं। ये सांसद प्रधानमंत्री पद से जस्टिन टूडो को हटाना चाहते हैं और नेतृत्व में बदलाव के लिए कम-से-कम 20 नेताओं ने दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए हैं। इसी साल जून महीने में टोरंटो-सेंट पॉल उपचुनाव में टूडो की पार्टी आश्चर्यजनक हार हुई थी, जिसके बाद से ही उनकी पार्टी में जबरदस्त असंतोष पनप रहा है। संसद की वापसी के साथ यह अशांति और बढ़ गई और मॉन्ट्रियल उपचुनाव में हार के बाद और भी बढ़ गई। एशिया में हाल ही में हुए शिखर सम्मेलन में टूडो और उनके चीफ ऑफ स्टाफ कैटी टेलफोर्ड की अनुपस्थिति ने निराश सांसदों को बैठक करने और आगे की रणनीति बनाने का मौका दे दिया। इससे पहले, टोरंटो स्टार के शुक्रवार के एक पुराने आर्टिकल में भी 52 वर्षीय टूडो पर पद छोड़ने के लिए सार्वजनिक रूप से दबाव डालने की कोशिशों के बारे में विस्तार से बताया गया था। अखबार ने बताया कि कम-से-कम 30 से 40 सांसद एक पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार हैं। टूडो पर दबाव बनाना चाहते हैं लिबरल पार्टी के सांसद हालांकि, आर्टिकल में बताई गई संख्या से असल आंकड़े कुछ कम हो सकते हैं। टूडो की लिबरल पार्टी के पास कनाडा के हाउस ऑफ कॉमन्स में 153 सीटें हैं। असहमति जताने वाले नेताओं द्वारा हस्ताक्षरित इस दस्तावेज को पारंपरिक पत्र के बजाए एक प्रतिज्ञा के रूप में बताया गया है, जिसका उद्देश्य टूडो के इस्तीफे के लिए सांसदों से प्रतिबद्धता हासिल करना है, ताकि प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से विरोध होने पर एक बाध्यकारी समझौता बनाया जा सके।

### डोनाल्ड ट्रंप की जान के पीछे पड़े दुश्मन, हत्या का एक और प्रयास; रैली में संदिग्ध बंदूकधारी गिरफ्तार

**बेरूत, एजेंसी।** क्या अमेरिका में चुनाव में दौरान पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या का तीसरी बार प्रयास हुआ है? दरअसल, रिपब्लिकन कैंडिडेट की कैलिफोर्निया रैली के पास सुरक्षा चौकी पर एक संदिग्ध व्यक्ति की गिरफ्तारी हुई। इसके पास से गोलियों से भरीं बंदूकें, कई पासपोर्ट और नकली लाइसेंस प्लेट बरामद हुआ। इसे लेकर आशंका जताई जा रहा है कि यह शख्स रैली में ट्रंप की हत्या करने के मकसद से आया था। रिवरसाइड काउंटी शेरिफ चाड बियांको ने कहा, हमारा मानना है कि विभाग ने हत्या के प्रयास को रोक दिया है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि ये फिलहाल अटकलें ही हैं। जेल रिकॉर्ड के मुताबिक, संदिग्ध को शनिवार को जमानत पर रिहा भी कर दिया गया। सीनियर पुलिस अधिकारी ने कहा कि संघीय जांच चल रही है। उन्होंने कहा, हम यही जानते हैं कि संदिग्ध अलग-अलग नामों से कई पासपोर्ट, फर्जी लाइसेंस प्लेट, बिना नंबर वाली गाड़ी और हथियारों के साथ चुनावी रैली में पहुंचा था। इसे देखते हुए विश्वास है कि हमने हत्या के एक और प्रयास को रोक दिया। इससे पहले, ट्रंप पर हमले की घटना बीते महीने उस समय हुई जब वह गोल्फ खेल रहे थे। उनसे कुछ ही दूरी पर तैनात सीक्रेट सर्विस के एजेंटों ने देखा कि लगभग 400 गज की दूरी पर मैदान के किनारे झाड़ियों के बीच एके राइफल का हिस्सा बाहर निकला हुआ था।

# हिजबुल्लाह ने इजरायल के आर्मी बेस पर दागे ड्रोन, 4 सैनिकों की मौत और 60 से ज्यादा घायल

**बेरूत, एजेंसी।** ईरान समर्थित आतंकी गुट हिजबुल्लाह ने इजरायल के आर्मी बेस पर ड्रोन हमले किए हैं। यह अटैक इतना घातक था कि 4 इजरायली सैनिकों की मौत हो गई और 60 से अधिक घायल हैं। इजराइली बचाव सेवा की ओर से कहा गया कि बिनयामीना शहर में स्थित सैन्य अड्डे को निशाना बनाया गया। लेबनान के चरमपंथी समूह हिजबुल्लाह ने इस हमले की जिम्मेदारी भी ली है। इजरायल की वायु-रक्षा प्रणालियां इतनी मजबूत मानी जाती है कि ड्रोन या मिसाइल हमले में इतनी संख्या में लोगों के घायल होने की आशंका नहीं के बराबर रहती है। हालांकि, इस बार नुकसान पहुंचा है। इजरायली मीडिया ने बताया कि रविवार को लेबनान से 2 ड्रोन दागे गए। इजराइली सेना का कहना है कि एक ड्रोन को मार गिराया गया। यह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है कि घायलों में शामिल लोग आम नागरिक हैं या सैनिक। हिजबुल्लाह ने बयान में कहा कि उसने बेरूत में इजरायल की ओर से किए गए 2 हमलों के जवाब में इजरायल की सेना के प्रशिक्षण शिविर को निशाना बनाया। गुरुवार को बेरूत में किए गए हमले में 22 लोग मारे गए थे। पिछले 2 दिन में यह दूसरी बार है जब इजरायल में ड्रोन से हमला किया गया। शनिवार को तेल अवीव के उपनगर में ड्रोन अटैक हुआ, जिसमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हिजबुल्लाह के 50 लड़ाकों को मार गिराया- इजरायली सेना दूसरी ओर, इजरायल रक्षा बलों ने कहा कि उसने पिछले 24 घंटों में दक्षिणी लेबनान में आमने-सामने की मुठभेड़ों में हिजबुल्लाह के 50



आतंकवादियों को मार गिराया। आईडीएफ ने शनिवार को कहा कि उसने उत्तरी इजरायल के इलाकों और सेना बलों को निशाना बनाकर भूमिगत सुरंग शाफ्ट, कई हथियार भंडारण बुनियादी ढांचे, रॉकेट लांचर, मोर्टार बम और एंटी-टैंक मिसाइलों सहित 200 से अधिक हिजबुल्लाह के लक्ष्यों को निशाना बनाया। बयान में कहा गया कि इजरायली वायु सेना ने सीरिया-लेबनान सीमा पर भूमिगत सुविधाओं को निशाना बनाकर अभियान भी चलाया, जहां हिजबुल्लाह के हथियार रखे गए थे। इस बीच, इजरायली सेना ने गाजा पट्टी में अपना अभियान जारी रखा। सैन्य बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया और टैंक फायर, शॉर्ट-रेंज फायर व वायु सेना के हमलों के माध्यम से कई आतंकवादियों को मार गिराया।

# इजरायल पर आंच नहीं आने देगा अमेरिका, अब सबसे धांसू रक्षा प्रणाली की तैनाती का ऐलान

**वाशिंगटन।** इजरायल ईरान के बीच तल्खी बढ़ने के बाद पूरे मिडिल ईस्ट में तनाव चरम पर है। एक और जहां अमेरिका का कहना है कि वह क्षेत्र में शांति सुनिश्चित करने की कोशिश में है, वहीं दूसरी तरफ वह अपने साथी इजरायल को जंग में हर मोर्चे पर मदद भी कर रहा है। अमेरिका कथित तौर पर अपने सबसे बेहतरीन एंटी-मिसाइल सिस्टम, टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस को इजराइल भेज रहा है। साथ ही इसे संचालित करने के लिए अमेरिकी सैनिकों को भी इजरायल भेजा जाएगा। इससे पहले 13 अक्टूबर को ईरान ने अमेरिका को इज़राइल का साथ ना देने की चेतावनी दी थी। हालांकि इसके तुरंत बाद ही अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने राष्ट्रपति जो बाइडेन के निर्देश पर इस कदम को उठाने का ऐलान किया है। हाल ही में 1 अक्टूबर को ईरान ने इज़राइल में 180 मिसाइलें दागी थीं। इसके बाद से ही इजरायल इन हमलों का जवाब देने की तैयारी में है जिससे क्षेत्र में कभी भी जंग भड़क सकता है। थाड अमेरिका में निर्मित एक मिसाइल रक्षा प्रणाली है। इसे बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह छोटी, बड़ी और कम दूरी की मिसाइल हमले को आसानी से बेअसर कर सकता है। थाड एक बड़े इलाके को कवर कर सकता है और 150-200 किलोमीटर के बीच की दूरी पर दुश्मन के लक्ष्यों को निशाना बना सकता है। इससे पहले इजरायल ने पैट्रियट सिस्टम को भी तैनाती की थी। हर थाड बैटरी में आमतौर पर छह ट्रक-माउंटेड लॉन्चर, इंटरसेप्टर, रडार शामिल होते हैं और इसे संचालित करने के लिए करीब 95 सैनिकों की जरूरत होती है। अमेरिकी सेना का महत्वपूर्ण हिस्सा इस तैनाती से अमेरिका इजरायल-ईरान संघर्ष में सीधे तौर पर कूदने के संकेत दे रहा है। ईरान ने इज़राइल के खिलाफ मिसाइल हमले किए हैं और अमेरिका जवाब में इज़राइल की रक्षा में हर संभव प्रयास करने की बात कर चुका है। अब थाड सिस्टम की तैनाती से इजरायल की वायु सेना की क्षमता कई गुणा मजबूत हो जाएगी। इकोनॉमिक टाइम्स के मुताबिक अमेरिकी सेना में फिलहाल सात थाड हैं।

# इजरायल पर 9/11 जैसा हमला करने वाला था हमास, ऐसा क्या हुआ जो पीछे हट गए आतंकी

**गाजा , एजेंसी।** हमास के एक हमले के जवाब में इजरायल ने आतंकियों के गढ़ गाजा और राफा को श्मशान बना दिया है। कम से कम 44 हजार लोग मार डाले। इस भीषण नरसंहार से पहले हमास ने पिछले साल 7 अक्टूबर इजरायल पर विनाशकारी हमला किया था। यह हमला इतना भयावह था कि महज 20 मिनट में 5000 मिसाइलें दागी गईं। मिसाइलों की इतनी संख्या के कारण इजरायल की वायु रक्षा प्रणाली आयरन डोम भी उसे रोकने में नाकाम रहा। नतीजन इस हमले में 1200 से ज्यादा लोग मारे गए और इसके बाद हमास ने सीमा पार करके सैकड़ों को बंधक बना लिया। 250 में से 100 बंधक अभी भी उसके कब्जे में हैं। जिन्हें इजरायल छुड़ाने की जद्दोजहद में है। ऐसी रिपोर्ट सामने आई है कि हमास ने 7 अक्टूबर से पहले इजरायल पर 9/11 जैसा हमले करने की योजना बनाई थी, लेकिन ऐन वक्त पर उसे प्लानिंग बदलनी पड़ी। 7 अक्टूबर 2023 को फिलिस्तीनी उग्रवादी समूह हमास का इजरायल पर हवाई हमला न सिर्फ इजरायल अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए भी उतना ही चौंकाने वाला था। इस हमले को लेकर हाल ही में सामने आए दस्तावेजों से पता चलता है कि इसकी योजना कई वर्षों से बनाई जा रही थी और इसे 2022 में ही अंजाम देने की योजना थी। हमास अमेरिका पर हुए 9/11 हमला जैसा करने की योजना बना रहा था। द न्यू यॉर्क टाइम्स, द वाशिंगटन पोस्ट और द वॉल स्ट्रीट जर्नल समेत कई अंतरराष्ट्रीय मीडिया आउटलेट्स ने इसे लेकर सनसनीखेज रिपोर्ट जारी की है। इसके मुताबिक, हमास इजरायल पर एक साल पहले ही हमला कर लेता, लेकिन हिजबुल्लाह और ईरान से मदद मिलने में देरी के कारण यह मुमकिन नहीं हो पाया। हमास इन दोनों की मदद से अतिरिक्त धन से अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत करना चाहता था। हमास नेताओं और ईरानी अधिकारियों के बीच हुई वार्ता से जुड़े दस्तावेजों से पता चलता है कि हमास की प्लानिंग 7 अक्टूबर जैसे भयावह नरसंहार से कहीं अधिक थी।

**हमास का बिग प्रोजेक्ट :** ऐसा पता चलता है कि जनवरी 2022 की शुरुआत में ही हमास एक बड़े पैमाने पर ऑपरेशन पर चर्चा कर रहे थे। जिसमें इजरायल में घुसकर उसके फेमस अजरीली टॉवर को 9/11 की तरह उड़ाने का विचार था। अलकायदा ने 11 सितंबर 2001 में अमेरिका में दो विमानों का अपहरण किया और वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में क्रैश कर दिया। इस हमले ने अमेरिका को हिला दिया था। जवाब में अमेरिका ने कुछ ही महीनों के भीतर अलकायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान स्थित उसके ठिकाने पर मार गिराया। दो वर्षों तक हमास का सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व इजरायल को तगड़ी चोट देकर बड़ा आघात करना चाहता था। इसके लिए उसने ईरान और हिजबुल्लाह के साथ 10 हाई लेवल की बैठकें भी की।

# 7 अक्टूबर को इजरायल पर हुए हमले की साजिश में शामिल था ईरान? तेहरान ने दिया जवाब

**संयुक्त राष्ट्र , एजेंसी।** संयुक्त राष्ट्र में ईरान के दल ने उन सभी रिपोर्टों को खारिज कर दिया है, जिनमें ईरान के ऊपर 7 अक्टूबर को इजरायल पर हुए हमलों में शामिल होने का आरोप लगाया गया था। 7 अक्टूबर को हुए हमले को लेकर इजरायली सेना के हवाले से अमेरिकी अखबारों और इजरायली सरकार ने यह दावा किया था कि इजरायल के ऊपर अचानक हमला करने से पहले हमास ने एक गुप्त मीटिंग के जरिए ईरान और हिजबुल्लाह को इस बात की जानकारी दी थी। ईरानी मिशन से मीडिया कर्मियों ने जब इन दावों के ऊपर सवाल पूछा तो उन्होंने इन्हें पूरी तरह से बेबुनियाद बताते हुए खारिज कर दिया। वहीं कतर में मौजूद हमास के उच्च अधिकारियों ने भी 7 अक्टूबर को हुए हमलों के बारे में बताया कि इस मिशन की जानकारी केवल गाजा में ऑपरेट कर रही हमास की सैन्य शाखा को थी। इस पूरे मिशन में उन्हें ही योजना बनाने, निर्णय लेने और निर्देश देने की जिम्मेदारी दी गई थी। ऐसे में इस घटना से किसी भी तरह से ईरान या हिजबुल्लाह को जोड़ना गलता है। इससे पहले शनिवार को न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में बताया गया था कि इजरायली सेना ने अपने जमीनी अभियान के द्वारा हमास की गुप्त मीटिंगों के बारे में कुछ दस्तावेज जब्त किए थे, जिन्हें बाद में अखबार को दिए गए। इन दस्तावेजों में 7 अक्टूबर के हमले के साथ-साथ याह्या सिनवार और हमास के महत्वपूर्ण सूचनाएं दर्ज थीं। इन दस्तावेजों में प्राप्त सूचनाओं के आधार पर यह दावा किया गया था कि हमास ने हिजबुल्लाह और ईरान को इस हमले के बारे में मनाने की कोशिश की थी। 7 अक्टूबर 2023 को हमास ने इजरायल पर



हमला करके करीब 1200 लोगों को मौत के घाट उतार दिया था। इसके साथ ही हमास के आतंकवादी करीब 250 लोगों को बंधक बना कर अपने साथ गाजा ले गए थे। इसके बाद इजरायल ने हवा और जमीन दोनों जगहों से गाजा पर हमला बोल दिया।

पिछले एक साल में इजरायल ने गाजा में हमास की कमर तोड़ कर रख दी। इन हमलों के बाद लेबनान का हिजबुल्लाह और ईरानी सरकार लगातार हमास का समर्थन करते हुए नजर आए हैं। लेबनान लगातार इजरायल के ऊपर मिसाइलों और रॉकेटों से हमला कर रहा है जिसके कारण इजरायल ने हमास के बाद लेबनान में भी जमीनी कार्रवाई करने का फैसला किया और हिजबुल्लाह के तत्कालीन प्रमुख नसरल्लाह की हत्या कर दी थी।

## संक्षिप्त खबरें

### राज्यपाल ने धनबाद में एसजेएएस सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल का किया उद्घाटन

**धनबाद(बिभा):** राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने आज धनबाद में एस०जे०ए०एस० सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने अस्पताल में व्याप्त विभिन्न सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह अस्पताल इस क्षेत्र के लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण पहल है। अवलोकन के क्रम में कहा गया कि यह अस्पताल अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों और विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाओं से सुसज्जित है, जो जटिल बीमारियों के इलाज में सक्षम होगा। राज्यपाल महोदय ने अस्पताल प्रबंधन से आह्वान किया कि समाज के कमजोर और वंचित वर्गों को भी स्वास्थ्य सेवाओं की पूरी सुविधा मिले, इस दिशा में विशेष ध्यान दिया जाए। राज्यपाल ने अस्पताल के संस्थापकों, चिकित्सकों, नर्सों और सभी स्वास्थ्य कर्मियों को बधाई देते हुए विश्वास प्रकट किया कि यह अस्पताल आने वाले वर्षों में चिकित्सा क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगा और धनबाद तथा आसपास के क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करेगा।

### धनवार स्टेशन पर गोड्डा- दिल्ली- गोड्डा एक्सप्रेस का ठहराव का शुभारम्भ

**धनबाद(बिभा):** यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर उनके सुगम आवागमन हेतु गाड़ी संख्या 14049/ 14050 गोड्डा- दिल्ली- गोड्डा एक्सप्रेस का धनवार स्टेशन पर 02 मिनट का ठहराव प्रदान किया गया है । इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री, भारत सरकार अन्नपूर्णा देवी के प्रतिनिधि श्री पवन साव एवं अन्य गणमान्य द्वारा आज 14050 दिल्ली- गोड्डा एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर धनवार स्टेशन पर ठहराव का शुभारम्भ किया गया । इस अवसर पर मंडल के अधिकारी, कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

### धनबाद स्टेशन पर स्वच्छता पखवाड़ा का समापन समारोह का आयोजन

**धनबाद(बिभा) :** स्वच्छ भारत मिशन अभियान के अंतर्गत , भारतीय रेल द्वारा आयोजित स्वच्छता पखवाड़ा के पन्द्रहवे और आखरी दिन, धनबाद मंडल के धनबाद स्टेशन पर स्वच्छता पखवाड़ा का समापन समारोह का आयोजन किया गया तथा पूरे स्वच्छता पखवाड़ा मे किए गए कार्यों का मूल्यांकन किया गया क साथ ही धनबाद स्टेशन के साफ झ सफाई के फीडबैक हेतु सिग्नचर कैम्पैन का आयोजन किया गया एवं रेल परिसर में एकल उपयोग प्लास्टिक के निषेध में जागरूकता अभियान चलाया गया। धनबाद स्टेशन पर भी यात्रियों को प्लास्टिक के इस्तेमाल से होने वाले नुकसानों से अवगत कराया गया, साथ ही उन्हें कचरा निष्पादन के विभिन्न तकनीकों से अवगत कराया गया । इस अभियान के अंतर्गत, धनबाद स्टेशन पर रेल कर्मियों के द्वारा स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता थीम के बैनर्स एवं पम्प्लेट्स के माध्यम से, यात्रियों को एकल उपयोग प्लास्टिक का उपयोग न करने की सलाह दी गयी।

### धनबाद- जम्मूतवी एकसप्रेस अब धनबाद प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को

**धनबाद(बिभा) :** यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर उनके सुगम आवागमन हेतु धनबाद से जम्मूतवी के लिए गाड़ी संख्या 03309 धनबाद- जम्मूतवी एक्सप्रेस स्पेशल चलायी जा रही हैं ट्रेन संख्या 03309 धनबाद- जम्मू तवी एक्सप्रेस स्पेशल अब धनबाद से प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को चलेगी । इस स्पेशल ट्रेन में धनबाद से जम्मू तवी के लिए काफी संख्या में बर्थ उपलब्ध है।

### कुव्यवस्था हारेगी, जनता विजयी होगी : सुदेश

**रांची(बिभा) :** चुनाव आयोग द्वारा झारखंड विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान किए जाने पर आजसू पार्टी अध्यक्ष सुदेश महतो ने कहा कि यह चुनाव कुशासन के खिलाफ एक लड़ाई है, जिसे हमें जीतना है। कुव्यवस्था हारेगी, जनता विजयी होगी। उन्होंने पार्टी कार्यकताओं को चुनाव की तैयारियों में जुट जाने का आह्वान करते हुए कहा कि पूरी सेवा, समर्पण और निष्ठा से अपने दायित्वों का निर्वहन करें। झारखंड की जनता बदलाव के लिए बेताब है।

भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारी, सोशल मीडिया प्रभारी का एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

# भाजपा के रहते संविधान और आरक्षण पर खरोंच तक नहीं आएगी:लाल सिंह आर्या

**जवाहरलाल नेहरू के समय से ही कांग्रेस का चेहरा दलित और संविधान विरोधी: डा भोला सिंह**

**झारखंड के सभी 41 अनुसूचित जाति बहुल सीटों पर भाजपा करेगी जीत दर्ज: किशुन कुमार दास**

बिभा संवाददाता

**रांची :** गरीबी को नजदीक से देखने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब से देश की सत्ता को संभाला है, गरीबों के उत्थान के लिए ही काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश से गरीबी हटाने के लिए कटिबंध हैं। उक्त बातें भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने कही। श्री चुग आज भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजत भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा, झारखण्ड प्रदेश के प्रशिक्षण सह कार्यशाला कार्यक्रम में कही।

उन्होंने कहा कि देश के चार करोड लोगों को पक्का मकान दे दिया गया है और 3 करोड नए पक्का मकान देने की योजना है। जबकि 11 करोड़ घरों में शौचालय बने हैं और तकरीबन 11 करोड़ घरों में रसोई गैस सिलेंडर भी पहुंचाया गया। इतना ही नहीं 14 करोड़ घरों में नल से पीने का पानी भी पहुंचाया गया है।

उन्होंने कहा कि देश को गरीबी से मुक्त बनाने के लिए भाजपा कटिबद्ध हैं।जबकि झूठ और नफरत फैलाने वाले कांग्रेस पार्टी से देश के लोगों को बचने की जरूरत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कांग्रेस पार्टी के झूठ का विष भी पीना पड़ रहा है।

भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य ने कहा है कि जब तक केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के

नेतृत्व में सरकार है तब तक आरक्षण को खरोंच भी आने नहीं दी जाएगी। संविधान और आरक्षण को खत्म करने की कल्पना भी भारतीय जनता पार्टी के रहते नहीं की जा सकती है।

प्रदेश के मोर्चा ओर सोशल मीडिया के प्रभारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने विधानसभा चुनाव में जीत का मंत्र भी दिया। उन्होंने कहा कि जिस कांग्रेस पार्टी ने संवैधानिक संस्थाओं को ताक पर रखकर ओर देश के बाहर आरक्षण और संविधान को कमजोर करने की झूठी बात फैलाकर देश की जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रहा है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने 97 बार संविधान संसोधन, 72 चुनी हुई सरकारों को बर्खास्त किया और संविधान की मूल भावना के साथ छेड़छाड़ भी किया। कांग्रेस के नेता देश के बाहर ,देश के भीतर लोगों को बीच जहर घोलने का काम कर रही है। इन पाखंडी से देश को बचाना है।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ भोला सिंह ने कहा कि आगामी विधानसभा में चुनाव में अनुसूचित जाति मोर्चा झारखंड प्रदेश के सभी कार्यकर्ता टोली बनाकर गांव में घूम घूम कर पार्टी के पति लोगों को जागरुक करने और वोट में तब्दील करना सबसे बड़ी जिम्मेवारी है।

उन्होंने कहा कि झारखंड विधानसभा चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व में बनी हेमंत सरकार को उखाड़ फेंकने की जिम्मेवारी हम सभी की है और एस सी मोर्चा इसमें बढ़ चढ़ कर भाग ले रहा है। जबकि झारखंड प्रदेश एस सी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सिमरिया के विधायक किशुन कुमार दास में कहा कि विधानसभा चुनाव में एस सी मोर्चा की जिम्मेदारी ओर दायित्व काफी बढ़ जाता है। प्रदेश के सभी 41 अनुसूचित जाति बहुल सीट पर जीत दर्ज करना सबसे प्रमुख उद्देश्य में से एक हैं। उन्होंने कार्यकताओं को जीत का मंत्र देते हैं कहा कि सभी कार्यकर्ता गांव गांव में टोली बनाकर और पार्टी के दिशा निर्देश के आधार पर काम करेंगे तो सफलता जरुर कदम चूमेगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की राष्ट्रीय सोशल मीडिया प्रभारी अणिमा सोनकर ने कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से केंद्र सरकार के जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार करना है। वहीं ज्यादा से ज्यादा लोगों को सोशल मीडिया से जोड़ने की जरूरत है।

कार्यक्रम में विषय प्रवेश भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा, झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष किशुन दास ने किया वही मंच संचालन मोर्चा के प्रदेश महामंत्री प्रभात भुइँया एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रदेश महामंत्री रंजन पासवान ने किया।

बाबूलाल मरांडी और अमर कुमार बाउरी ने चुनाव की घोषणा का किया स्वागत कहा

## यह रोटी, बेटी और माटी बचाने का चुनाव: मरांडी

बिभा संवाददाता

**रांची।** चुनाव आयोग ने झारखंड विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी है। इसका भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी और नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने स्वागत किया है। श्री मरांडी ने कहा कि बीते 5 सालों में बेरोजगारी, घुसपैठ, अपराध, भ्रष्टाचार, कुशासन, तुष्टिकरण, दलित-आदिवासी-पिछड़े समाज का उत्पीड़न और झामुमो कांग्रेस राजद के जंगलराज से त्रस्त झारखंड की जनता-जनार्दन अब परिवर्तन चाहती है। यह चुनाव झारखंड की रोटी, बेटी और माटी की अस्मिता को बचाने का चुनाव है। यह चुनाव आदिवासी समाज के अस्तित्व को घुसपैठियों से बचाने का चुनाव है। यह चुनाव युवा साथियों को नौकरी, रोजगार और न्याय दिलाने का चुनाव है। यह चुनाव झारखंड को बचाने का चुनाव है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस विधानसभा चुनाव में झारखंड के मतदाता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी और एनडीए गठबंधन को प्रचंड बहुमत देकर लोक कल्याणकारी सरकार बनाएंगे। नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि झारखंड की अत्याचारी- महाभ्रष्ट झामुमो-कांग्रेस-राजद सरकार के विदाई की अंतिम गिनती शुरू हो चुकी है। दो चरणों में चुनाव का यह निर्णय स्वागत योग्य है।

## हजारीबाग में बीएसएफ के 373 जवानों ने लिया देश सेवा का संकल्प

बिभा संवाददाता

**हजारीबाग :** सहायक प्रशिक्षण केंद्र, सीमा सुरक्षा बल, मेरु, हजारीबाग के रानी झांसी परेड ग्राउंड में सीमा सुरक्षा बल के 373 नवआरक्षक जो कि भारत के विभिन्न प्रांतों दिल्ली,केरल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक इत्यादि से है, 44 सप्ताह के कठिन परिश्रम, लगन एवं साधना के पश्चात बुनियादी प्रशिक्षण पूर्ण कर दीक्षांत परेड में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कमलजीत सिंह बनियाल, महानिरीक्षक, सहायक प्रशिक्षण केंद्र और प्रशिक्षण केंद्र एवं विद्यालय, सीमा सुरक्षा बल, हजारीबाग, ने सलामी ली। इस अवसर पर जिला प्रशासन के वरीष्ठ अधिकारी, लोक प्रतिनिधि सहित संस्थान के अन्य अधिकारीगण एवं नव आरक्षकों के परिजन उपस्थित रहे। दीक्षांत परेड में शामिल 373 नव आरक्षकों ने राष्ट्रीय ध्वज के समक्ष संविधान की शपथ ली एवं राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं संप्रभुता बनाए रखने के लिए खुद को समर्पित करने का प्रण लिया।समारोह के दौरान शानदार ड्रिल और मार्च पास्ट कर नव आरक्षकों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।इस दौरान मुख्य अतिथि ने ओवरऑल बेस्ट परफॉरमेंस समेत विभिन्न विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले नवआरक्षकों को पुरस्कार प्रदान कर उनका मनोबल बढ़ाया।

बतौर मुख्य अतिथि कमलजीत सिंह बनियाल ने अपने संबोधन में नवारक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि, आज की दीक्षांत परेड के बाद वे औपचारिक तौर पर, सीमा सुरक्षा बल जो कि भारत की प्रथम रक्षा पंक्ति है, के महत्वपूर्ण सदस्य बन गए हैं और बल में, कर्तव्य निर्वहन के लिए प्रथम कदम रखने जा रहे हैं। उन्होंने नवआरक्षकों के माता पिता और परिजनों को बधाई देते हुए कहा कि अपने सपूतों को सीमा सुरक्षा बल में भेजकर राष्ट्र-सेवा के कार्य में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने सहायक प्रशिक्षण केंद्र के कुशल अनुदेशकों की टीम को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए बधाई दी। दीक्षांत परेड के उपरान्त बीएसएफ बैंड की धुन ने दर्शकों को काफी आकर्षित और रोमांचित किया ।इसके अलावा जवानों के द्वारा सामूहिक योग, वेपन हैंडलिंग, केरल राज्य के मार्शल आर्ट (कलारीपट्टु) तथा केंद्रीय विद्यालय मेरु के छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का बेहतरीन प्रदर्शन किया, जिसे देखकर उपस्थित लोगों ने भूरी - भूरी प्रशंसा की।

## डॉ पी शिवकुमार केन्द्रीय रेशम बोर्ड को अंतर्राष्ट्रीय सेरीकल्चरल आयोग के प्रधान सचिव के रूप में चयनित

बिभा संवाददाता

**रांची :** केन्द्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य सचिव श्री पी. शिवकुमार, भा.व.से. को अंतर्राष्ट्रीय सेरीकल्चरल आयोग (आईएससी) के सेक्रेटरी जनरल (महासचिव) का भी दायित्व दिया गया। जिनका कार्यकाल 2025 से 2027 तक के लिए है । दिनांक 15.10.2024 को सामूहिक चर्चा के दौरान डा. एन.बी.चौधरी, निदेशक सीएसबी-केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, नगड़ी, राँची ने एवं संस्थान के वैज्ञानिकों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया एवं बधाई दी । सदस्य सचिव द्वारा इस उपलब्धि को प्राप्त करने पर वस्त्र राज्य मंत्री, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार, असम के मुख्यमंत्री महोदय सहित पूरे देश से अनेक संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा शुभकामना एवं बधाई संदेश प्राप्त हुए हैं । देश में रेशम उद्योग से जुड़े वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों कृषकों ने भी इस अवसर पर अपने बधाई संदेश देते हुए इस उपलब्धि को गौरवशाली बताया । यह उपलब्धि भारतीय रेशम उद्योग से जुड़े सभी लोगों के लिए हर्ष का विषय है । साथ ही विश्व रेशम परिदृश्य के लिए महत्वपूर्ण है । आई.एस.सी. के द्वारा दिनांक 10 से 12 अक्टूबर, 2024 तक रोमानिया देश के बुचारेस्ट शहर में आयोजित 27वें सम्मेलन में भारत से केन्द्रीय रेशम बोर्ड के सदस्य सचिव पी. शिवकुमार के नेतृत्व में डॉ.एन.बी.चौधरी, निदेशक, के.रे.बो.-केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, पिस्काय नगडी, राँची, दिलीप कुमार, पी. नायक अंतर्राष्ट्रीय सेरीकल्चरल आयोग , के कार्यक्रम में शामिल हुए । यह हाई लेवल टीम अंतर्राष्ट्रीय सेरीकल्चरल आयोग द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में सहभागिता किया एवं प्रक्षेत्र एवं प्रयोगशाला का भी भ्रमण किया । यह टीम रोमानिया देश में आयोजित विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय रेशम पर केन्द्रित बैठकों में भी भाग लिया एवं विश्व् रेशम उद्योग के उन्नयन पर विस्तृत चर्चा किया । सदस्य सचिव पी. शिवकुमार द्वारा बताया गया कि यह सम्मेलन वैश्विक अनुसंधान की दिशा में विभिन्न कार्यक्रमों के संचालन पर विचार मंथन हेतु आयोजित किया गया जो कि भारत में रेशम उद्योग को और गति प्रदान करने में भी सहायक सिद्ध होगा । डॉ. एन. बी. चौधरी, निदेशक ने बताया कि शोध के क्षेत्र में परस्पर सहयोग, विचार मंथन, तकनीकी का आदान-प्रदान, भावी दृष्टिकोण एवं प्रभावी कार्य-योजना आवश्यक है । अतः यह दौरा तसर रेशम के शोध गतिविधियों हेतु नया आयाम लायेगा । इस चयन से विश्व के साथ-साथ भारत वर्ष एवं झारखण्ड का रेशम उद्योग भी लाभावित होगा । झारखण्ड के तसर रेशम उद्योग को और अधिक बढ़ावा के साथ नया आयाम प्रदान होगा।

# विकसित देशों के निशुल्क पीएचडी पाठ्यक्रम के लिए झारखंड के विद्यार्थी आगे आयें: डॉ पवन कुमार

बिभा संवाददाता

**रांची।** अमेरिका, इंग्लैंड और जर्मनी जैसे देशों में पीएचडी पाठ्यक्रम पूरी तरह निशुल्क तो है ही, साथ ही शोधार्थी की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अच्छा स्टाइपेंड भी मिलता है। इसलिए झारखंड के विद्यार्थियों को वहां के शोध कार्यक्रम में प्रवेश के लिए प्रयास करना चाहिए। इन देशों में पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश आसान नहीं है और 100 विदेशी आवेदकों में से केवल पांच छह ही चयनित हो पाते हैं। इसलिए अपना बायोडाटा, शोध कार्य का पूर्व अनुभव और किसी विशेष प्रयोगशाला या विश्वविद्यालय में ही शोध कार्य क्यों करना चाहते हैं इसका जस्टिफिकेशन भी बढ़िया से तैयार करना चाहिए।

उपरोक्त विचार स्टोनी ब्रुक विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क, अमेरिका के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ पवन कुमार ने बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय में मंगलवार को एक जागरूकता व्याख्यान देते हुए रखे। उन्होंने कहा कि शोध कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए कार्य अनुभव का वर्णन करते हुए आवेदन तैयार करना एक महत्वपूर्ण कौशल है और इसमें छात्र-छात्राओं को मास्टरी हासिल करना चाहिए। जिस प्रयोगशाला या संस्थान में वे प्रवेश चाहते हैं उसके बारे में पूरी जानकारी संस्थान के वेब पेज या अन्य ऑनलाइन कंटेंट से प्राप्त की जा सकती है। अमेरिका में वैज्ञानिक पदों पर भर्ती के लिए पढ़ाई के विषय के अलावा, उम्मीदवार के प्रकाशित शोध पत्र, रुचि और कार्य के प्रति समर्पण को विशेष तवज्जो दी जाती है। यही कारण है कि पशु दैहिकी में मास्टर डिग्री और भैषज विज्ञान में पीएचडी डिग्री होने के बावजूद मेरा नियुक्ति माइक्रोबायोलॉजी विभाग में हुई। डॉ पवन ने अमेरिका में मास्टर, पीएचडी और पोस्ट डॉक्टरल प्रोग्राम के बारे में विद्यार्थियों की जिज्ञासा का उत्तर भी दिया और हर प्रकार के सहयोग और मार्गदर्शन का आश्वासन दिया।

रांची वेटरनरी कॉलेज के पूर्ववर्ती छात्र डॉ पवन ने अमेरिका के ब्लड सेंटर आफ विस्कंसिन और यूनिवर्सिटी ऑफ पिट्सबर्ग से दो पोस्ट डॉक्टरल रिसर्च किया है तथा एनिमल इम्यूनिटी में विशिष्ट योगदान किया है। उन्होंने विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए पशुओं में इम्यूनिटी से जुड़े विषय पर तकनीकी व्याख्यान भी दिया।

वेटनरी संकाय के डीन डॉ सुशील प्रसाद ने स्वागत भाषण तथा आयोजन की समन्वयक डॉ नंदनी कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। संचालन विद्यार्थी प्रसेनजीत एवं अमीषा ने किया। इस अवसर पर डीन पीजी डॉ एमके गुप्ता तथा डेयरी टेक्नोलॉजी कॉलेज के एसोसिएट डीन डॉ आलोक कुमार पांडेय ने भी अपने विचार रखे।

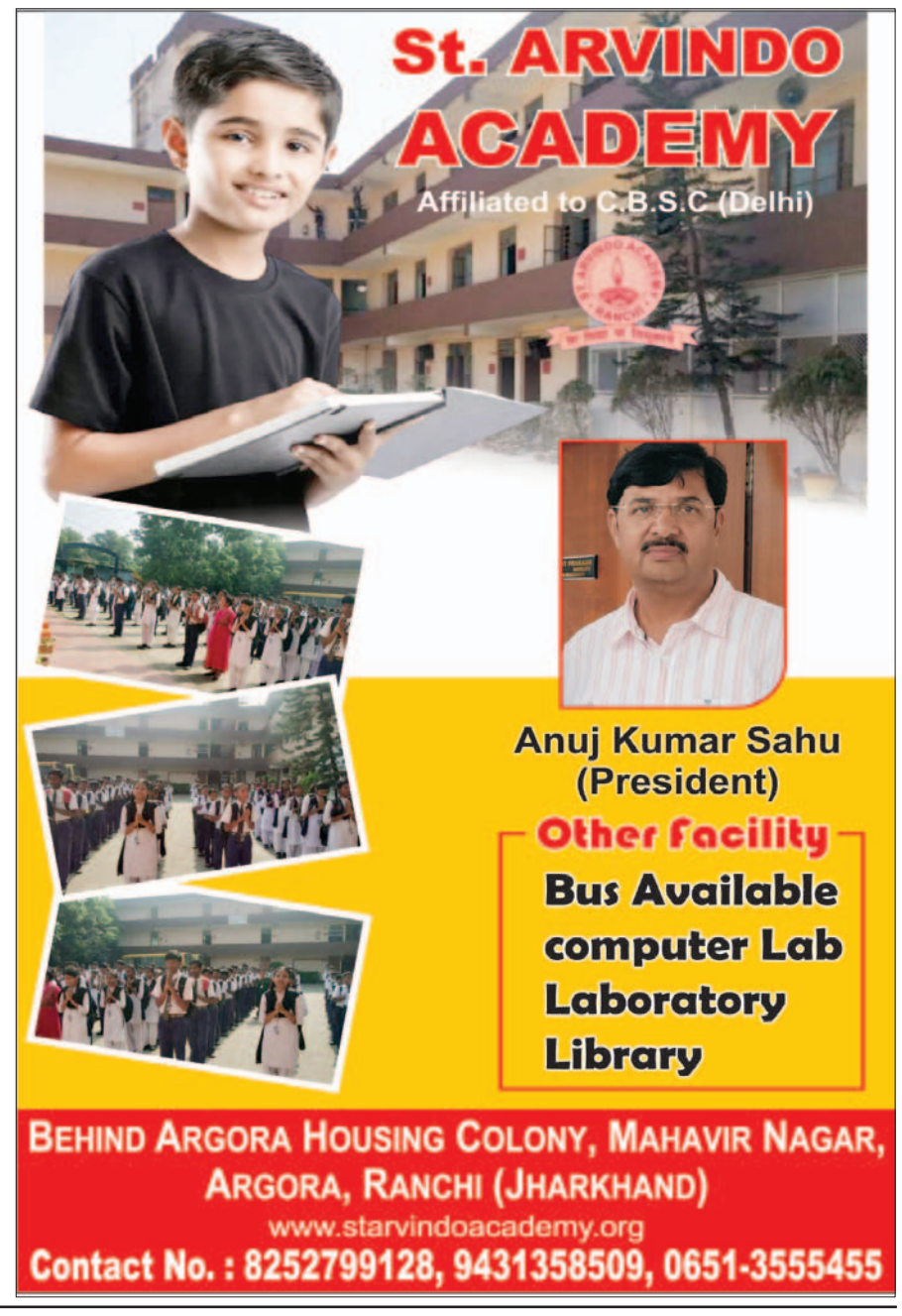


बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक संजय कुमार के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि., काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। संपादक कविता साहू *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार । Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com